He Gazette of India

प्राधकार संप्रकाशित PublishED BY AUTHORITY

सं० 25]

नई बिल्ली, शनिवार, जून 20, 1981 (ज्येष्ठ 30, 1903)

No. 25]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 20, 1981 (JYAISTHA 30, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 मई 1981

सं० ए०-32013/3/80-प्रणा०-1—संघ लोक सेवा धायोग की धिस्सूचना सं० ए०-32013/3/80-प्रणा०-1 दिनांक 10-2-81 के कम में गृह मंक्षालय, कार्मिक और प्रणासनिक विभाग के का० शा० सं० एफ० 4/11/81-सी० एस० (1) दिनांक 25-4-81 की शतों के अनुसार ग्रेड-1 में नियुक्ति हेतु के० स० से० धिकारियों की चयन सूची में सम्मिलित निम्नलिखित धिक कारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट ध्रवधि के लिए संघ लोक सेवा ध्रायोग के कार्यालय में ग्रस्प श्रवधि के ध्राधार पर अवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है:—

क्रं० सं०	नाम	चयन सूची में ऋम सं०	ग्र वधि
1	2	3	4
स	वैश्री		
1. জ	० एस० साहनी	9 29-3-	-81 से 28-6-81 तक
1-1	6 GI/81	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	[7509

1 2	3	4
2. एम० पी० जैन	84	29-3-81 से 28-6-81 तक
 ए० गोपालकृष्णन 	85	— व ही—
4. एन० के० सोनी	86	14-1-81 से 13-4-81 सक
		ग्रीर पुनः 14-4-81 से
		28-6-81 तक
5. जी० पी० सक्सेना	94	—वत्री—

गृह मंद्रालय

संघ लोक सेवा भायोग

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक मई 1981

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर श्री पुष्कर सिंह ने 7 श्रप्रैल, 81 के पूर्वीह्न से के० श्रौ• मु० ब० यूनिट, एच० ई० सी०, रांची के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

मं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक--मथुरा से स्थानांतरित होने पर श्री बी० एस० राणा ने 31 मार्च, 81 के पूर्वाह्न से के० श्री० मु० व० यूनिट एस० एम० टी० पी० पी०, सिंगरौली के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक कलकत्ता से स्था-नांतरित होने पर श्री श्यामल राय ने 4 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म में के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल०, झरिया के सहायक कमांडेंट के पत्र का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति होने पर श्री वामुदेवन नायर ने 6 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० गु० व० यूनिट श्रलांए स्टील प्लांट, दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

मं०-ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक--पदोन्नति होने पर श्री श्रार० पी० सिंह ने 4 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट फरक्का बांध परियोजना, फरक्का के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(4)/5/81-कार्मिक—हरिद्वार से स्था-नांतरित होने पर श्री इन्द्रमोहन ने 6 श्रप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न में के० श्रौ० सु० ब० यनिट एच० श्राई० एल०, रसायनी के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

> सुरेन्द्र नाथ महानिदेशक

कार्मिक एवं प्रणामनिक सुधार विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो नई विल्ली, दिनांक 25 मई 1981

संगण्ठ-22013/3/81-प्रणाठ 5—हम कार्यालय की दिनांक 12-2-1981 की ग्राधिसूचना मंठ एठ-22013/3/81-प्रणाठ 5 के कम में, निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस हस्थापना ग्रपने प्रसाद से निम्नलिखित पुलिस उप ग्रधीक्षक की तदर्थ प्रोन्नितयों को प्रत्येक के सम्मुख दी गई निथि से ग्रगले ग्रादेश तक के लिए नियमित करते हैं:—

ऋं० ग्रधिकारीका सं० नाम	णाखा जिसमें पद स्थापित है	तिथि जब से प्रोन्निति नियमित की
सर्वेश्री		
1. एस० म्रार० बिश्नोई	समन्वय	2-3-1980
2. के० बी० सिंह	एस० श्राई० सी०	1-5-1980
3. एस० कुमार	सा० प्र०स्कं०∕	31-5-1980
	कलिकता	
4. एम० एन० माथुर	विशेष एकक	1-8-1980
 श्रार० एस० प्रसाद 	एस० श्राई० सी०	2-8-1980
6. यदिव चन्द्र	विशेष एकक	2-8-1980

सं० ए०-22013/3/81 स्थाप० 5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा श्री एम० एम० राय, पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, जो आजकल सिक्षिकम सरकार में प्रतिनियुक्ति पर है, को दिनांक 1-5-1980 से अगले आदेण तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना में नयमित आधार पर पुलिस उप-अधीक्षक के पद पर प्रोफार्मा प्रोन्नति प्रदान करते हैं।

विनांक 29 मई 1981

सं० ए.०-19036/1/81-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, ग्रासाम पुलिस से प्रतिनियुक्त पुलिस उप-अधीक्षक श्री रणजीत कुमार घोष, को दिनांक 11-5-1981 के पूर्वाह्न से भ्रगले ग्रादेश तक के लिए केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-ग्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर प्रशासनिक श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरो

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 मई 1981

सं० 11/20/81-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, कर्णाटक सांख्यिकी सेवा के प्रधिकारी श्री जी० वासवन्ता को कर्णाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 4 मई, 1981 के श्रपराह्म से एक वर्ष से श्रनधिक श्रविध के लिए या जब तक यह पद नियमित श्राधार पर भरा जाए, जो भी श्रविध पहुले हो, प्रतिनियुक्ति द्वारा तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री वासवन्ना का मख्यालय बंगलीर में होगा।

पी० प**द्मनाभ** भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय केरल, तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 21 मई 1981

सं० प्र० स्थापना/प्र०/7/9-86/खण्ड 2/57--श्री एम० जं० फिलिप, ग्रनुभाग ग्रिधिकारी (लेखा ग्रीर लेखा परीक्षा) को 6-5-1981 पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रादेगों तक लेखा ग्रिधिकारी के पद में स्थानापक्ष होने हेतु नियुक्त करने के लिए महालेखा-कार, केरल संतुष्ट हुए हैं।

डी० शिवरामक्कष्णन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा भ्यनेश्वर, दिनांक 16 श्रप्रैल 1981

सं० ई० भ्रो० (स्था० भ्रा०) सं० 10—महालेखाकार महोदय ने इस कार्यालय के निम्नलिखित श्रनुभाग श्रधिकारियों को लेखा म्रधिकारी के रूप में काम करने के लिए वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200/- र० पर श्रागामी श्रावेश तक प्रत्येक के नाम के सामने श्रंकित सिधि से नियक्त किया है।

पद्योक्षति तदर्थं श्राधार पर तथा न्यायालय के विचाराधीन मामले पर उच्चतम न्यायालय के निर्णयानुसार की गई है।

- 1. श्री विश्वनाथ खां, ग्रनु० जाति--- 6-4-1981।
- 2. श्री एस० सी० सरकार, श्रनु० जाति-1-4-1981।

(ह्०) भ्र**पठ**नीय उप महालेखाकार (प्रशा०)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक मई, 1981 आयात तथा व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/1272/78-प्रशा० (राज०)/सवा—निवर्तन की श्रायु होंने पर, श्री श्रार० के० शर्मा, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के स्थायी वर्ग-4 के श्रिधकारी श्रीर इस कार्यालय में स्थानापन्न नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात की 30 श्रप्रैल, 1981 के दोपहर

बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

> ए० एन० कौल उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात इते मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

(वस्त्र विभाग)

पटसन श्रायुक्त का कार्यालय कलंकत्ता, दिनांक 28 मई 1981

सं० जूट (ए०)/147/65—पटसन आयुक्त एनद्दारा श्री के० के० बनर्जी, प्रशासनिक अधिकारी, प्रप' बी" को इस कार्यालय में 1-6-81 (पूर्वाह्म) से 31-8-81 (श्रपराह्म) अथवा स्थायी तौर पर रिक्त पद की पूर्ति जो भी पहले हो तक कार्यकारी अधिकारी, ग्रुप "ए" तदर्थ स्थानापन्न हैं सियत में ६० 700-40-900-द० रो०-40-1000-50-1300/- की वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

डी० के० गोस्वामी, प्रशासनिक ग्रधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई, 1981

सं० ए०-31013/2/78-प्र०-6---राष्ट्रपति ने यह निर्णय किया है कि भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड III की इंजीनियरी शाखा के सहायक निदेशक निरीक्षण/निरीक्षण ग्रिधकारी (इंजीनियरी) के ग्रेड के निम्नलिखित ग्रिधिकारियों की स्थायीकरण की तारीखें निम्न प्रकार कर दी जाएं:---

ऋं० सं०	श्रधिकारी का नाम	वर्तमान पद	इससे पूर्व स० निदे० निरी/निरी० प्रधि० (इंजी०) के पद पर स्थायी होने की तारीख	निरी० ग्रधि०	ग्रभ्युक्तियां
1	2	3	4	5	6
1.	सर्वश्री पी० एल० कपूर	. सेवा निवृत्त	23-12-1969	14-12-1969	पूर्ति विभाग के दिनांक 10-4-81 के पत्न सं० ए०-31019/2/72- स्था० II के ग्राधीन ग्रांतिरिक्त पद के मद्दे समंजित
2.	जी० एस० सावकर	. सेवा निवस	23-12-1969	14-12-1969	वर्ही
	एस० सी० कपूर	. निरी० निदे०	23-12-1969	14-12-1969	वही
	बी० एस० बन्धशी	. सेवा निवृत्त	23-12-1969	14-12-1969	वही -
	जी० बालकृष्णन	. निरी० निदे०	23-12-1969	14-12-1969	वही <i>-</i>
6.	एस० बी० दत्ता	. सेवा निवृत्त	23-12-1969	14-12-1969	~~वही <i>~</i> ~
	भार० एस० भ्ररोड़ा	. उप निदे० निरी०	23-12-1969	14-12-1969	 वही
	श्रार० एन० धींगड़ा	. सेवा निवत्त	23-12-1969	14-12-1969	वही -

1 2	3	4	5	6
9. एच० एल० घोष	. मृत्यु हो गई	23-12-1969	14-12-1969	पूर्ति विभाग के दिनांक 10-4-81 के पक्ष सं० ए०-31019/2/72- स्था० II के ग्राधीन ग्रतिरिक्त पद के मद्दे समंजित
0. एम० बी० प्रभु	. सेवा निवृत्त	23-12-1969	14-12-1969	—वहो— -
1. ए० एन० चटर्जी	. सेवा निवृत्त	1-6-1970	14-12-1969	वही
2. के० एल० गर्ग .	. उप निदे० निरी०	23-10-1970	14-12-1969	—वही— -
3. एस० रघुनाथन .	. भारत हैं वी इलैंक्ट्रिकल में भामिल कर लिए गए	10-12-1970	14-12-1969	वही
4. एस० सुक्बेयाह .	. उप निदे० निरी०	17-1-1971	14-12-1969	वही -
5. म्रार०सी० गुप्त	. उप निदे० निरी०	10-7-1971	14-12-1969	— वही—-
 श्रार० बी० नारायणन 	. —वही—	12-11-1971	14-12-1969	वही
7. जी० म्रार० भाटिया	. सेवा नि ष्	12-11-1971	14-12-1969	वही
8. जी० रामदास .	. उप निदेशक	12-11-1971	15-12-1969	पूर्ति विभाग (ग्रपराह्म) के दिनांक 31-3-79 के पन्न सं० ए०-31019/2/72- स्था०II के भ्रधीन सृजित भ्रतिरिक्त पर

६स्पात व खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 29 मई 1981

सं० ए०-19012(115)/80-स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिण पर राष्ट्रपति, डा० जे० सी० अग्रवाल, सहा-यक प्रनुसंधान प्रधिकारी (श्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 30-4-81 के श्रपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अकस्क प्रसाधन श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19012(140)/80-स्था० ए० — संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री के० जी० इंगले, सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) की दिनांक 30 प्रप्रेल, 1981 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक प्रसाधन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19012(141)/80-स्था० ए०—संघ लोक सेवा प्रायोग की सिफारिण पर राष्ट्रपति,श्री ए० एस० एस० इस्तोतात, भहायक यनुगंधान प्रधिकारी (प्रयस्क प्रसाधन) को दिनांक 30 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक श्रयस्क अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्ति प्रदान करते हैं।

> श्रा० रा० **कश्यव** कार्यालय **ग्रध्यक्ष** भारतीय **खान ग्**यूरो

उप निवेशक (प्रशासन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 26 मई 1981

सं० स्था०-1-5721/881-श्राफिसर्स--इस कार्यालय की दिनांक 24 मार्च, 1981 की ग्रिधिसूचना सं० स्था०-1-5707/881-ग्राफिसर्स के कम में डाक्टर (श्रीमती) धूनीता नंदबानी एम० बी० बी० एस० को, ज्योडीय एवं श्रनुसंधान शाखा श्रौष-धालय भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून में, दिनांक 7-5-81 से ग्रुप "बी" सेवा में चिकित्सा ग्रिधकारी के पद पर 650-1200 रु० के वेतनमान में, 650/- रु० प्रतिमाह वेतन पर श्रिधकतम 6 माह को ग्रवधि (प्रत्येक 90 दिन के बाद एक दिन के सेवा-विच्छेद सहित) ग्रथवा उस समय तक जब तक कि उक्त श्रौषधालय में किसी नियमित डाक्टर की तैनाती नहीं हो जाती, जो भी पहले हो, के निए पुन: नियुक्त किया जाता है।

प्राधिकार—स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का दिनांक 8-5-1981 का पत्र सं० ए-12026/7/81-सी० एच० एस-1

के० एल० खोसला, ले० जनरल भारत के महासर्वेक्षक

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिस्ली-110011, दिनांक 27 मई 1981

सं० 14/4/81-एम (टी०)—प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल एवं पुरावणेष नियमावली, 1959 के नियम 6 अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करमें हुए, मैं जगत-पति जोशी, निदेशक (अन्वेषण) यह निदेश देता हूं की सम्नाट शाहजहां के वार्षिक "उर्स" समारोह के उपलक्ष्य में निम्न-लिखित निथियों में आगरा के ताजमहल में प्रवेश पाने के लिए कोई शहक नहीं लिया जाएगा:—

(1) 30-5-81 को

4.00 बजे श्रपराह्म से

2.00 बजे राक्षि तक

(2) 31-5-81 को

2.00 बजे भ्रपराह्न से

5.00 बजे प्रातः तक

(30/31 की राब्रि)

(3) 1-6-81 को

6.00 बजे प्रातः से

5.00 बजे प्रातः तक

(31/पहली जुन रावि)

जगतपति जोमी, निदेशक (भ्रन्येषण)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन कलकता-700019, दिनांक 26 मई 1981

सं० 35-2/80/स्था०—राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में कनिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ ६प में कार्यरत निम्नलिखित ग्रधिकारियों को, विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश के ग्राधार पर दिनांक 23/5/81 से, अन्य श्रादेश न मिलने तक उसी पद पर प्रोन्नत किया जाता है।

- 1. श्री ए० के० बोस
- 2. श्री एस० एन० मेनाय
- 3. श्री एम० पी० काला
- 4. श्री लालता राम
- 5. श्री पत्तु राम
- श्री एस० हेस्सा

एस० पी० दासगुप्ता, निदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 27 मई 1981

सं० ए-12026/4/81-गीवन्ही-1-फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने श्री के० एम० नायर स्थायी श्रधीक्षक फिल्म प्रभाग बम्बई को, श्री बी० श्रार० पेसुवानी सहायक प्रणासकीय ग्रधिकारी के श्रवकाण पर चले जाने के कारण दिनांक 19-5-1981 के पूर्वाह्न से 10-7-1981 तक सहायक प्रशासकीय ग्रधिकारी, फिल्म प्रभाग, बम्बई के पद पर नियुक्त किया है। नरेन्द्र नाथ शर्मा, प्रशासकीय ग्रधिकारी कृते मुख्य निर्मात

ग्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 1981

सं० 10/9/80-एस-तीन—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री राधे श्याम भर्मा को उच्च भक्ति प्रेषित्र, श्राकाशवाणी बम्बई में 21-4-1981 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेशों तक सहायक इंजीनियर के पद पर श्रस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

> एच० एन० बिध्वास, प्रशासन उपनिदेशक (ई०) कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1981

सं० ए० 12025/17/79-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री पी० मोहन राजू को 17 मार्च, 1981 पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक राजकुमारी श्रमृत कौर कालेज ग्राफ नर्सिंग, नई दिल्ली में ग्रस्थाई रूप से मनोविज्ञान के नेक्चरार के पद पर नियुक्त किया है।

दिनाँक 24 अप्रैल 1981

मं० ए० 12025/23/79-एन० एम० ई० पी०/प्रशासन-1— राष्ट्रपति ने श्री एस० पी० श्रीवास्तव को 9 सितम्बर, 1980 के पूर्वीह्म से श्रागामी श्रावेशों तक राष्ट्रीय मस्नेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर श्रस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

> टी० सी० जैन, उप निदेशक प्रशासन (सं० व प०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 28 मई 1981

भावेश

संदर्भ: नाईस/का० प्र० 5/2606/2397/1087—जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के अन्रक्षण ईंधन संयंत्र में मददगार "ग्र" श्री च० संजीव राव में, काम से अवकाण की बिना पूर्व सूचना/अनुमोदन के ही, प्रायः अनुपस्थित रहने की श्रादत पाई गई तथा जिस में संयंत्रों के अनुरक्षण कार्य में अमुविधा उत्पन्न हुई;

ग्रीर जब कि उक्त श्री संजीय राय दिनांक 07/12/1980 के बाद से ही अप्राधि त: (ग्रयकाण के बिना पूर्व अनुमोदन के) काम से ग्रनुपस्थित रहे;

श्रीर जब कि उक्त श्री संजीव राव ने अपने उपर्युक्त रस्य द्वारा नामिकीय ईंधन सम्मिश्र क स्थायी श्रादेशों के अनुख्छेद 39(5) के श्रनुसार तथा केन्द्रीय नागरिक सेवा (श्राचरण) नियम, 1964 के नियम 3(1) (2) तथा 3(i) (iii) का उन्तंबन कर के कदाचरण का कार्य किया;

श्रीर जब कि उक्त श्री संजीय राव को श्रारोपों तथा उनके विरूद्ध प्रस्तायित कार्यवाही की, ज्ञापन मं० नाईस/का० प्र० 5/2606/460, दिनांक 25/2/81 द्वारा, सूचना दी गई।

श्रीर जब कि स्थानीय पते श्रर्थात् निवास सं० 430/2, लाला गुड़ा, सिकरदराबाद 500017 को पावती सह पंजीकृद डाक द्वारा प्रेषित दिनांक 25-2-81 के श्रारोप पत्न को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए इस श्रभ्युक्ति के साथ वापस कर दिया, "व्यक्ति चला गया है, प्रेषक को वापस किया जाता है";

श्रौर जब कि उनके स्थायी पते श्रर्थात्, पुत्र—लक्षमण राव, ग्राम-पेद्दापुर, पत्नालय-वेलदुर्थी, जिला मेदक को पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित दिनांक 25-2-81 के श्रारोप पत्न को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए हुए इस श्रभ्युक्त के साथ वापस कर दिया, "व्यक्ति 7 दिनों से नहीं मिला, प्रेषक को वापस किया जाता है";

श्रौर जब कि उक्त श्री मंजीव राव नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को बिना श्रपना पता-ठिकाना भूचित किए ही श्रप्राधिकृतः काम से निरंतर श्रनुपस्थित रहे;

श्रौर जब कि उक्त श्री संजीव राव स्वेच्छातया अपनी नौकरी त्यागने के दोषी रहे हैं;

श्रौर जब कि नाभिकीय ईधन सम्मिश्र को ग्रपना वर्तमान पता-ठिकाना सूचित किए बिना ही उनके नौकरी त्यागने के कारण, श्रधोहस्ताक्षरी संनुष्ट थे कि नाभिकीय ईधन सम्मिश्र के स्थायी श्रादेशों के अनुच्छेद 41/केन्द्रीय नागिरक सेवा (वर्गी-करण, ग्राचरण व ग्रपील) नियम, 1965 के नियम 14 की व्यवस्थाग्रों के श्रनुसार जांच-ग्रायोजन तर्कतः व्यावहारिक नहीं होगा;

श्रौर जब कि श्रधोहस्ताक्षरी इस ग्रनंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं जी उक्त श्री संजीव राव पर सेवा से निष्कासन का दण्ड ग्रधिरोपित किया जाय;

भ्रौर जब कि उक्त श्री संजीव राव को, भ्रापन सं० नाईस/ का प्र० 5/2606/2397, दिनांक 29-4-81 में वृष्टव्य से अनंतिम निर्णय सूचित किया गया तथा ज्ञापन प्राप्त होने के दस (10) दिवस के श्रन्दर प्रस्तावित दण्ड के विख्छ उन को अभिवेदनार्थ श्रवसर प्रदान किया गया;

भीर जब कि उनके स्थानीय पत्ते गर्थात् निवास स० 430/2, लालागुड़ा, सिकंदराबाद-500 017 को पावती सह पंजीकृत डाम हारा प्रेपित दिनांक 29-4-1981 का उक्त ज्ञापन डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए इस श्रभ्युक्ति के साथ वापस कर दिया गया, "पूरे सात दिन तक व्यक्ति नहीं मिला श्रतः प्रेषक को वापस किया जाता है";

श्रौर जब कि उनके स्थायी पत्ते, पुत्न-लक्षमण राव, ग्राम-पेव्वापुर पत्नालय-बेलदुर्थी, जिला-मेदक की पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित दिनांक 29-4-81 का उक्त ज्ञापन भी डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए हुए इस ग्रभ्युक्ति के साथ वापस कर दिया, "प्रेषिती नहीं मिला, श्रतः प्रेषक को वापस किया जाता है";

ग्रीर जबिक कागजपत्नों का सावधानी पूर्वक ग्रध्ययन करने के पश्चात् ग्रधोहस्ताक्षरी ग्रारोप को प्रमाणित हुग्रा मानते हैं तथा इस ग्रंतिम निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री संजीव राव पर सेवा से निष्कासन का दण्ड ग्रधिरोपित किया जाय;

श्रतः श्रव, नाभिकीय इँधन सम्मिश्र के स्थायी श्रावेशों के श्रनुष्छेद 43 को परमाणु ऊर्जा विभाग के श्रादेश सं० 22(1)/68-प्रशासन-2, दिनांक 7-7-79 के साथ संयोजित करते हुए तथा उनमें प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रधोहस्ताक्षरी उक्त श्री च० संजीव राव को तत्काल प्रभाव से सेवा से निष्कासित करते हैं।

 श्रीच० संजी व राव पुत्त-लक्ष्मण राव ग्राम पेद्रदापुर पत्नालय-वेलदर्थी जिला-मेदक। श्री च० संजीव राव निवास सं० 430/2, ला लागुड़ा, सिकन्दराबाद=500017

> यू० वासुवेवा राव, प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 28 मई 1981

सं० प ख प्र-1/32/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री श्रार० मधुसूदनन पिलय को परमाणु खनिज प्रभाग में 19 मई, 1981 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश होने तक श्रस्थाई रूप से वैज्ञानिक श्रिधिकारी/श्रिभियंता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प ख० प्र-4(15)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी प्रारूपकार सी',श्री मदन लाल को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से श्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रिधकारी 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रि**धकारी**

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक 29 मई 1981

सं० 05052/81/फर०/4262--भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-श्रधिकारी, श्री मुरेन्द्र कुमार जैन, श्रस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी', भारी पानी परियोजना (कोटा) को उसी परियोजना में 1 फरवरी, पूर्वाह्न, 1981 से श्रागे श्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधिकारी/श्रभियंता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/81/फर०/4262—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-प्रधिकारी, श्री विद्या णंकर पाण्डे, ग्रस्थायी फोरमन भारी पानी परियोजना (कोटा) को उसी परियोजना में 1 फरवरी पूर्वाह्म, 1981 से ग्रागे ग्रादेण होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रिधिकारी/ग्रिभियंता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

श्रार० सी० काटिअनकर प्रशासन ग्रधिकारी

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लां बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोरेज एंड इडस्ट्रीज कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 19 मई 1981

सं० 7822/41197/एल० सी०—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान कोल्ड स्टोरेज एंड इंडस्ट्रीज कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

वी० पी० कपूर कम्पनियों का रिजस्ट्रार, उ० प्र० कानपुर

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 और यूनीवर्सल एक्सलस बैट्रीज शाइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 26 मई 1981

सं० 1550/टी०/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 धाराकी (5) के अनुसरण के एतद्दारा सूचना दी जाती है कि युनीवर्सल एक्सलस बैट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> वी० एस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार श्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कार्यालय आयकर श्रायक्त

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1981 श्रायकर

सं० जूरि-दिल्ली/1/81-82/4084—पिछल सभी स्रादेशों का स्रधिक्रमण करते हुए और स्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त स्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्रायकर स्रायुक्त, दिल्ली-J, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई तालिका के कालम 2 में जिन निरीक्षीय सहायक स्रायकर स्रायुक्तों का वर्तमान पदनाम निर्दिष्ट किया गया है वे उक्त तालिका के कालम 3 में दिए गए निर्देश के स्रनुसार पुनः पदनामित किए जाऐंगे :—

तालिका

ऋं० सं०	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्तों का वर्तमान पदनाम	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्तों का नया पदनाम
1	2	3
	नरीक्षीय सहायक भ्रायकर प्रायुक्त, रेंज-1 ए	
	नेरीक्षीय सहायक त्रायकर गायुक्त रेंज-1 डी०	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, कं० रेंज-2
7	नेरीक्षीय सहायक श्रायकर प्रायुक्त, रेंज-2 बी यह श्रादेण 1/6/81 में लागू हे	निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज 1 (^I) गा ।

सं० जूरि-दिल्ली/11/81-82/4210—पिछले सभी आदेशों का अधिकमण करते हुए और आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 123 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त गिक्तयों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शिक्तयों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-I, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई तालिका के कालम 2 में जिन निरीक्षीय महायक आयकर आयुक्तों का वर्तमान पदनाम निर्दिष्ट किया गया है वे उक्त तालिका के कालम 3 में दिए गए निर्देश के अनुसार पुन: पदनानित किए जाएंगे :—

क्रं० सं०		निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्तों का नया पदनाम
1	2	3
1.	निरीक्षीय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, रेंज-II ए	निरोक्षीय सहायक आयकर श्रायुक्त, कं० रेंज-III
2.	निरीक्षीय सहायक श्रायकर ग्रायुक्स, रेंज-∏ डी०	निरीक्षीय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (ठेकेदार) रेंज

 $\frac{1}{3}$. निरीक्षीय सहायक श्रायकर निरीक्षीय सहायक श्रायक र श्रायुक्त रेंज-4 ई श्रायुक्त, रेंज-II (1) यह श्रावेश 1/6/1981 में लागू होगा ।

एन० एस० राधवन, श्रायकर श्रायुक्त दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1981

फा० सं० जूरि-दिल्ली/6/81-82/4346—श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43 वां) की धारा 125 की उप-धारा (1) (ए) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-6 निदेश देते हैं कि निम्नलिखित वर्ग के मामलों में श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रंतर्गत रेंज-6 बी के श्रायकर श्रधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त 6-बी, नई दिल्ली द्वारा किया जाएगा।

- (क) भारत के राष्ट्रपति, भारत के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्री परिषद के मंत्री, राज्यमंत्री, उपमंत्री ।
- (ख) उच्चतम न्यायालय श्रीर उच्च न्यायालय के न्यायाधीश
- (ग) मंत्री परिषद के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एघं सदस्य, डाक तार बोर्ड के अध्यक्ष, दिल्ली के छप-राज्यपाल, वायुसेना अध्यक्ष तथा भारत सरकार के समस्त सचिव।

यह भ्रधिसूचना 1 जून, 1981 से लागू होगी।

डी० एन० **चौधरी,** आयकर ग्रायुक्त धिरुली-6 प्ररूप आइ⁵.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आगका आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, ग्रामृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 22 धप्रैल 1981

निदेश सं० ए०एस०ग्रार०/81-82/32---यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. स अधिक है

भीर जिसकी सं ० एक कोठी वसंत ऐबेन्यू है तथा प्रमृतपर में स्थित है (और इसके उपावद प्रतृस्वी में भीर पूर्ण क्य में विणत है), रितस्ट्री क्या प्रविकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्री-करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितस्बर, 1980

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा ग्वंक्ति सपाति का उचित वाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश से उचन अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हर्ड किमी आय की यायत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अधीन हिम्मिलिखत व्यक्तियों अधीन हिम्मिलिखत व्यक्तियों अधीन हिम्मिलिखन व्यक्तियों अधीन हिम्मिलिखन

 श्री रिजिन्द्र सिंह हीरा पुत्र गुरबचन सिंह बासी 310-ईस्ट मोहन नगर, अमृत्सर ।

(ग्रन्तरक)

- थीनती सविता मैहरा पत्नी दरणन कुमार विजय कुमार, मुरेण कुमार पुत्र दर्शन कुमार वासी कटना सफैद प्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- जैता कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- प्रोर कोई (बहु व्यक्ति , जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्याक्तयों में से किसी व्यक्ति दृशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पध्दकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

एक कोठी नं 188 (रक्तबा 633.33 वर्ग गज) असंत ऐवेन्यू अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं 1802 /1 दिनांक 8-9-80 रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज हैं।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, भयूतसर

दिनाक: 22-4-81

प्ररूप बाह्र .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 1 मई 1981

निदेश सं० ए०एस०म्रार०/81-82/33—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह, माई० श्रार० एस०

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जवाहर नगर, तुंगपांई, अमृतसर में एक प्लाट है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री रमेश चन्द्र पुत्र श्री बिन्दराबनदास गुप्ता और और श्रो महाबीर प्रणाद पुत्र श्री दत्त प्रकाश वासी जवाहर नगर, ग्रमुतसर । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित राजकुमारी पित्न श्री प्रेमकूमार शर्मा, और विजय कुमार पुत्र श्री प्रेम कुमार शर्मा वासी बसन्त ऐवेन्यू श्रमृतसर । (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० नं० 2 और किरायेदार यदि कोई व्यक्ति हो (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्ताट नं ० 83 रक्तवा 228, 02 वर्ग मीटर जो कि तुंगपाई श्रमृतसर में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर के सेल डीड नं ० 4949 दिनांक 1-9-80 में दर्ज है ।

> श्रानन्व सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर

विनांक : 1-5-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एक ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 28 अप्रैल 1981

निदेश सं० ए० एस० भ्रार०/81-82/34— यतः, मुझे, भ्रानन्द सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० ग्रीन एवेन्यू, श्रमृतसर में एक कोठी है तथा जो श्रमृतसर में एथत है श्रीर इससे उपावद्ध स्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण खप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिगारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

कां पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्देष्य से उक्त अन्तरण किंतित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ध—

- श्री नन्द किगोर पुत्र श्री केशाराम, वासी मजीठ मण्डी, श्रमृतनर श्रव 1272, गली भारो, नई सड़क, देहली द्वारा वदरोनाथ नुखत्यार श्राम । (अन्तरक)
- श्री हिंगोर चन्द पुत्र श्री पन्नालाल, वासी 30-ग्रीन एवेन्यू, श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)
- जैसा कि सं० 2 और किराग्रेक्षार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके प्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीज से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मन्स्ची

कोठी नं ० 30, ग्रीन एवेन्यू, श्रमृतसर का 1/3 हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, श्रमृतसर के सेलडीड नं ० 1791 दिनांक 8-9-80 में दर्ज है ।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) उ-चन्द्रपुरी, टेलर रोड, ग्रर्जन रेंज, ग्रामृतसर

दिनांक : 28-4-81

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज प्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनां ह 28 **अप्रै**ल 1981

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/81-82/35---यतः, मुझे, श्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

अरेर जिसकी मं० ग्रीन एवेन्यू, श्रमृतसर में एक कोठी है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध शनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वाक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा को लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ट~⊷ श्री नन्द कियोर पुत्र श्री केयोराम, वासी मजीठ मण्डी, श्रमृतसर श्रव 4272 गली भारो , नई सङ्क, देहली राही श्री बदरीनाथ मुखत्यार श्राम वासी 1063, सरकुलर रोड, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री पन्नालाल पुत्र श्री बिहारी नाल और श्रीमती सन्दूरा रानी पत्नी श्री पन्नालाल, वासी 30-ग्रीन एकेन्यू, श्रम्तसर। (श्रन्तरिती।
- 3. जैसा कि नं० 2 और किरायेदार यदि कोई हो वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्दत्ति है)
- 4. और कोई (वह न्यपित, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जबिश, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्ठीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

ग्रीन एवेन्यू, ग्रमृतसर में कोठी तं० 30 का 2/3 हिस्सा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमृतसर के सेल डीड तं० 1881 दिनांक 16-9-1980 में दर्ज हैं।

आनन्द सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) 3-चन्द्रपुरी टेलर रोड भ्रजन रेंज भ्रमृतसर

दिनांक : 28-4-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, महायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भूजेन, रेंज, भगृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 10 श्रप्रैल 1981

निदेश सं० ए०एस २०श्रार०/81-82/36—श्रतः मुझे भानन्य सिंह

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के प्रधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्मिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी मं० एक प्लाट जोशी कालोन है तथा जो अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकत ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक ग्रक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उजित बागार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने ता ठारण है कि यथापूर्वोक्त नम्मति या उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिक्रत से यधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिन में बान्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण में दुई किसी आय की बाबत छक्त अधितियम क अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में मुबिधा क लिए; और/या
 - (का) ऐसी किसी ग्रायण किसी धन या अध्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के भनुतरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात:---

 श्री दुरिगयाना कमेटी श्रमृतसर राही राम लुभाया

(ग्रन्तरक)

श्री श्रनिल मेहरा पुत्र सरदारी लाल,
 वासी कटरा भाई सन्त सिंह, ग्रम्तसर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि सं० नं० 2 में ग्रौर कोई किरायेदार हो। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीर कोई व्यक्ति जो उम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वीकत सम्पत्ति के ग्रेप्येन लिए कार्यवाद्वियां चरता हूं!

वनत सम्पत्ति के भर्षन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजरत में प्रकालन की नारीख में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्कित में किए जा सर्कोंगे ।

सम्बोकरण '--इसमें त्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उस्त बिजियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्चे होगा जो उस सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट खसरा न० 1324, जोकि जोशी कालोनी, प्रमृतसर में है, जसा कि सेल डीड नं० 2301/1 विनांक 27-10-80 रजिस्ट्री मधिकारी प्रमृतसर में दर्ज है।

म्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, म्रमुलसर

तारीख: 10-4-1981

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.------

श्रीपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वं (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्येलिय, सहायक आयकर जायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

धमृतसर, विनांक 10 मप्रैल, 1981

निदेश सं० ए० एस०भार०/81-82/38--यतः मुझे, भानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एक प्लाट जोशी कालोनी, जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम , 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तबर, 1980

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पासा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को फिल्ह मेरिलीय आयकर लेधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 की 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, जनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधास (1) को अधीन निम्मीलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- श्री दुर्गयाना कमेटी श्रमृतसर द्वारा: राम लुभाया जनरल सैकेटरी,

(भ्रन्तरक)

 श्री जन्गी राम पुत्र मोहन लाल वासी ग्रीन एवेन्यू, ग्रमृतसर ।

(भन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में भौर कोई किरायेवार।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बीरे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन् की अविधि या तत्सं स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भी सर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वम्स्पी

एक प्लाट खसरा नं० 1324, जोशी कालोनी, श्रमृतसरमें स्थित है जैसा कि सेल डीड सं० 2303, दिनांक 27-10-80 रजिस्ट्री अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है ।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, 3 चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर

तारीख : 10-4-1981

प्ररूप आई. टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, धमतसर

ग्रमुतसर, विनांक 10 ग्रप्रैल, 1981

निदेश म्रानस्य सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रत. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो भ्रमृतसर में स्थित है इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी कार्यालय श्रमतसर में रजिस्टीकरण श्रधिनियम ष्पधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 सितम्बर. 1980

को पुर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके प्रथमान प्रतिकल से, ऐसे व्ययमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से शुर्ड किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे अवने में सविधा के लिए; और/या
- (क्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सिकों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री शि बकुमार श्रोमप्रकाश विजय कुमार सतपाल पुत्रान, सरदारी लाल, वासी सरकुलर रोड, ग्रमतसर ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री राज कुमार पुत्र किदार नाथ वासी पटेल चौक, श्रमुतसर ।

(भ्रन्तरिसी)

3. जैसा कि सं० 2 में भ्रौर कोई किरायार है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिद्रोग में सम्पत्ति

4. श्रीर कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हिसवक है)

को यह स्वयना जारी करके पूर्वों क्या सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेस :--

- (क) इस स्थाना के राजसन में प्रकाकन की साहीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयन्त्रिक्यों पन स्चना की तामील से 30 विक की ख़ब्दीध, अबे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन की क़रदीय से 45 विन को भीतर उक्त स्थावत्र सम्प्रतिक में ब्रिज़कुष्ट्र किसी अन्य व्यक्ति वृवारा क्रभोहस्वाक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याम में विका गया है।

अनुसुची

एक प्लाट रकबा 410 वर्ग मीटर, खत्ना सट्टीट, दूनी चन्द रोड, श्रमतसर में स्थित है जैसा कि सेल डीड सं० 1828 दिनांक 10-9-1980 रजिस्ट्री श्रधिकारी प्रमृतसर में वर्ज है।

भानन्व सिंह

सक्षम ग्रधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चन्द्रपुरी टेलर रोड,

प्रमृतसर

तारी**व** 10-4-1981 मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन स्**म**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, धमृतसर धमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निवेश सं ए०एस०मार०/81-82/39—श्रतः, मुझे, भानन्द सिंह, भाई० श्रार० एस०

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उसते अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/~ रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० एक सकान नं० 946/XI-7-एम०सी०ए० का 1/2 हिस्सा है, तथा जो जूजा भगवान निवास, चौक पासीयां, श्रमुतसर में स्थित है

(और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उणित बाजार मूर्य से कम के ब्रुव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विव्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूर्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसो किसी अध या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, छवन अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निवनलिश्चित अधिनत्यों, अर्थात :---

श्री किदार नाथ पुत्र श्री मेला राम,
 वासी कूचा भगवान निवास, जौक पासीयां,
 ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 श्री मदन मोहन पुक्त भागवान दास, खुह कोड़ीयां, गली कुरीशां, ग्रम्तसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर सं० 2 और किरायेदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्या बी तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के जभ्याब 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अंतर की

मकान नं० 9.46/XI-7 एम.सी.ए. का 1/2 हिस्सा जो क्षा भगवान निवास, चौक पासियां, श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, श्रमृतसर के सेल डीड नं० 2001, दिनांक 29-9-80 में दर्ज है।

म्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड, मर्जन रेंज, ग्रमुमसर

तारीख: 10-4-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, प्रमुतसर

श्रमुतसर, दिनांक 10 श्रप्रैंस 1981

निदेश सं० ए एस म्रार/81-82/40—श्रतः मुझे, भागन्द सिंह, म्राई० म्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० एक मकान नं० 946/XI-7 एम सी ए का 1/2 हिस्सा है तथा जो कूचा भगवान निवास, चौक, पासीया, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्वर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण लिखित में अस्तिक कथा से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरक से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीध-नियम के ग्रीमित कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या;
 - (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम, या धन-कर भिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति:---3---116GI/81

- 1. श्री कियार नाथ पुत्र मेलाराम वासी कूचा भगवान निवास, चौक पासीयां, अमृतसर। (ग्रन्तरक)
- श्री मदन मोहन पुत्र भगवान दास, खह कोड़िया, गली कुरीशां, भ्रमृतसर । (भ्रन्तरिती)
- उनैसा कि ऊपर सं० 2 में भीर कोई किरायेदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. भौर कोई

(अह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की य**ह मूचना जारी करके पृथीं**क्त सम्पत्ति के अर्जनके लिए काय**वाहियां करता** हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्र्योवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्रक्षीकरणः --इन्नें प्रयुक्त जब्दों श्रीर नदों का, ओ उक्त श्रिष्टि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उन श्रष्टयाय में दिया गया है।

नगुसूची

मकान नं० 946/XI-7 एम.सी.ए. का 1/2 हिस्सा जो कूचा भगवान निवास चौक पासीयां, भ्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के सेल डीड नं० 2630, दिनांक 28-11-80 में दर्ज है।

आनन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, चन्द्रपुरी टेलर रोड श्रमृतसर ।

सारीख: 10-4-1981

प्रकण् वार्. ही. एन्. एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ध्रमृतसर अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निदेश सं० ए॰एस॰ब्रार॰/81-82/41—यतः, मुझे धानन्द सिंह, ब्राई॰ ब्रार॰ एस॰

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उक्ति बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या जोशी कालोनी, ध्रमृतसर में एक प्लाट है तथा जो ध्रमृतसर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक ध्रवत्वर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिशित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्म नास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म भी उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— वुर्गिया कमेटी, धमृतसर राही श्री राम लुभाया, जनरल सैकेटरी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हीरा लाल झानन्य पुत्र श्री राम लुभाया, वासी फटड़ा, बाग सिंह, झमूतसर।

(श्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर मं० 2 श्रौर किरायेदार यदि कोई हो (यह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)
- 4. भीर कोई वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबदा है।

को यह स्वा जारी कट्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हित-धव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जोशी कालोनी, ध्रमृतसर में स्थित एक प्लाट खसरा नं० 1324, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी, ध्रमृतसर के सेल डीड नं० 2302, विनांक 27-10-80 में वर्ज हैं]।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 3, चन्द्रपुरी टेलर रोड ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

ता**रीख**: 10-4-81

मोहरः

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस.—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
प्रर्जन रेंज-3, श्रमतसर

श्रम्तसर, दिनांक 4 मई 1981

निदेश सं० ए०एस०भार०/81-82/42—शतः, मुझे, श्रानस्य सिंह, श्राई० श्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भगतांवाला गेट, श्रमृतसर के बाहर एक प्लाट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पृथांकत सम्पति के उजित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अम्सरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि बधापूर्वों क्त संपत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्तर्थों) के लीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा का लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिलधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, स्थिति ह-- श्री हरभजन सिंह पुत्र भगवान सिंह, वासी गांव रसूलपुर कला, जिला भमृतसर।

(म्रन्तरक)

2. सर्वे श्री तेजभान, भ्रोमप्रकाश, श्रशोक कुमार, पुताण श्री लभु राम, भ्रोर श्रीमती फूलां वंती पत्नि, श्री रामलाल, दुरगा वास, दर्शन कुमार पुताण श्री राम लाल, वासी कटड़ा, करम सिंह, ध्रमृतसर।

(प्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि सं० नं० 2 और किरायेदार यदि कोई हो। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जामता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भगतांवाला गेंट के बाहर एक प्लाट जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ती भिधकारी धमृतसर के सेल बीड नं० 2010 दिनांक सितम्बर, 80 में दर्ज है।

> धानन्य सिंह्
> सम्भम प्रधिकारी
> सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)
> धर्जन रेंज-3, चन्द्रपूरी टेलर रोड, धर्मसस्

तारीख: 4-5-1981

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 मई 1981

निवेश सं० ए० एस० म्रार०/81-82/43- मृतः, मुझे, भानन्द सिंह, श्राई० म्रार० एस०

भायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उष्टित् बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो दाऊवाल, में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबब भ्रनुसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय गुरदास पुर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रातक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सस्, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म कि उपभारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों सुभृत्ः

- श्री गरीव पुत्र जगत राम, वासी भाटींयां राही,
 - श्री गोपाल सिंह मुख्तार, धाम धासी गांव दाऊवाल । (धन्तरक)
- श्रीमती हरखंस कौर पत्नि श्री गोपाल सिंह पुत्र श्री देवी दित्ता, बासी वाऊवाल ।

(भन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपए नं० 2 में क्रीए कोई किरायेदार यवि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. भीर कोई है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आरंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

गौव दाऊवाल में 72 कनाल, कृषि भूमि जैसा कि रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी गुरवासपुर के सेल डीड नं० 4069, विनांक 9-9-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज-3 चन्द्रपुरी टेकर रोड, भ्रमृतसर

सारीख: 7-5-1981

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतस्र, दिनांक 7 मई 1981

निवेश सं० ए० एम०ग्रार०/81-82/44--यतः मुझे श्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० " पि भूमि है तथा जो गांव वांग, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर जो पूर्ण ख्व से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिनारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजिस्ट्रीय प्राधिनियम, 1908 (1903 वा 16) के ग्रिधीन विकास सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम निम्निसिखत व्यक्तियों अथित् :---

 श्री विशन सिंह पुत्र भोला सिंह वासी गांव उडवां, तहसील गुरवासपुर ।

(मन्तरक)

 सर्व श्री ग्रमरजीत सिंह, रनजीत सिंह, हरजिन्दर सिंह, पुत्राण प्यारा सिंह, वासी गांव डडवां, पोस्ट ग्राफिस धारीवाल, तहसील गुरदासपुर।

(अन्तरिती)

जैसा कि ऊपर सं० 2 श्रीर किरायेदार यदि कोई हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिशोग में सम्यत्ति है)

4. ग्रौर कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रजी

गांव कांग में 21 कनाल, 4 मरले, ऋषि भूमि, जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी गुरदासपुर के सेल डीड सं० 4183, विनांक 10-9-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, 3-चन्द्रपुरीटेलर रोड, ग्रमृतसर

सा**रीख 7-5**-81 मोहर: प्रकप वाइ. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 12 मई 1981

निदेश सं० ए०एस०म्रार०/81-82/45—-म्रतः मुझे, भानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एस०

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 94 कनाल 4 मरले कृषि भमि जो गांव भलोजना है तथा जो सब तहसील खडूर साहिब में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय खडूर साहिब में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनां अ सितम्बर, 1980

को न्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई और मूफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तकरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं को बाबत उकत अधि-पियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिये; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों नुर्धात् :—

 श्री लखिवन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह, पुत्र ज्याला सिंह, वासो भनोजना, सब तहसील खडूर साहिब, जिला श्रमुतसर ।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वे श्री स्वर्ण सिंह, दीवान, सिंह, फौजा सिंह, गुरदीप सिंह, परमजीत सिंह, पिसरान भजन सिंह, पुत्र लाल सिंह वासी गांव भलोजला सब तहसील खबूर साहिब, जिला श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर संनं ० 2 में और किरायेदार यदि कोई ही (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्विकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हु⁸।

अनुस्ची

गांव भलोजला में 94 कनाल 4 मरले छुषि भमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी खडूर साहिब के सेल डीड नं० 1095 दिनांक 1-9-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3-चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर ।

तारीख: 12-5-1981

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमुतसर श्रमुतसर, विनांक 12 मई 1981

निदेण सं० ए०एस०ग्रार०/81-82/46——यतः मुझे ग्रानन्द सिंह, श्राई० श्रार० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

योर जिनको सं० एक प्लाट जो बेल्मन चाटी विण्ड गेट, तरनतारन रोड, है तथा जो अमृतसर में स्थित है (और
इससे उपाब अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नसिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर गिधनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थातः --

 श्री दौलत राम पुत्र श्री हेमराज वासी बाजार, कनक मण्डी, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

 मैपर्ज , यूनाईटेड, भ्रायल एंड सिलीकेट इन्डस्ट्रीज, तरन तारन रोड, भ्रमृतसर।

(श्रन्तरिती)

- 3. जैसाहि अपरसं० 2 श्रीर किरायेदार यदिकोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षमोग में सम्पत्तिहै)
- 4. भ्रौर कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में फूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह स्वता जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसुची

20/100 हिस्सा आफ प्लाट खसरा नं० 2327/1057-1068-1058 श्रीर 2328/1067 मिन जो बैरून घाटी विण्ड गेट, तरन तारन रोड में स्थित है, जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी श्रमृतसर के सेल डीड नं० 1778, विनांक 5-9-80 में दर्ज है।

भ्रानम्ब सिंह् संक्षम श्रिष्ठिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3-चन्त्रपुरीटेलर रोड, श्रमृतसर

ता**रीख:** 12-5-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्धना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमुतसर, दिनांक 12 मई, 1981

निदेश सं० ए०एस०न्नार०/81-82/47—-न्नतः मुझे भ्रानन्द सिंह, न्नाई० न्नार० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वतात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव मल्लीयां में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के वार्यालय श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री बन्सा बनाम हरबन्स सिंह पुत्र श्री नारायन सिंह, वासी गांव मल्लीयां, जिला श्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

 सर्वश्री: दर्शन सिंह, वगैरह पुत्र सोहन सिंह, वासी गांव मल्लीयां, जिला अमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और किरायेदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रौर कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

गांव महलीयां में 41 कनाल 8 मरलें, (नहरी) कृषि भूमि, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्रमृतसर के सेल डीड नं 5441, दिनांक 23-9-80 में दर्ज है।

> धानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरी टेलररोड, श्रमृतसर

तारी**ख**ः 12-5-81

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण) श्रजेंन रेंज, श्रमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 मई 1981

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/81-82/48—यतः मुझे ग्रानन्द सिंह, ग्राई० ग्रार० एस०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० रेस कोर्स रोड पर एक प्लाट है तथा जो तुंग बाला सब श्रबंन , श्रमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पृषांकित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृषांकित संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की अधन, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिकित स्यक्तियों अधीत:--

 श्री विजयकुमार पुत्र श्री सरदारी लाल, यामी वटाला, राहीं, श्री राम सम्प पुत्र श्री लिलतचन्द वामी वटाला, ।

(ग्रन्सरक)

 श्रीमित जसवन्त कौर पितन श्री श्रजीत सिंह, वासी सखरपुरा, ग्रमृतसर ।

(ग्रन्तरिती)

 जैसा कि ऊपर मं० नं० 2 में और किरायेदार यदि कोई ही (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि ऑर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वथ्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रेस कोर्स रोड, तुंगबाला सब धर्बन ध्रमृतसर में स्थित एक प्लाट नं० 117 जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी ग्रमृतसर, के सेल डीड नं० 1867, दिनांक 12-9-80 में दर्ज है।

आनन्द सिंह् सक्षम श्रिष्ठिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपुरीटेलर रोड, श्रमृतसर

तारीख: 12-5-81

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 12 मई 1981

निदेश सं ए० एस०ग्रार०/81-82/49—-ग्रतः मुझे ग्रानन्दं सिंह, ग्राई० ग्रार० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 18 कनाल, 4 मरले कृषिभूमि है तथा जो गांव सोहल ठठी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय तरन तारन, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1980 का 16) के ग्रिधीन दिनांक सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिश्व । अभिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाण गया प्रतिक्त कि निम्निलियत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखन में बास्तिबक मण से किथा नहीं किया गया ही ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायस्व में कमी करने या उससे वचने में मृविधा के लिए; और/या
- (प) ऐसे किसी आर या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधितियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के िता

ान प्रत्र, उक्त श्रधितियम की धारा 269-घ के अनुमरण भे, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की जमधारा (1) के अधीन निम्निविध व्यक्तियों सर्वात :--- श्री दयाल सिंह पुत्र चनन सिंह,
 वासी गांव सोहल ठठी, सब तहसील चबाल कलां,
 जिला श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

2. सर्व श्री चैन सिंह, चरन सिंह पुत्र तारा सिंह, (1/2 हिस्सा), सर्व श्री: निर्मल सिंह, बलकार सिंह पुत्र तारा मिह (1/2 हिस्सा), वासी गांव सोहल ठठी, सब तहसील चबाल कलां जिला ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 श्रौर किरायेदार यदि कोई हो।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्तिहै)
- 4. ग्रौर कोई व्यक्ति,

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

18 कनाल, 4 मरले कृषि भूमि, जो कि गांव सोहल ठठी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी तरन तारन के सेल डीड नं० 3129 दिनांक 1-9-80 में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्द्रपूरी टेलर रोड, ग्रमृतसर

तारीख: 12-5-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

अरयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 मई, 1981

निदेश सं० ए०एम०भ्रार०/81-82/50—यतः मुझे भ्रानन्व सिंह, श्राई० भ्रार० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि 18 कनाल, 4 मरले है तथा जो गांव सोहल ठठी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे, दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती का जीव एस अन्तरिण के पिए तय पाया गया प्रतिक्रिल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वाम्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती य्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--- श्री दयाल सिंह पुत्र चनन सिंह वासी गांव सोहल ठठी, सब तहसील चबाल कला, जिला श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

2. सर्व श्री तरलौक सिंह सन्तोष सिंह, पुत्नाण मोता सिंह (1/2 हिस्सा), अजैब मिंह पुत्र ज्वाला सिंह (1/2 हिस्सा) वासी गांव सोहल ठठी, सब तहसील खडूर साहिबा, जिला अमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में श्रौर किरायेदार यदि कोई हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्तिमें हितबग्रहै)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था क्यम्बद्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भा समाध होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तिया में सकिसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्टोकरणः---इसमं प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्सं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ ब्रोग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18 कनाल, 4 मरले कृषि भूमि जो गांव सोहल ठठी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी तरन तारन के सेल डीड नं० 3730, दिनांक 1-9-80 में दर्ज है।

> भ्रामन्द सिंह सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3- चन्द्रपूरी टेलर रोड, श्रमुप्तसर

तारीख: 12-5-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० ए०एस० ग्रार० / 81-82 / 51 — यतः मुसे ग्रानन्द सिंह, ग्राई० श्रार० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है'), को भारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० टैम्प्रेंस हाल के नजदीक, एक प्लाट है तथा जो पठानकोट में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक सिनम्बर, 1980

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- श्री चरन दास पुत्र किरमा राम,
 वासी नजदीक राम लीला ग्राउन्ड, पठानकोट।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शाम लाल पुत्र लेख राज शर्मा, वासी नजदीक टैम्प्रैंस हाल, पठानकोट । (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि अपर नं ० सं ० 2 में और किरायेदार यदि कोई हो ।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई

(वह स्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस्रहै)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अवधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन मा किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

टैम्प्रैस हाल के पीछे एक 15 मरले प्लाट, जैसा कि राजिस्ट्री-कर्ता ग्राधिकारी पठानकोट के सेल डीड नं० 1898, दिनांक 24-9-1980 में दर्ज हैं।

> ग्रानन्द सिंह् सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3- चन्द्रपूरी टेलर रोड, श्रमृतसर

तारीख: 14-5-1981

प्रकथ आही. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनोक 19 मई 1981

निवेश सं० चन्डी०/226/80-81—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 3228 है, तथा जो सैक्टर 15-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 80

को पूर्वों करा संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों करा संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिस उद्वेषय से उचत अन्तरण विश्वित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों वृशीतः—

- 1. लैं० क० आर एस० ग्रेबाल मपुत्र श्री इन्द्र सिंह ग्रेबाल निवासी बी-5-138 सफदरजंग, एनकलेव, न्यू दिस्ली (अंतरक)
- 2. कुमारी कान्ता सुपुत्री श्री गुरचरन सिंह सुपुत्र श्री श्रवतार सिंह, डा॰ श्रवतार सिंह सुपुत्र स॰ सोहन सिंह, दोनों निवासी मकान नं० 711, सैंक्टर 7-बी, चण्डीगढ़ ।

(भ्रन्तरिती)

 श्री श्रार०के० चौपड़ा, ग्राफस्टेट बैंक ग्राफ इन्डिया, निवासी मकान नं० 3228, सैक्टर 15डी, चन्डीगढ

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्साक्षरी के पास लिमित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3228 सैक्टर 15 डी चन्डीगढ़ में स्थित हैं (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० नं० 1319 सितम्बर, 1980 में दर्ज हैं) ।

सुखदेव चन्द सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० पिट०/71/80-81—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 14 बीघे 8 विस्वे जगह है तथा जो खेड़ी गुजरा तहसील पटियाला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं फिया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसत व्यक्तियों, अधीत :--- श्री धमरबीप सिंह सुपुत्र श्री हरचरन सिंह निवासी स्टेडियम रोड, पटियाला ।

(भ्रंतरक)

2. श्री रघुबीर सिंह सुपुत्र श्री जगजीत सिंह निवासी कोठी करनेल सिंह सेवा सिंह सामने, न्यू मोती बाग, पटियाला ।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कत प्रवित्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

14 बीघा 8 बिस्ये जगह खेड़ी गुजरां, तहसील पटियाला में स्थित है।

(जायदाय जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० नं० 4587, सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 19-5-1981

मोहरः

प्ररूप आइ².टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 मई, 1981

निदेश सं० पटि०/67/80-81—श्रतः मुझे सुखदेव चन्स आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० रिहायणी जायदाद नं० 67/3 है, तथा जो श्रनाज मण्डी पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपबाद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्याणय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मितम्बर 80

को पूर्वाकित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण किसत मे बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--

- श्री जोध सिंह चड्डा सुपुत श्री कर्मा सिंह चड्डा, मोटर पेरेड, ग्राउन्ड, जम्मु तबी । (ग्रंतरक)
- श्री बलदेव सिंह सुपुत्र श्री काहन सिंह. निवासी श्रनाज मण्डी, पटियाला ।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्ल्यी

[रिहायशी जायदाद नं० 67/3, ग्रनाज मण्डी]

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० नं० 4478 सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुख देव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 मई, 198**1**

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 मई, 1981

निदेण सं० ए० एस० एल०/74/80-81—श्रतः मुझे सुखदेव जन्द

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1 बीघा जगह है तथा ओ गांव कुकड़ माजरा, सब-तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमलोह में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9/80

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास ब.रनं का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नितिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/यां
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती च्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, पिस्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. म॰ दुर्गा भ्रायरन फैक्टरी, मण्डी गोविन्दगढ़ मार्फत: श्री नारायण दास प्रोप्राइटर ।

(भ्रंभरक)

2. श्रीमती मधु मल्होत्रा पत्नी श्री मुरारी लाल श्रीमती सरिता मल्होत्रा, पत्नी श्री मदन लाल श्रीर श्रीमती वीरामती पत्नी श्री बीर भान, निवासी बार्ड नं० 11, मण्डी, गोविन्दगढ़, जिला पटियाला ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उनत स्थावर संपरित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पित्भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बीघा जगह गांव कुक्कड़ माजरा, सब-तहसील भ्रमलोह जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमलोह के कार्यालय के विलेख सं० नं० 1233 सितम्बर, 1980 में में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 19 मई, 1981 मोहर: प्रारूप बाई. टी. एन. एस्. ----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, 19 मई, 1981

निवेश सं० एल० डी० एच०/199/80-81—- प्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० व्लाट क्षेद्र 300 वर्ग गज है तथा जो तरफ जोदे-वाल, तहसील लुधियाना में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध झनु-सूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त स्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परिस का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पान्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण में, म⁵, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित ध्यक्तियों अधीत :---

5-16GI/81

 श्री रोशनलाल पुक्त श्री गंगा सरन, साबुन बाजार, लुधियाना ।

(ग्रंतरक)

2. श्री बलवन्त राय पुत्र वतना राम व तरसेम लाल पुत्र श्री कर्मचन्द, निवासी वस्ती जोधेवाल, तहसील लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षत्रफल 300 वर्ग गण तरफ जोधेवाल, तहसील लुघि-याना । (ज्यादाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संस्या नं० 3197, सितम्बर, 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्रधिकारी सहायक धायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाम

दिनाक 19 मई, 1981 मोहर:

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रार्जन रेंज, ायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 मई, 1981

निवेश सं० सी० एच० डी०/259/80-81—ग्रत;: मुझे, सुखदेव चन्द

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- र. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 1354, है तथा जो सेक्टर 33-सी, चण्डीढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डी-गढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक नयम्बर, 1980

को प्योंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः धन्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री महिन्द्रजोति सिंह पुत्र श्री एन० एस० सेठी मकान नं० सी-74, डी॰डी॰ए० फ्लेट, नई विल्ली। (श्रन्सरक)
- कैप्टन मनमोहन सिंह काहलो, पुत्र श्री लक्षमण सिंह काहलो द्वारा जनरल श्रटारनी श्री लक्षमण सिंह पुत्र श्री जगत सिंह 505, सेक्टर 18-बी, चणीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बर्गी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

जनस ची

प्लाट नं० 1354, सेक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ । (ज्यायवाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० नं० 1548, नवम्बर 1980 में वर्ज है)

सुखदेव **भन्द** सक्षम ग्रधिकारी सहायक **ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुखियाना ।

दिनांक 19 मई, 1981 मोहर : प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० डी०बी०एस०/33/80-81----ग्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 9 बीघे 16 विस्वे जगह है तथा जो गांव सिंह पुरा सब तहसील डेरा बस्सी, में स्थित है (ग्रीर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वा क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्धि। के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

 श्री श्रोम प्रकाश सुपुत्र तीर्थ राम श्रौर श्री मदन लाल सुपुत्र श्री हवाली राम निवासी 1272, सैंक्टर 18-सी, चन्डीगढ़।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्री सर्तिन्द्रजीत सिंह सुपुत्र श्री रणजीत सिंह निवासी 51, सैक्टर 28-ए, चन्डीगढ़ ।
 - (2) श्री गुरमीत सिंह सुपुत्र श्री वचन सिंह निवासी 1618 सैक्टर 18-डी, चन्डीगढ़।
 - (3) श्रीमती प्रमिन्द्र कौर पत्नी स्वर्णजीत सिंह निवासी 1595 सैक्टर 36-डी चन्डीगढ़। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पृत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शिक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगह 9 बीधे 16 विस्वे गांव सिंह पुरा सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है ।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख सं० 906 सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
. सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, लिधयाना

दिनांक : 19-5-1981

प्ररूप आहे. टी. एन्. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० डी०बी०एस०/34/80-81---भ्रतः मुझे,

सुखवेष घन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियमा कहा गया है"), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 10 बीघा 0 विस्वा है तथा जो सिंह पुरा, तहसील डेरा बस्सी, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1980 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अर्थन का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पामा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- श्री बूटा राम पुत्र श्री हरभगवान वास, श्री खरैती राम पुत्रश्री मुन्शी राम 25, सैनक्टर 22-डी, चन्डीगढ़। (भ्रान्तरक)
- 2. (1) श्री सतिन्द्र जीत सिंह पुत्र रणजीत सिंह 51, सैन्टर 28-ए, चन्डीगढ़।
 - (2) श्री गुरमीत सिंह पुत्र श्री वचन सिंह 1618, सैक्टर 18-डी, चन्डीगढ़।
 - (3) श्रीमती परिमन्द्र कौर पत्नी स्वर्णजीत सिंह, 1595, सँक्टर 36-डी, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्र 10 बीघा, सिंहपुरा, तहसील डेरा बस्सी। (जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी डेरा बस्सी के कार्यालय के विलेख संख्या 907 सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 19-5-1981

प्रकृप बाईं । टी । एन । एव । ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्जन रेंज, लुधियाना लिधयाना, दिनांक 19 मई 1981

निवेश सं० एल.डी.एच./193/80-81—श्रतः मुझे, सुख्यवेत चन्द

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- वपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (खसरा नं० 7/3/1/6 है तथा जो शेरपुर कलां, तहसील लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृग्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्वरण से हुई किसी धाप की बाबत, उक्त ध्रिमियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायिक में कभी करने या उससे वचने में सुविज्ञा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा वा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः, अब, उनत अधिनियम की बारा 269-ग के बनुबरण में, में, उनत प्रविनियम, की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :---

- (1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह लधाना,
 श्रिक्का, तहसील नवांशहर, जिला जालन्धर।
 - (2) श्रीमती हरिकशन कौर पत्नी श्री जोगिन्दर सिंह बी-6-135, कुच्चा नं० 2, माधोपुरी, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- श्री जगदीश लाल पुत्र श्री नानक चन्द व श्री संजय पुत्र श्री जगदीश लाल, 92-बी, सराभा नगर, लुधियाना।

(भ्रंन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत }सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्यीकरण: ---इसमें प्रपृक्त अन्तों ग्रीर पर्वो का, जो उन्त स्वितियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं ग्रयें होगा, जो उस पश्याय में विवा क्या है।

मनुसूची

मकान गेरपुर कलां, तहसील लुधियाना में स्थित है। (जायदाव, जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3170, सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19-5-1981

प्ररूप नाई. टी. एन. इस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर **आयुक्त (विदीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक लुधियाना, 19 मई 1981 निदेश सं० ए एमएल/75/80-81—ग्रतः

मुझे

सुखदेव चन्द

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 10 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव मुगल माजरा, सब तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय श्रमलोह में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्प्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तर्कों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वत उद्वेष्य से उक्त मन्तरण लिश्वत में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की वाब्त उक्त कि। नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात :--

- 1. श्री माहिन्द्र सिंह, पुत्र श्री कपूर सिंह, गांव मुगल माजरा, तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला । (श्रन्तरक)
- मैसर्ज विवेक स्टील, इन्डस्ट्रीज, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृज्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृज्ञा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसुची

भूमि क्षेत्रफल 10 कनाल, 14 मरले गांव मुगल माजरा, जिला पटियाला।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी ग्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1235 सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव चन्व सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19-5-1981

मोहर:

-- -

प्ररूप आई० टी० एत० एस०----

आथकर मिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 मई 1981

निदेश सं० एलडीएच०/233/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ध्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 498 वर्गगंज है तथा जो नया शिवाजी नगर, समराला रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पष्ट्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भ्राय की वावत उक्त अधि-नियम के भ्रभीन कर देने के भ्रन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या या किया जाना चादिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपकारा (1) के प्रधीन, निम्तिखित व्यक्तियों, प्रचीन :---

- 1. श्रीमती इन्द्रजीत कौर पुत्री श्री सन्तोख सिंह, $alta_{-1}^{I-1}$ 570, रेड़ी मुहल्ला, लुधियाना। (अन्तरक)
- सर्व श्री विजय कुमार, गुलगान कुमार, व केवल कृष्ण पुत्र श्री ग्रमी चन्द, 875, तिलक नगर, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

की मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील के 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

ह्यक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त मध्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त श्रीविषयम के श्रव्याय 20-क में परिभावित हैं, बही श्रयं होना जो उस शब्याय में विया गया है।

अनुसुषी

जायवाद 498 वर्गं गज, नया शिवाजी नगर, सुधियाना।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3525, सितम्बर, 1980 में वंजें है।)

सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19₃5-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं० सीएचडी०/256/80-81—श्रतः मुझे, सुखदेव चन्द, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 49 है तथा जो सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 10/80

का पूर्वा कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधान्त्र (1) कं क्षीन निस्निमित्र व्यक्तियों अर्थान् ६--

- 1. श्री हरजीत सिंह जवाबां, पुत्र श्री भ्रमर सिंह जवाबां, पर्लैट नं॰ 101, 6-सी, मिण्डलटन स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरक)
- श्रीमती गणेश देवी पत्नी श्री हंस राज सिंगल, मकान नं० 94, सैंक्टर 28-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

प्लाट मं० 49, सैक्टर 28-ए, चण्डीगढ़।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1541, ग्रक्तूबर 1980 में दर्ज है।)

> सुखदेव **चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19-5-1981

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 मई, 1981

निदेश सं० लुधि०/226/80-81—अतः मुझे, सुखदेव निन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

बौर जिसकी सं० मकान नं० बी-20-12/बी है, तथा जो खलेर नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णितहै) रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 6—116GI/81

- श्री विषय मोहन सूद पुत्र राम मूर्ति, निवासी बी-19-537, कालेज, रोड, लुधियाना। (ग्रंतरक)
- श्रीमती गुरिन्द्र कौर पत्नी गुरनाम सिंह पुत्र हिरि सिंह, लेक्चरार, खालसा कालिज फार वोमैन, सिविल लाईन्स, लुक्कियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थम को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उथत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

मन्सूची

मकान नं० बी-20-12/बी, वलेर नगर, लुधियाना। (जायबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3435, सितम्बर, 1980 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 मई, 1981

भारत सरकार कार्यालय, मजायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिलांक 19 सई, 1

निवेश सं० लुधि०/234/80-81—अतः मुझे, सुखवेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- वपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० बी-20-12/ए है तथा जो वलेर नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिम्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है घौर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक क दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुधिधा के स्मिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्रायया किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारः प्रकः नहीं किया गया था श किया नाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए;

अतः धवः, ववत अधिनियम की बारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- श्री नरिन्द्र मोहन सूद पुरु राम मूर्ति, मकान नं० बी-19-537, कालेज रोड, लुधियाना। (ग्रंतरक)
- 2. श्रीमती गुरिन्द्र कौर पत्नी गुरनाम सिंह पुत्र श्री हरिसिंह लेक्चरार, खालसा कालेज फार बोमैन, सिविल लाइन, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

छक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (फ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या गरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उना स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति किरात, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों घोर पदों का, जा अक्त धर्धिनयम के घश्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होग; जो उप घण्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-20-12/ए, दलेर नगर, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी लुधियाना, के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3539, सितम्बर, 1980 में वर्ज है)

> सुखदेव चन्द, सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 मई, 1981

प्ररूप शाइ. टी. एन. एस.-----

बाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना, लुधियाना, विनोक 19 मई, 1981

निदेश सं० लुधि०/185/80-81—अतः मुझे, सुखवेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव दुकान नंव बी-VII-27, (बी-VII-48 नया) है तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय लिधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का '7) क प्रयोजनार्ध अन्तिनिसी क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1' के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तितयों, अर्थातः—

 श्री क्षेव प्रकाश पुत्र नाथू राम, मकान नं बी-IX-1294, कूचा सन्तर नाथी राम, सुधियाना ।

(ग्रंतरक)

 श्रीमती जसवीर कौर पत्नी सन्तोख सिंह,
 323/5, बैंजामिन रोड, सुजान सिंह स्ट्रीट, लुघियाना।

(अंतरिती)

 मैसर्स सुहाग सिल्क साड़ी, चौड़ा बाजार, लुधियाना।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बिष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पाळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्यी

दुकान नं बी-VII-27/बी-VII-48, नया चौड़ा बाजार लिधगाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी लुधियाना, के कार्यालय के विलेख संख्या 3115, सितम्बर, 1980 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्दः; सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 19 मई, 1981

प्रकप भाई-दी-एन-एस---

.. आयक्तप **अधितियत, 1961 (-1861 का 49)**-की धारा 26**०व (1) के मधीन सूचना**

पारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर कायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 मई, 1981

निदेश सं० पटि०/54/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसरे पश्चात् चिन्त भाषिनियम कहा गया है), की द्वारा 249-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास हरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार तृत्य 25,000/- क॰ से पश्चिक है और जिसकी सं० फ़ैक्टरी नं० 2, क्षेत्र-4420 वर्ग गज, है तथा जो फैक्ट्री एरिया, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रमुस्ची में और जो पूर्ण रूप से विश्वत है) रजिब्द्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिब्द्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के धनित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बढ़ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पण्डल प्रतिकत प्रिष्ठिक है और अमारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तय पाया यथा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्य मिखित में वास्तविक क्य में क्षित्र नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसो बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) ऐना िसी तात या किसी क्षत या क्षण आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या चनत अकितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में स्विका के लिए;

सतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मैंसर्स बेनी लिमिटेड, 117, बेरकपुर, ट्रंक रोड, कुमारहाटी, कलकत्ता द्वारा नगणेवर सिंह ।

(मन्तरक)

सर्वथी:

- 2. शादी लाल, पुत्र देवी चन्द, देव समाज स्ट्रीट, मोगा
 - (2) सरस्वती देवी पत्नी शादी लाल
 - (3) कुमारी वीर बाला पुत्री शादी लाल
 - (4) देव प्रभा गोयल पत्नी मदन लाल गोयल
 - (5) यमुना देवी मैमोरियल ट्रस्ट, मारफ़त श्री शादी लाल
 - (6) श्री अर्भपाल जी, चेरीटेबल मोमिरियल ट्रस्ट
 - (7) राज कुमार पुत्र साधू राम
 - (8) कृष्णा गीयल पत्नी राम कुमार गीयल
 - (9) निर्मल पुत्री गिरधारी लाख
 - (10) विजय कुमार पुत्र धर्म प्रकाश
 - (11) सुशमा देवी पत्नी विजय कुमार कोठी नं० 15-बी, नई लाल बाग कालोनी, पटियाला

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पृथांकत सम्पत्ति के अध्यंत के लिए कार्यकाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 1---

- (क) इत भूत्रता के रागा । प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर पूचता था तामील से 30 दिन की अवधि, जो भो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूजना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रजोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकेंगें।

हपण्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त ग्रीविनियत' के ग्रह्माय 20-क में परिकाधित है, बहा अने होगा जो उन ब्रह्माय में विया

अनुसुखो

फ़ैक्टरी बिल्डिंग नं० 2 क्षेत्र फ़ल 4420 वर्ग गज, फ़ैक्ट्री एरिया, पटियाला।

(जायदाव जैसा कि रजिष्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4203, सितम्बर, 1980 में दर्ज है।

सुखवेव चन्य, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 19 मई, 1981

प्ररूप बाई .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 19 मई, 1981

निदेश सं० लुधि०/208/80-81—ग्रतः मुझे सुखदेव चन्द भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की गारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार गूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० फैक्ट्री बिल्डिंग नं० B-XXIII- (745 प्लाट नं० 876) है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया ए, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सिमम्बर, 80

कं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तंत्रत को गई ह जार मूर्क यह उपन्यास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त नपत्ति का उपनत बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक स्थ से किथिन नहार जिया गया ही:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मैसरं प्रफेक्ट इंडस्ट्रीज (इंडिया), 87%, इंडस्ट्रियल एरिटा, ए, लुधि गाना द्वार निधवा वित्त कौर व रत्न सिंह पुत्र केहर सिंह द्वारा पुरवचन सिंह पुत्र श्री केहर सिंह जनरा झटा नी व श्री कमें सिंह, महिन्न सिंह, पुत्र श्री केहर सिंह व सेवा सिंह व केहर सिंह, 876, इंडस्ट्रियल एरिया, ए, लिधियाना। (अन्तरक)
- अ. मैसर्ज सियाल मैंग्युफैक्चरिंग एण्ड ट्रेडिंग कारपोरेशन, सी-ं, टैंग्सटाई कालोनीं इण्डस्ट्रियल एरिया, ए, लुधियाना द्वारा श्री महिन्द्र लाल सियाल पुत्र श्री मनोहर ताल रियाल, 1352, माडल टाऊन, लुधियाना ।

(ग्रंतरिती)

को यह सूत्रना जारो करके पूर्वोक्स संपत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्ता सम्पतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिय तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के नोतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

फैक्ट्री बिल्डिंग नं० बी-23-745 (प्लाट नं० 876), इंडस्ट्रिंग्ल ए(रेया ए, लुक्षियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3253, सितम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सृखदेव चन्द, सक्षमः प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुवत निरोक्षण) श्रर्जन रोंज, लुधियाना

तारीख 19: गई, 1981

प्रकृष वार्षः, टी. एन्. एस.-----

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज' लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 मई, 1981

निदेश सं॰ लुधि॰/293/80-81—प्रतः मुझे सुखदेय चन्द कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रः. से अधिक है

शौर जिसकी सं रिहायशी मकान नं बी-XIX-1108-ए, है तथा जो मुकन्द लाल रोड, टैगोर नगर, लुधियाना में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में शौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11/80 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपाल से एसे दृश्यमान प्रतिपाल का पनदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियभ, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 डा० भीष्म कुमार श्राहुजा सुपुत्र डा० राम लाल श्राहुज डा० हरीश चन्द श्राहुजा और श्री जसबन्त कुमार श्राहुज 132/1, रानी झांसी रोड, लुधियाना ।

(श्रंतरक)

2. श्रीमती सुदर्शन धीर पत्नी श्री लक्ष्मी पाल धीर, श्री श्रालोक धीर, सुपुत्न श्री लक्ष्मी पाल धीर, निवासी ए-75, टैगोर नगर, लुधियाना ।

(श्रंतरिती)

को यह स्थना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यित्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जि 'तक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी जायदाद नं B-XIX-1108-ए मुकन्द लाल 💃 रोड, टैगोर नगर, लुधियाना में स्थित है ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4183, नवम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-च के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, स्थित क्रिन

तारीख 19 मई, 1981 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, दूसरी मंजिल, हैंडलूम हाउस, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च, 1981

निदेश सं० पी०मार०नं० 1097/प्रर्जन/23-2/80-81-

म्रतः मुझे, मांगी लाल

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिलका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 107, प्लाट नं० 90 है, तथा जो जेतलपूर, बड़ौदा, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन सितम्बर 1980

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, जपारो द्रायमीन विकास म, गुमे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलियित उदुदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती ली।वती बन, चिमनलाल पटेल, 12, विजय पार्क, सोसाइटी, सरदार नगर, बड़ौदा ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रशोक भाई रावजी भाई देसाई, हाथी पोल, पैलैस रोड, बड़ीदा ।
 - (2) देविका बैन, जितेन्द्र भाई पटेल, खडिया प्लाट 2, पैलेस रोड, बड़ोदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयांक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाप जिस्ति में किए जा सकरो।

स्पच्योकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुची

बड़ौदा शहर के जेतलपुर क्षेत्र में स्थित खुली जमीन जिसका सर्वे नं 107, प्लाट नं 90 है और जिसका उप रजिस्ट्रार, बड़ौदा के कार्यालय में सितम्बर, 1980 को रजिस्दी कराए गए विकय पन्न नं० 5238 में पूरा उल्लेख है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख 30-3-1981 मोहर :

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर मधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्क) धर्जन रेंज-1, दूसरी मंजिल, हैंडजूम, हाउस, भ्राथम रोड, भ्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च, 1981

निदेश सं० पी०ग्रार०नं० 1088/ग्रर्जन 23-2/80-81---ग्रतः मुझे, मांगी लाल

आगकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-फ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्याबर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार पूर्व 25 000/- रुपए से प्रधिक है भीर जिसकी संव धारा १९वर की प्रधिक है भीर जिसकी संव धारा एक नंव 99/3, 105 भीर 130, टीव पीव एस-1, है तथा जो भ्रकोटा, बड़ीवा में स्थित (भीर इससे उपाबर भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालग बड़ीवा में रिजस्ट्रीकरण भित्रविमा 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन सितम्ब र 1980

1908 (1908 का 16) के प्रधान प्रतम्बार 1980 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के शिवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है कोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएविंक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, शसके दृश्यमान प्रतिपाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिपाल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रोश अन्तरित (अन्तरित गें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गरण प्रतिफल, निम्मां लिखत उद्देश्य से उपत अन्तरण जिखित में बास्त (कर्य से कियत नहीं किया गण है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्रा की गायत उक्त प्राधि-ियम के श्रिधी कर देने के श्राचरक के गायित्व में कमी करा या असते वाले में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राथ या किनी धन या प्राय वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 र्1922 का 11) य उचा प्रशिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19:7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा अकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 268-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन विस्तर्शिवत व्यक्तियों, अर्थात:— 1' मैंक लेबोरेटरीज, (प्रा०) लि०, प्रेट सोसल बिल्डिंग, 60, एस० एफ० मेहता, रोड, बम्बई-1 ।

(भ्रन्तरक)

2. मिहिर पार्क को० म्रा० हा० सो० लि द्वारा 109, गांति भवन, राज महल रोड, बड़ौदा। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में निमान्त हो है हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति हारा;
- (अ) इन मूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति-में हितबदा किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्करी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण :---अपने प्रयुक्त ग्रन्दों भीर पदों का, जो उनत अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

बड़ौडा शहर के अकोटा क्षेत्र में स्थित खुली जमीन जिसका आर० एस० नं० 99/3, 105 तथा 130 है, और जिसका उप-रिजस्ट्रार, बड़ौदा के कार्यालय में सितम्बर, 1980 में कार्यान्वित रिजस्ट्री नं० 2741, 2742 तथा 2743 में पूरी तरह से उल्लेख किया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबाद

तारीख: 30-3-1981

प्रकार अस्ति : दनी : एका : एका : -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज I, श्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक: 22 श्रश्रेख 1981

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1367 ए० सी० क्यू०-23-I/ 81-82--श्रत: मुझे, मांगी साल

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णाल 'उनत अधिनियम' कहु गमा है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकसास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से विश्वक हैं

ग्रीक जिसकी सं० सनंद नं० 5103 प्लाट नं० 1, 2, श्रीर 3 है तथा जो मालबिया रोड, गोंडल रोड सजकोट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्री-करम अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितियां उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक लग्न से काथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ते अधिनियम के क्योदि कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के दिसाइ; क्येंद/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निस्नितिक्त स्विक्तयों अर्थात्:--

7---116GI/81

- 1. (1) श्री विनोद धीरजलाल पारेख
 - (2) श्री रमनीकलाल धीरजलाल पारेख
 - (3) श्री गशीकांत धीरजलाल पारेख
 - (4) श्री निलीन धीरजलाल पारेख
 - (5) श्री दिलीप धीरजमाल पारेख सरमुख्रयान्यार द्वारा

श्री मनसुखलाल भंगवानजी वैद्य तारकेश्वर मंदिर के सामने राजकोट।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वसंतलाल मोहनलाल सनगानी बारदान चौक, जामनगर।

(भ्रन्तरिती)ू

क्ये यह मृचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनु स्ची

खुली जमीन का प्लाट जिसका माप (1)640 वर्ग गज (2) 418 7 वर्ग गज (3) 388.5 वर्ग गज, जिसका प्लाट नं० 1,2 श्रौर 3 जो मालविया रोड, गोंडल रोड, राजकोट में स्थित है । विलेख का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत क्रिकीं दःशवेज नं० 4897, 4896 श्रौर 5181 दिनांक मितम्बर 1980 में दिया गया है।

> मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

तारीख: 22-4-81

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद प्रहमदाबाद 16 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० ग्रार० नं० 1366 ए० सी० क्यू० 23-1/81-82—ग्रतः मुझे, मांगीलाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 210-1 टी० पी० एस० 14 एफ० पी० नं० 272 है तथा जो शाहीबाग, कलेक्टर कार्यालय सब प्लाट नं० 4 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचित में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय' श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23 सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री भरतकृमार भुनीलाल बैंकर मधुवन, उपनाला शाहीबाग, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

 सुशोलाबेन एस० वातरा डफनाला, शाहीबाग, ग्रहमदा-बाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

वनुसूची

जमीन माप 604 वर्ग गज जिसका सं० नं० 210-1 (हरियापुर-काजीपुर) टी० पी० एस० 14, एफ० पी० नं० 272, सब प्लाट नं० 4 जो शाहीबाग डफनाला श्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज नं० 13039 दिनांक 23 सितम्बर 1980 में दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

तारीख: 16-4-81

प्रारूप बाईं. टी. एन. एस. ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमधाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 14 म्रप्रेल 1981

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1365 ए० सी० क्यू० 23-I/ 81-82—ग्रतः मुझे, मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 124 प्लाट नं० 248 है तथा जो रणछोड़नगर शेरी नं० 13 राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 11 सितम्बर 1980

को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ज्ञान, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त जिभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्मतिस्ति व्यक्तियो अर्थात् :—— श्री कानजीभाई एरगनभाई शाह रणछोड़नगर सोसायटी राजकोट।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीजयाबेन गणेशभाई पटेल नर्मदाबेन छगनलाल पटेल रणछोडनगर सोसायटी राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पश्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

गोलश्वन स्कीन प्रीन्टींग वक्स के नाम से जानकारी लमकत जो जमीन माप, 746-6-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ी है जिसका सं० नं० 124, प्लाट नं० 284, जो रणछोडनगर शेरी नं० 23 राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्री-कृत बिकी दस्तावेज नं० 5521 वि० 11-9-80 में दिया गया है।

मांगीलाल सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ¹, ग्रहमदाबाद

तारीख: 14-4-81

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जद रेज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 1364 ए० सी० क्यू० 23-1/ 81-82—ग्रतः सुझे, भागीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2/227/1 ग्रोफ म्यु० वार्ड नं० 2 प्लाट नं० 2296 है तथा जो जीन प्लाट ध्रांगध्रा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद ग्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ध्रांगध्रा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, 15 सितम्बर 1980 को नूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दश्य स उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय। क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के फिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारः 269-च के अमृत्ररण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. गीरीशचेद लीलाक्षर ठेक्कर क्लब रोड । धांगधा। (भारतरक)
- 2. श्री बदरूद्दीन पीर भाई जीन प्लाट ध्रांगध्रा। (श्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में मकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-सूचना की तामिल से 30 विन की बबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की कारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वितव्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में प्रिप्राधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सूची

एक मंजिल बाला मकान जो जमीन माप 83-3-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है जिसका सीटी सर्वे नं० 2296 म्युनिसिपल बार्ड नं० 2 तथा जो जीम प्लाट, धांगधा में स्थित है। मिलकत की पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत ब्रिकी दस्ताबेज नं० 678 दिनाक 15-9-80 में दिया गया है।

मोगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , ग्रहमधाबाद

तारीख: 14-4-81

प्ररूप अन्दर् . देरी . ध्न . एस . -----

सामकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (4) के मधीन मुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 6 अप्रैल 1981

निदेश नं १ पी० आर० नं १ 1362-एं० सी० क्यू 23-1/81-82---यतः मुझे, मांगीलाल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंद्यात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं नं 143-2, टी० सी० एस० 8, एफ० सी० मं 16 पैंकी है तथा जो दरियापुर, काजीपुर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर दूससे उपावद श्रनुसूचित में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकार के कार्यालय श्रहमबादबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29 सितम्बर 1980

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, अक्त निष्नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सूबिधा के किए; नार/या
- (क) एसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य आरितयां करें, फिक्ह अनस्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (१९७२१) का १६) या अवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों स्थाद् :++

- श्रीमती निर्मेलाबेन लक्ष्मीप्रसांद रायल, रामवाटीका, गिरधरनगर के पास शाहीबाग, श्रहमदाबाद। श्रन्सरक)
- 2. भारतीय, एपार्टमेन्ट को० भ्रो० रा० सो० लि० निवेदित द्वारा श्री रमेशभाई नारायणभाई 11, विद्वुलनगर सोसायटी, केम्प रोड़, ग्रहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्या अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन माप $345\frac{1}{2}$ वर्ग गज जिसका सर्वे नं० 143-2, फाईन प्लाट नं० 16 पैंकी ब्लाक नं० A 2-1 टी० सी० एस० 8, दरियापुर काजीपुर ग्रहमदाबाव मिलकत का पूर्ण वर्णन प्रिधि रिजस्ट्रीकर न बिक्री दस्तावेज नं० 12254 दिनांक 29 सितम्बर 1980 जो रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, ग्रहमदाबाद द्वारा किया गया है, इसमें है।

(मांगीलाल) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमवाबाद

तारीख: 6-4-81

मोहरः

प्रकृप भाई० टी • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज I कार्यालय श्रहमदाबद
श्रहमदाबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० श्रार नं० 1363 ए० सी० क्यू० 23-1/81-82—श्रतः मुझे मांगीलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० सी० नं० 6 पैकी टी पी० एस० 8 दिर्यापुर काजीपुर हैं। तथा जो शाहीबाग श्रहमवाबाद एस० नं० 43-2 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचि में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 29 सितम्बर 1981 को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखत उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाणित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिए। को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मधुकान्ताबेस रामलाल नैकुंडराम व्यास, तथा दूसरे 54-2 गिरधरनगर सोसायटी, शाहीबाग रोड़, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरक)

2. भारतीय एपार्टमेन्ट को० श्रो० रा० सो० लि० प्रमोटर द्वारा श्री रमेशभाई नाराण भाई पटेल 11, पिंहुलनगर सोसायटी, केम्प रोड, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सक्यों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनु**स्**षी

जमीन माप 430 वर्ग गण जिसका सर्वे नं० 143-2 एफ० सी० 16 पैकी ब्लाक नं० 'सी' टी० सी० एस० 8 विरियापुर काजीपुर, ग्रहमदाबाद। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रिजिस्ट्रीटड बिक्री वस्तावेज नं० 12254 दिनांक 29-9-80 से रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी ग्रहमदाबाद द्वारा किया गया है, इसमें है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीखाः 6-4-1981

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा, कार्यालय ग्रहमबाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० श्रार्० ने० 1361 ए० मी० क्यु० 23-I/81-82-श्रतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर पिजसकी सं० 170 है सथा जो झाईन रोड़ के पास, वस्नापुर, ग्रह्मवाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद श्रनुस्चि में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तिवक रूप में किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1.श्री पुनमचंद गोकलदास गाह 22, आम्त्रकुंज सोसायटी रामनगर, साबरमती, श्रहमवाबाद।

(ग्रन्तरक)

2.ज्योतमनी को० ग्रो० रा० मो० द्वारा, श्रीमती ज्योतीका रमणलाल शाह 31, श्रवनीका पार्क, खानपुर, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्डीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

वन्स्ची

जमीन माप 5808 (11616 वर्ग गज का है हिस्सा) जिसका सर्वे नं० 170, जो वस्नापुर, ड्राईव लेन सीनेमा के पास अहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रिजस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 11672 दिनांक सिलम्बर 1980 जो रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, अहमदाबाद द्वारा किया गया इसमें है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-^I, ग्रहमवाबाद

तारी**ख**: 6-4-1981

प्रकप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981

सायकर सिंधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 254-3-6 है। तथा जो धारलोडीया अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4 सितम्बर 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (उन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मो कमी करने दा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--

- श्रीमती दुंगर्ऋकि पुद्धी चंचलबेन गोकलपुरा, गांव बडसार, ता० कलोल, जिला महेसाणा। (ग्रन्तरक)
- (1) प्रित टेनामन्ट को० ग्रो० रा० सो० द्वारा ग्रंबाशंकर के० मेहता, बंगला नं० 38, तिरथनगर सोसयटी सोला रोड, धारलोडिया के पास, ग्रहमदाबाद।
 - (2) श्री रमेशभाई पटेल मार्फत ग्रमी कार्पोरेशन विकम चेम्बर्स, पहली मंजिल श्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवासित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशनः को उन्हरीक से 45 विन की अकरिंग सास्तरप्रकृषी अधिकामों पर सूचना की राष्ट्रीयस से 30 किय की अवस्थि, यू भी अवस्थि बाब में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंचे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूत्री

जमीन माप एकड़ शूस्य गुंडा 34 जिसका सर्वे नं० 254-3-6 ओ धास्लोडिया, श्रहमदास्तद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज नं० 3419/4-9-80 जो विधि रजिस्ट्रड, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रहमदाबाद द्वारा किया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-ॉ, सहमदाबाद

तारीख: 6-4-81

प्रस्प आहें. टी. एस. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रॅज-I, कार्यालय श्रहमदानाय श्रहमदानाद, दिनांक 6 श्रप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० श्रार० मं० 1359 ए० सी० क्यु०-23-I/ 8-1-82----यत: मुझे, मांगीलाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 245/1/3 है। तथा जो घाटलोडिया श्रहमवा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 9 सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी काम या किसी धन या अभ्य आस्तियों को किस्तूर भगरतीय अम्बक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की संपंधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियाँ, अर्थात्:--

8--116GI/81

- 1. श्री बाबूभाई नारणभाई पटेल सगीर कनुभाई बाबु भाई के० वाली गांव घाटलोडिया, ग्रहमदाबाद। (भ्रन्तरक)
- 2. बालेग्रवर को० ग्रो० ए० सो० चेयरमेन द्वारा, श्री भाईलाल भाई भलाभाई पटेल, गांव मकरबा ग्रहमदाबाद। मंत्री; श्री वासुदेव एरिभाई पटेल गांव धलतेज, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आने उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिक्राचित हु⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु⁸।

मन्स्ची

जमीन माप 11132 वर्ग गज जिसका सं० नं० 245/1/3 जो घाटलोडिया, ग्रहमदाबाद जिला में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन विधि रजिस्टर्ड बिकी दस्तावेज नं० 12413 दिनांक 9-9-80 से रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अहमदाबाद द्वारा [किया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमधाबाद

तारीख: 6-4-81

সূক্ত মাৰ্থ**০ টা**০ **एণ০ ব্য়•----**

अ(यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाव ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 ग्रप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० घ्रार० नं० 1358 ए० सी० क्यु० 23-J/ 81-82--- ग्रतः मुझे, मांगीलाल, प्रायकर श्रधितियम, 1961 (1961 43) (जिरे इनर्पें इसके पश्वात् 'खवत ब्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व हे प्रजीत संजय प्राधिकारी को यह विश्वास करते. का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- इपए से भविक है भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 93 है तथा जो गाछाग्राम, जुनागढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)) के म्राघीन, दिनांक 15 सितम्बर 1980 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पतिफन से, ऐसे दृश्यमान पतिफलका पन्द्रह प्रतिशत से ग्राजिक है पार बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छड़ेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में **वास्तवि**क **रू**प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिछ-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्रिया या किसी वन या प्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धनकर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित "पक्तियों, अर्थात् :--

- 1. (1) श्री जयेन्द्र परबनराय जोशीपुरा।
 - (2) श्री सुखवन्ती दयाशंकर जोशीपुरा।
 - (3) श्री एरवीदा जयेन्द्रराय जोशीपुरा।
 - (4) श्रीमती सुधाबेन जयेन्द्रराय जोशीपुरा।
 - (5) नरेश जयेन्द्रराय जोशीपुरा।
 - (6) श्री राजेन्द्र जयेन्द्रराय जोशीपुरा। 240, मानेकबाग, श्रहमवाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पुष्पा ईप्रवरलाल रूपारेल मगनाथ रोड, स्कूल बाड़ी दरखाजा, जूनागढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्मत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्तम्बरधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में िस्सी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किभी अन्य गिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये जा सकेंगे।

स्मध्यो हरग :---इसमें प्रपुक्त सक्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रार्व होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनु सूची

एक खुली जमीन का प्लाट माप , 954-1 वर्ग गज जिसका प्लाट नं० 93, जो गोधीग्राम जूनागढ़ में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज नं० 1955 दिनांक 15 सितम्बर 1980 में दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 4-4-1981

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-------आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज -I, श्रहमदाबाव श्रहमदाबाद, दिनांक 4 श्वर्पेल 1981

निर्देश सं० सी० श्रार० नं० 1357 ए० सी० स्यू०-23-I/801-82--यतः मुझे मांगीलाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिल्लका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० वार्ड नं० 2 का स० नं० 2435 है तथा जो डाकर प्लाट, कबीर श्राश्रम के पीछे, पोरष्हर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8 सितम्बर 1981

पूर्लोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरिन की गई हैं घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, नसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे तृश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत श्रिषक हैं घौर घन्तरक (अन्तरकों) घौर घन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए ता पाया गया पतिकत, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उनत धिनियम के धिन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- श्री ग्रोधवजी जमनावास लाखानी कबीर धाश्रम कै पीछे, अकर प्लाट, पोरबंदर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती विज्यागौरी नारणदासं, भदकाली रोड़, पोरबंदर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो
 भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
 व्यक्तियों में ने किसो व्यक्ति द्वारा।
- (खा) इस सूचना के राजगत्त में प्रकाशन को तारीख ।
 45 दिन क भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति प्रे
 हितवद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

हरददोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिल बाला रहने लायक मकान जो जमीन माप 133-7-4 वर्ग गज पर खड़ा, जिसका सर्वे नं० 2435 जो डाकर प्लाट, कबीर भ्राश्रम के पीछे पोरबंदर में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज नं० 2480 दिनांक 8-9-80 में दिया गया है।

मांगीलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-4-81

प्ररूप आहें .टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ(1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेज-II, प्रहमदाबाद

भहमदाबाद, दिनांक 1 मई 1981

निर्वेश सं० पी० श्रार० नं० 1110/एक्वी-23/II/81-82 ----यतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके प्रश्वात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिवत बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 114-मोजे नागवाड़ा है तथा जो बेरोडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक सितम्बर 1980 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्चह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए:

श्रतः भ्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ए के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निष्नुषित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कर्मलंबेन अंगर्जिक्नदास पटेल,
 - (2) श्रीमती शान्ताबैन जगजीवनदास पंटेंल ।
 - (3) श्रीमती कांग्ताबेंन जगजींबनपास पटेल के द्वारा केकवलास पी० पटेल।

(भन्तरक)

2. ग्रयोधयानगर को० श्रो० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड प्रमुह लालजिभाई एस० पटेल, नागवोडा, बेरोडा।

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के ग्रर्जन के जिए कायवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राभेप :→

- (क) इस सूधना के राजकंत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूबना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन जो तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अविन द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 114 में नागवोडा गांव में स्थित है। जो बिकीखत पर रजिस्ट्रेशन नं० 5602—5614 में बरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में सितम्बर मास 1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाव

तारीखा: 1-5-1981

प्रकर पाई • टी • एन • एस •

आयकर बधितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 घ(1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाष, दिनांक 1 मई, 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 236/1 और 236 है तथा जो उम्रागांव, जिला थाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, वापी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सारीख 18-9-1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल दृश्यमान के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरित्यों) के श्रीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत: —

(1) श्री राजेन्द्रा मनु भाई अधीरा, उन्नागाय, ता० उम्मा-गांव । दाहानु, जिला थाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रताप हरिदास कापडिया, श्रीमती कुसम प्रताप कापड़िया, उमागांव, ता० उमागांव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि काद में समान्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खारा;
- (खं) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितक क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी पर गान्य प्रमुखा शब्दों और पदीं का, जी धनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं धर्म होगा, जी सप अध्याय में विया नया है।

प्रनुसूची

मिलकत ग्रो उम्रागांव एस० नं० 236/1 और 236 जिसका भाग 9 एकड़, 7 गुण्ठ में स्थित है। जो तारीख 18-9-1980 में रेजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 1-5-1981.

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

आथकर मिंबिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269 व(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनांक 2 मई, 1981

निदेश सं० पी० झार० नं० 1112/एक्वी—23—I/80—81— झत: मुझे, जी० सी० गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को छारा 269-ज के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र० स अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 25/19 और 25/20 है तथा जो मकर पुलिया, दाहोद में स्थित है (और इससे उपावद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दाहोद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 29-9-1980

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) श्रन्तरण से तुई किसी आप को बाबत, उक्त ध्रधि-नियम के श्रधीत कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने गा उसमें बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किनो बाब या किसो धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की अपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत्:——

- (1) श्री सेफ्टी कन्सट्रकशन कम्पनी के मालिक, खेणुद्धीन प्रवासभाई उनावाला, वोरा सोसेटी, वाहोद (2) श्रवदु हुसैन हसनभाई उनावाला, सालोड रोड, सेफ्टी सोसायटी, वाहोद (3) बाणुबाई जेगुद्धीन परावाला, (4) सालमाबाई हतिमभाई गाडियाली, मझिवाडा, उनचवागोयावाला रोड, दाहोद ।
- 2. (1) श्री फ़िरोस दाऊद भाई काचेरीवाला, (2) श्री फ़िखरद्दीन दाऊदथाई काचेरीवाला, (3) श्री ग्रवास भाई दाऊद भाई काचेरीवाला, हसेणि माहोला, दाहोद।

(भ्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

जनत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकाप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिश की घविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, प्रभोहस्ताकारी के पास निकास में किए जा सकेंगे:

हपडटीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत विध-नियम के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्च होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

मिलकत जो टी० एस० नं० 425/19 और 425/20 में सैपटी फ्लाट नाम पर स्थित है जो तारीख 29-9-1980 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ।

तारीख : 2-5-1981.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1981

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1113/एक्वी० 23—II/81—82:--ग्रत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए सें भ्रधिक हैं और जिसकी सं० एस० सिढी एस० नं० 425/19 और 425/20 है तथा जो ताकर थालिया, दाहोद (सौपी पुलदि) में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दाहोद में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-9-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सैफी मणसद्रक्षवण क्षंपनी का मालिकों जेनुधिन ग्रवासथाई लणेवाला, बोरा सोसायटी, वाहोद,
 (2) ग्रवदुलहुसेयिन दसेनथाई चुनावाला, (3) सालद रोड, सैफी सोसायटी दाहोद बाणुबाई जेनुधन पारावाला सालद रोड, सैफी सोसायटी, वाहोद,
 (4) सालयाबाई हमिमधाई गडियाली, नाईवाला, उनचवाजिवाला रोड, वाहोद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पुला माहयाव थाई हुसेन थाई जीरावाला, लुनी कचेरी मार्ग, दाहोद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के रिलए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉब्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जनत विभिनियम, के अभ्याय 20 क में परिभाजित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

अनुस्ची

मिलकम जो सि॰ एस॰ नं॰ 25/19 और 425/20, समिकी प्लाट में स्थित है। जो तारीख 29-9-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्गे, सक्षम प्राधिकारी; सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 2 मई, 1981

प्रकार आहरी. दरी. एन . एस . -------

आयकर अधिनियम, 196.1 (1961 का. 4.3) की धारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं० पी० प्रार्० नं० 1114/एक्बी०/23—II/81—82:-ग्रतः मुझे, जी० सी० गर्गे,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 4,3) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं,"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं.

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 425/19 और 425/20 है तथा जो ताक़ोर थालिया, दाहोद, (सैफी) प्लाट में स्थित है (और इससे उपाक्क फ़नुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्सा फ़ाधिकारी के कार्यालय वाहोद में रजिस्ट्रीकरण घिष्टिमियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 29-9-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पल्क्ष्स प्रतिद्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरणासे हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922, का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तीरती द्वारा प्रवह नहीं। किया गमा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्तिया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सैफी कन्सट्रकशन कंपनी का मगलिक (1) श्री जनुधिन श्रवासभाई लेणवाला, बोरा सोसायटी, दाहोद (2) श्रवदुलहसैयिन हसनधाई चुनावाला, (3) बणुभाई भेणुधिन पारावाला सालोद रोड, सैफी सोसायटी, दाहोद, (4) सालायाबाई हतिमथाई गाडियाली, ताईवडा उनचणिवाड रोड, दाहोद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सैंफ़ुद्दीन श्रवासभाई, सिलोदलावाला, दाहोद । (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कर सम्पृतित के अर्जन के जिस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि खाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्यक्तिरुपः -- इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिया गया है।

अनुसुधी

मिलकन जो सी० एस० नं० 425/19 और 425/20 (सैफी फ्लाट) में स्थित है (जो तारीख 29-9-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ,श्चर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

तारीक: 2-5-1981.

मोहरः

अस्य आद्दे.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1981

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 1116/एक्टी/23-II/81-82:-श्रतः मक्षे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 97/6/2, दफ्तर-कम-गौढेण है तथा जो उनजा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, डुनजा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20-9-1980

कों पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अमितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्निलिंक उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

(1) मैं० रमेंश कुमार एंड कंपनी का भागीवारों गनज बाजार, उनचा, (उत्तर गुजरात)।

(भन्तरक)

(2) धनालाल एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०) के लिये श्री धनालाल गणेशलाल जयिन, एच० यू० एफ० करता और को ओणर 8-बी०, ग्रंग्रताला स्ट्रीट, कलकत्ता-1.

को यह स्थना जारी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस् सिसित में किए जा सकींगे।

संख्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो उनजा बाजार यार्ड, प्लाट नं० 97/6/2 में स्थित है जो तारीख 20-9-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्गे, सक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-11, ग्रहमवाबाद ।

तारी**ख**: 11-5-1981.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1981

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1117/एक्बी/23/II/81-82--म्रतः मुक्षे, जी० सी० गर्गं,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संब्धार० एस० नंब 2885 सीव एस० नंब 2852 दि० सि० कार 3 एफ़० सी० 465 है तथा जो म्रानन्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रानन्द में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-ं नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12 सितम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का परदृह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-

(1) श्री पटेल शान्तीलाल की पहनी श्रीमती दिव्ववेन, गृटल गवि, तासुका निष्याङ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शाह चिमनलाल मोतिलाल कनी (1) लिलताबेन चिमनलाल शाह, (2) शाह चन्द्रवदन चिमनलाल, (3) कानुयाई चिमनलाल, (4) प्रनिल कुमार चिमनलाल, (5) रजेन्द्र कुमार चिमनलाल । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**ह भी आक्षेप** :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, हारेगा जो उस अध्याय में वही अर्थ गया है।

अनुसूची

मिलकम जो भ्रामन्द में भ्रार० एस० नं० 2885, सी० एस० नं० 2852, टी० पी० एस० 3, पी० पी० 465 स्थित है। जो तारीख 12-9-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

> जी० सी० गर्गे. सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायका (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ।

तारीखा: 11-5-1981,

प्रका आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 मई 1981

पी० भार० नं० 1118/एक्वी०-23-II/81-82:---भत: मुझे, जी० सी० गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सञ्जन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं आर एस नं 1 पैकी सी एस नं 2007 पैकी प्लाट नं 1300 है तथा जो वलपुविधयानगर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत्त , तिम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में मुतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

मतः मय, उन्त मिन्नियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त मिन्नियम की धारा 269-थ की उपधारा ं'1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :→ (1) श्री पटेल सुरजबेन रणचोड़ थाई और दूसरे । गांव चकलाई, तालुका नंडियाड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेणभाई नारायणथाई पटेल और दूसरे । बल्लंथ विध्यानगर, श्राणद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कायशाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाचन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित∗ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के प्राध्याय 20-क में परिभाषित है, बही घर्ष होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

मिलक जो प्लाट नं० ग्रार० एस० पैकी, सि० एस० नं० 2007, पैकी प्लाट नं० 1300 में स्थित है जो तारीख 16-9-1980 में रजिस्ट्री की गयी।

> जी० सी० गर्ग; सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमवाबाद।

तारीख: 11-5-1981.

प्ररूप थाई. दी. एन. एस.-----

1. श्रीमती कल्यानी गांगुली

(अन्तरक)

2. श्री प्रशबरीम हाजरा

(भ्रन्तरिती)

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त, (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 धप्रैल 1981

निर्वेश सं० ए० सी० 12 रेंज - IV/कल०/81-82---यतः मुझे, के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियमा कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खतियान सं० 5392 है तथा जो बाली, हावड़ा में स्थित है। और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है। रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक 23-7-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-कल, निम्नुलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कि चित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त गौधनिसम के अधीन कर दोने के बन्तुरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोद्यास्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारत (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— को यह सूचना जारी करके पृथा किंतु सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इ.स स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति इसारः;
- (स) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की झादीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हुं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

जनुस्ची

खितयान सं० 5392, बाली, हावड़ा में 3 कट्ठा, 5 छटांक, 28 स्केयर, फ़ुट जमीन का साथ मकान का सब कुछ जैसे सं० 1980 दिलल सं० 1372 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

कें विहा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-IV कलकता 5, रफीग्रहमद किंदबई रोड, कलकता-16

विनोम । 16-4-81 मोहर : प्ररूप बाह्र .टी. एव. एस.----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कामृल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 म्रप्रैल 1981

निर्देश सं० ए० सी०15 रेंज, भ्राई० वी०/कल/1981-82---यतः मुझे, के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 71-,35 76, 77 है तथा जो भौजा खादिया, जि० हावड़ा में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-9-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उधित बाजार मूख्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अपने मा उसके बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्हिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों सुधीत :---

(ग्रन्तरक)

2---प्रेसाईज पाईपस और टिडक

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको नृवांकत सञ्चलित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में को हूं भी क्राक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति को हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और वर्तों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में वरिभावित हैं, वहीं कर्ष होन्स जो उस क्षम्बाय में दिया सक्त हैं।

श्रनुसूढी

मौजा खादिया, जि॰ हावड़ा में स्थित 23 डे॰ जमीन का सब कुछ जैसे 1980 का दिभिया सं॰ 323 में और पूर्ण रूप से क्लिंगत है

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज आई० बी०; कलकता 5, रफी अहमद कवनाई रोड, कलकता-16

विमांभा : 23-4-81

प्रकप भाई० टी० एन∙ एस०----

आयकर मिधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 6 मई 1981

निर्देश सं० ए० सी०28/झार०-आई०वी०/कल/81-82— यत: मुझे, के० सिंह, आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ज के प्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पर्य से प्रधिक है

और जिसकी सं० 17 है तथा जो धरमपुर, चुचुड़ा, हुगली में स्थित है। और इससे उपाधद प्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय, हुगली में, रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रिधीन, दिनांक 25-9-1980

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिशत से भिधक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधिक नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मण्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धनकर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त पश्चिनियम की धारा 269 का के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रश्चिनियम की धारा की 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः— 1. हाराधन मंडल

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती भगवती प्रागरवाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उपत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डी हरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो उक्त स्रिधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

17 धरमपुर, चुचुड़ा, हुगली में 1.115 एकड़ जमीन का सब मुख जैसे सं० 1980 का दलिल सं० 6912 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिहा सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्राई० बी० कलकत्ता 54, रफी श्रहमद किदवाई रोड, कलकता-16

दिनांक : 6-5-81

प्ररूप माई० टी• एन० एस०-

मायकर मिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज -कलकत्ता का कार्यालय

भलकता, दिनांक 6 मई, 1981

निर्देश सं० ए० सी०-29/रेंज-प्राई० वी०/कल/1981-82--यतः मुझे, के० सिंहा
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-

६० से अधिक है।

और जिसकी सं० दाग सं० 2205, 2207 है तथा जो ब्राह्मीपारा धासरा, जगाधा, हावड़ा में स्थित है। और उससे उपाबध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के श्रधीन, दिनाक 29-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितियम के श्रद्धीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

प्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में; में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ्र 1-भी मोह्मलाल चटर्जी

(ग्रन्तरक)

2--श्रीमती रोमा राणी चटर्जी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रिंग में द्वितवाद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दाग सं० 2205, 2207 श्राह्मण पारा, घासारा, जगाधा, हावड़ा में 13 डेसीमल जमीन पर मकान का सब कुछ जैसे सं० 1980 का दलिल सं० 3504 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिंहा सक्षम प्राफ्रिकारी (सहायक ग्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज ग्राई० वी०/कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कलकता-16

दिनांश ;: 6-5-1981

प्रकप साई० टी॰ एन॰ रुस्र

धीर्वकर घिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेजिकलकता का कार्यालय

कर कता, विनांक 6 मई 1981

निर्देश सं० ए० सी० /30 रेंज-श्राई० वी० कल०/1981-82---यतः मझे, के० सिंहा

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घाधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ध्लाट सं० 1438 है तथा जी ब्रामिंगपुर, निदया, कोतीमाली में स्थित है और इससे उपीबंद ब्रमुंश्ची में और, पूर्णरूप से विणित है। रिजस्ट्रीकर्तों ब्रिधिकारी के कार्यालय द्वारा रिजस्ट्रीकरण ब्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रिधीन, दिनांक 3-9-1980

को पूर्वोच्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधिन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/था
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या ग्रम्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रंपीजनार्थ भेग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रंपा था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधी के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-चे की उपवारी (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अचीतः—- 1-भी विश्वजीत विश्वास

(ग्रन्सरक)

2---श्री सुफ़ल कुमार विश्वास

(मन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के ग्रजन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कीई भी ब्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवंधि, औं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

। पष्टीक्षरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदौं का, जो जनते प्राधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ंबही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

प्लाट सं० 1438, कोतमाली, 91 भीमपुर, निवया में 11 डेसिमल जमीन का साथ मकान का सब कुछ जैसे सं० 1980 का विलिख सं० 3092 में और पूर्णरुप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम श्रिधिकारी) सहायक श्रायंकर श्रायंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्राई वी० कलकत्ता 54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

विनोक : 6-5-81

प्रकथ ब्राई० टी० एंन० एस •---

क्षायकर पर्वितिषम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, परिक्षेत्र बिहार,पटना पटना, दिनांक 16 मई 1981

निर्देश सं० $II^{ extstyle II}$ 488/प्रर्जन<math>81-82—यतः मुझे भी० एन० श्रीवास्तवा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतिन बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० विसका नं० 7443 में विणित है तथा जो विसका नं० 7443 दिनांक 22 सितम्बर 80 के ग्राधार पर रांची में स्थित है (और इससे उपलब्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रांची में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22 सितम्बर 1980 को

पूर्णेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्र प्रतिकात से प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरक निखित में वास्तविक छन् से क्यिन नहीं किया गया है:—

- (क) अप्लरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अध्य आक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर काँधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, फिनाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत धिकिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिखन व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री गुरचन्द कृषरा वल्द स्व० चतुर्भूज कृषरा, गौरी शंकर कृतरा ग्रगर बाजार रांची तारा चन्द कृषरा, जीतु देवी कृषरा ग्रगर बाजार, रांची

(ग्रन्तरक)

2. श्री राम कुष्ण शर्मा

(2) श्री हरी कृष्ण शर्मा

(3) श्री रतन कुमार शर्मा सभी वल्द मूरलीधर शर्मा, अपर बाजार रांची।

(ग्रतरिती)

को यह स्वता जारी कंटके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के निए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के पर्भंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारी स से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत काक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्राभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इपर्ने प्रयुक्त गड़तों और पदीं की, भी छक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं म परिभाषित हैं, वेही मेथे होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन जो मकान जो पूर्णक्ष्य से बसिका नम्बर 7443 दिनांक 22-9-80 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला ग्रवर निबन्धक पदाधिकारी रांची द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> भी० एन० श्रीवास्तवा, सक्षम पदाधिकारी निरीक्षो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 16-5-81

प्ररूप आई'० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जेन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 28 मई 1981 निर्देश सं० ^JII 489/ध्रर्जन/81-82—यतः मुझे श्रार०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- उ. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० बार्ड नम्बर 1, होस्डींग नम्बर 777 है, तथा जो बरमसिया, गिरीडीह में स्थित है (और इससे उपलब्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गिरीडीह में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, कौं धारा 269-ग अने अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिक्त अधिकत्यों, अधीत् क्र--- 1. श्री सरदार कुलवन्त सिंह बल्द स्व० श्रमर सिंह साकिन गिरीडीह जिला गिरीडीह।

(भ्रन्तरक)

 श्री शंकर देव चूरीवाला बल्द श्री वासुदेव चूरीवाला साकिन पंजाबी महस्ला गिरीडीह जिला गिरीडीह। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परितृके अर्जन् के सिए। कार्यभाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत आधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन करते

जमीन का रकवा 4 कट्ठा 3 घटाक पक्का मकान सहित जो मौजा बरमसिया थाना गिरीडीह जिला गिरीडीह में स्थित एवं पूर्णरूप से बसिका नम्बर 9981 दिनांक 18-9-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदा-धिकारी गिरीडीह द्वारा सम्पन्न हुश्रा है।

> (म्रार० प्रसाद) (सक्षम पदाधिकारी) निरीक्षी सहायक म्रायकर त्रायुक्त, म्राजैन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 28-5-81

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुवत (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना, दिनांक 28 मई 1981

निर्देश सं० III 490/ग्रर्जन/81-82—यतः मुझे, श्रार० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्जि बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बार्ड नम्बर 1, होल्डिंग नम्बर 777 है, तथा जो बरमिसया गिरीडीह में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गिरीडीह में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18 सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निकिक्त व्यक्तियों, अधीत् :-- 1. श्री सरदार कुलवन्त सिंह वल्द स्व० ग्रमर सिंह साकिन गिरीडीह जिला गिरीडीह।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शम्भू देव चूरीवाला वल्द श्री वासुदेव चूरीवाला साकिन पंजाबी महल्ला जिला गिरीडीह। (श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-भव्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गमा हैं।

वनसूची

जमीन का रक्या 5 कट्ठा 15 घटाक जो मौजा बरमसिया थाना गिरीडीह जिला गिरीडीह में स्थित है तथा पूर्ण रूप से बिसका नम्बर 9982 दिनांक 18-9-80 में बिणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक गिरीडीह में सम्पन्न हुआ है।

> श्रार० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रयुक्त श्रर्जन परिक्षक्ष, विहार, पटना

तारीख 28-5-81 मोहर: प्रस्था कार्डाः टी. एन. एस.---

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के प्रशीन नुष्ता

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 15 भ्रप्नैल, 1981

निर्देश सं० 326/81-82—यतः मुझे श्रार० थोथाद्री आयक् प्रमितिसम्, 1961 (1961 कर 43) (जिसे इसमें इसके पर शान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की पारा 269-ख के अधीन सक्तम अधिनारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- क्पमें से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2, मेंट्रीज नंबर 68 है, जो श्राकंम श्रकटो, मार्गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रमुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सालसेट, गोवा श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 237/606 तारीख 24 मितम्बर 1980

- को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जिंवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के निए मन्तरित की बई है और मुझे यह विश्वास करने का नजरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परक्षह प्रतिज्ञत से अधिक है और मन्तरक (यन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
 - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिक्त नियम के भ्राधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (क) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य प्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या बनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रातिवी हारा प्रकट नहीं किया, यस बार बार किए। जाना चाहिए बा, छिन्ना से सुनिन्ना के स्थि;

अतः, अब्ह्र उनत अधिनियम की धास 269-ग के अङ्गुसरफर्में, में, छनत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन, निम्निसिशित स्पनितमों. प्रथीत:——

- 1. (1) श्री श्रंनंत बाल कृष्णा नायक ।
 - (2) श्रीमती सरस्वित ग्रंनत नायक "स्नेह सदन' एन० गमाडिया रोड, बंबई।

(ग्रंतरक)

 श्री गोविन्द दत्तानय सढंकर पेटिंग ठेकेदार, कोंबा, मार्गोवा, गोवा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्जन के स्निष्ट् कार्यवाहिया करता हूं। उक्त-सम्पत्ति के प्रजॅम के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधःया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा धंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसर्में प्रयुक्त सब्दों भीर पतों का, जो उक्त प्रश्वितिकान के प्रश्वक्य 20क में प्रतिकाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रश्याय में दिया गया: है।

मनुसूची ।

मार्गीवा, ग्राकेम ग्रकटो में स्थित खुला जगह जिसका नाम है "कोंग्यु" याने "चोनी" जिसका प्लाट नंबर है 2 ग्रौर मेट्रीजं नम्बर है 68।

> (श्वार० थोथादी) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर भागुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलोर।

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्ररूप- आर्ष: टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम , 1964 (1961 कम 43) की भारा 269-म ⊭(1) के अशीमः स्वादाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 15 ग्रप्रैल 1981

निर्देश सं. 327/81-82--यतः मुझे श्रार० थोथाद्री भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० सर्वे नम्बर 17 त्यांड रिज नंबर 45.408 मेट्रीज नंबर 1959 है, जो काटाडों, मार्गोवा, गोवा में स्थित हैं (भौर इससे उपायद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, साल्मेट गोवा श्रंडर डाक्युमट नंबर 1640/79/528 नारीख 5 सिनम्बर 1980

को पूर्वा कित सम्पत्ति के उघित बाजार मूल्य से कम के दहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे मह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्व क्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निक्नलिखित उद्योध्य सी उक्त अन्तरण लिखित मी वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके अचने में सृविधा के लिए; और/आ.
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिल्पान में सुविधा के लिए;

त्रतः अस, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को कभीन निम्निसिक्त अधिकता अधिकता अधिकता अधिकता ।

लगत श्रलग अनुबंध के मृताबिक

 (1) श्री महमद इस्माइल रामजी श्रौर उनकी पत्नी इजतखानु, पाजिकोंड, मार्गोवा, गोवा।

- (2) श्री सान्वोलो चोंड्रो विष्टिकर धीर , उनकी पत्नी ध्रहमलयाबाइ एस० विर्डीकर, काटाडों मार्गोवा, गोवा।
- (3) दत्ता गणेश श्रष्टपैकर श्रौर उनकी पत्नी सुमनिबाइ श्रष्टपैकर करेबंद नवेलिम, गोवा।
- (4) चंद्रकात सूरया नायक श्रौर उनक पत्नी सुनीता नायक कोंबा।
- (5) श्रोधर मनु कुर्डीकर श्रौर उनकी पत्नी णांतु कुर्डीकर, मार्गोवा, गोवा।
- (6) अर्जुन यशवंत अमोनकर श्रौर उनकी पत्नी सुमद्रा अमोनकर, आकेम।
- (7) श्री नारायण गंगु प्रडकर श्रौर उनकी पत्नी गोपिकाबाइ श्रडपैकर, कोंबा।
- (8) श्री मकतलाल पुरूषोत्तम पटेल श्रौर उनकी पत्नी कांताबेन पटेल, मार्गीवा।
- (9) श्री दिनु जालु ग्रहपैकर ग्रौर उनकी पत्नी बत्सला ग्रहपैकर पेडा।
- (10) श्री पुंडलिक विट्टल ग्रडपैकर ग्रौर उनकी पत्नी पुष्पावती ग्रडपैकर, नवेलिम।
- (11) श्री चंद्रकांत शिवराम भ्रडपैकर भ्रौर उनकी पत्नी कमलवंति भ्रडपैकर, कोंबा।
- (12) श्री श्रनंत नारायण श्रंबौलिकर श्रौर उनकी पत्नी मनोरमा संबौलिकर, श्राकेम।
- 13) श्री राया नागु बोर्कर भौर उनकी पत्नी विशांति बोर्कर, नवेलिम।
- (14) वसंत रघु बोर्कर श्रीर उनकी पत्नी शांता बोर्कर, मार्गोवा।
- (15) श्रीमति गोकुलबाइ रांबा वरिक, नवेलिम।
- (16) श्री नरसिंब सीताराम प्रभु श्रौर उनकी पत्नी सरस्वति प्रभु, कटार्डो।
- (17) श्री दामु यशवंत नायक श्रौर उनकी पत्नी शारदाबाइ नायक, कडार्डो।
- (18) गजानन दामोदर सावंत ग्रीर उनकी पत्नी सरोजिनी सावंत कटार्डो।
- (19) श्री गुणबंति नारायण नायक उर्फ गुणबंति नारायण शिरोडकर उर्फ जयश्री शिरोडकर मार्गोवा।

(20) श्री दत्ता किश्णा शिरोडकर और उनकी पत्नी प्रेमा उर्फ उपाबाइ शिरोडकर। (श्रन्तरक)

2. श्रीमत्ती शीला हरिबा नायक गौणेकर फ्लेट नंम्बर 8, विद्रोस म्यान्सन डसिडा बाण्टिस्टा रोड, मार्गीवा, गोवा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अपिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिविं से 45 दिन के भीतर उसस स्थापर संपरिता में हित-वव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभाहश्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्वाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

काटार्डो, मार्गोवा में स्थित खुला जगह जिसका नाम है "चोंड्रा वडो" याने "किरा" श्रीर जिसका लयांड राजि नम्बर 45.408, मेट्रिज नम्बर है 1959, श्रौर सर्वे चल्ता नंबर है 17। जमीन का कुल क्षेत्र है 11395 खेबर मीटर।

> (ग्रार० थोथाब्रि) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बेंगलोर ।

तारीख: 15-4-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 14 मई 1981

निर्देश सं० 335/81-82—अतः, मुझे आर० थोथाब्रि आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित हाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 82 भौर 83 है, जो ग्ररमाने थलगुर, बाजार होबली, तालुक मिडगेरे में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, मुडिगेरे श्रंडर डाकुमेंट नम्बर 452/80-81 तारीख 23-9-1080 को

की पृशोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गु के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन ौन्मनिल्यित व्यक्तिस्मा, अधित ध== (1) श्री एम० एस० एम० मेयप्पा चेट्टियार का पुत्र श्री एम० चोक्कालिंगम, नम्बर 6, सिवस्त स्ट्रीट, रुलंड गेट, मद्रास-600006।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० डी० राजमाने गौडा का पुत्न श्री ए० श्रार० कृष्णगौडा, काकि प्लांटर, कट्टीमने एस्टेट, पोस्ट हेरूर, तालुक कोप्पा, जिला चिक्कमंगलूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसुची

चिक्कमंगलूर जिला मृडिगेरे तालुक बालूर होबली, ग्ररमाने थगलूर ग्राम में स्थित काकि एस्टेट (इमारत सहित) जिसका सर्वे नं० 82 ग्रौर 83 है।

> म्रार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलर ।

तारीख: 14-5-1981

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलोर, विनांक 14 मई 1981

निर्देश सं० 336/81-82—यतः, मुझे घार० योषाद्रि ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एकात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख हे प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उजिन बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भन्निक है

श्रौर जिसकी सं० 203, 204, 235, 236, 237, 238, 239 है, जो महाबीर नगर (कोठारी बडावणा) एस० नंबर 67 ब्रह्मपुर, गलबर्गा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुलबर्गा श्रंडर डाक्युमेंट नंबर 1817 तारीख 25-9-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ह) प्रनारण ने हुई िहमी प्रायकी बावन, उका प्रिधिन नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी आग या किसी धन या अन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिन क्रिक्तियों, प्रशीत :--- (1) श्री श्रशोक कुमार फ्लचंद कोठारी, सराफ बजार, गुलबर्गा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रणांत सुभाषचंद्र कोठारी, श्रल्पवयस्क संरक्षण-दार श्री सुभाषचंद्र फरचंद्र कोठारी, सराफ बजार, गलबर्गा।

(ग्रन्तरिती):

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबड़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

मनुसूची

महाबीर नगर (कोठारी वटावणा), ब्रह्मपुर, एस० नंबर 67, गुलबर्गा में स्थित सात खुला प्लाट्स जिसका नंबर 203, 204, 235, 236, 237, 238 ग्रीर 239 है।

> श्रार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलोर।

तारीख: 14-5-1981

प्रदम काई । ही । एक । एस । ---

आयक्ट-प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

न्यार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजैन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिसांक 15 मई 1981

निवेश सं० 10986—यतः मुझे, श्रार० रविचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत स्विधिनयम' कहा बया है), की धारा 269-ख के स्वीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका हिन्द्र बाजार मृह्य 25,000/- ए० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 146/1 है, जो गांधीपुरम, गनपती में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (डाकुमेंट सं० 3411/80) में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

श्रतः श्रम, उपत श्रीविनियम की झारा 269-न के धनुनरक में, में, उक्त प्रधिनियम की झारा 269-व की खनवादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) भी कुप्पुस्वामी टैगोर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोविंदस्वामी चेद्रियार ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस मुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकीं।

स्पद्धीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को जनत श्राधि-नियम के अध्याय 20-क में परिचावित है, वही अर्थ होगा, को उस प्रथ्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि---गनपति, सर्वे सं० 146/1 (डाकुमेंट सं० 3411/ 80)।

> आर० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, **महा**स

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप आहाँ.टी.एन.इस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई 1981

निदेश सं० 10986--यतः मुझे, ग्रार० रविचन्द्रन, कायकर अधिकियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पक्चात 'उच्चत अभिनियम' नाहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,600/ रत. से अधिक **है**

भौर जिसकी सर्वे सं० 146/1 है, जो गांधीपुरम, गनपती में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबक अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्ब-ट्र (डाकुमेंट सं० 3412/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1980

कों पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के उपयमान प्रॅंतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वा कर संपरित का उचित बाजार भूरूय, उस**की धरवमा**न प्रतिकल से, धुसे **धर**मान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उपत अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--

11-116 GI/81

(1) श्री के० कृप्पूस्वामी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पलानियप्पन श्रौर श्रदर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळकिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि गोधीपुरम, गनपति, सर्वे सं० 146/1 (डाकुर्मेट सं० 3412/80)।

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-ग्रा, मन्नास

सारीख: 15-5-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री के० कुप्पुस्वामी।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

(2) श्री रामायी श्रौर ग्रदर्स।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० 10986—यतः मुझे श्रार० रिवचन्द्रन, अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सर्वे सं० 146/1 है, जो गांधीपुरम, गनपती में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कोयम्ब-ट्र (श्रावु.मेंट सं० 3413/80) में रजिस्ट्रीकरण प्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मितम्बर, 1980 को

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निलिखत उद्योश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक क्ष्य में किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में उमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :-- को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होया, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी०—-एस० सं० 146/1, गनपति, गांधीपुरम (डाकुमेंट सं० 3413/80)।

श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखाः 15-5-1981

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भिधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मत्रास मत्रास, दिनांक 15 मई 1981

निवेश सं० 10986—यतः मुझे, श्रार० रविधन्त्रम, प्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-घ० से श्रिक है,

और जिसकी टी० एस० सं० 146/1 है, जो गनपती, रियनपुरी, संगनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के मक्किल्य, कीयम्बदूर (डाकुमेंट सं० 3414/80) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रमीन तारीख सिरस्कर 1980

प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तकिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एक्त श्रीविनयम, के श्रीवान कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रब, उनतं श्रधिनियमं की धारा 269ना के धनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269नव की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्थातः—— (1) श्री के० कुप्पुसवामी।

(अन्तरकः)

(1) श्री ढंडापानी ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दी इरग: --इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो खक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि - रिथनपुरी, गनपती, सर्वे सं० 146/1, कीयम्बटूर (जाकुमट सं० 3414/80)।

श्रार० रविचन्द्रन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, मद्रास मद्रास, दिनोक 8 मई 1981

निदेश सं० 9173—यत:, मुझे, आर० रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त पिर्धिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त पिर्धिनियम अहा गया है), की धारा 269 व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द के से अधिक है और जिसकी सं० भूमि और निकृणि है, ग्रो श्डासिकार स्ट्रीट और पर्लारनातनम्धादि स्ट्रीट, करुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कछर में (डाक् मेंट सं० 1796/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980 की

- को पूर्वितंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यभान प्रांतफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रांतफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रांतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भांस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थात् हर- (1) श्री भ्रार० सेनुरामन और भ्रदर्स

(भ्रन्सरक)

(2) श्री राम गोविन्यन और धवर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की लगरीं से 45 चिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 चिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितयहभ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्वों का, जो उक्त अधिमियम के अध्याय 20 का में परिकारित है, वही अर्थ सूरेगा, को उस अध्याय में चिमा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण क्रूडरिसकार संद्रीट, और पंडारिनासन स्निदी, करूर (डाकुमेंट सं० 1796/80)

न्नार० रविचन्त्रन ^{*}सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-5-1981

प्रस्प भार्ष: टी. एन. एस.----

बाय्कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० 10967—स्यतः, मुझे भ्रारं० रविचन्द्रन कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए. से अधिक है

और जिसकी सं० 18, स्ट्रीट सं० 1 है, जो द्योपालपुरम कोयम्बट्र में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र (डाक्सेंट सं० 4778/80) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्निसिस व्यक्तियों अधीतः :--

(1) श्री सुन्धरराज, बालाजी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्रन और भदर्स

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंपु.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान को राजधन को तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के एस लिलिन को किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूमि और निर्माण 18, स्ट्रीट सं० 1, खोपालपुरम, कोयम्बदूर (डाकुमेंट सं० 4778/80)।

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I¹, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप बार्ष. टी. एन्. एस.-

बायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई, 1981

निवेश सं० 15792—यतः मुझे ग्रार० रविवन्द्रन शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39, सौत बोग रोड है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, टी० नगर (डाक् मेंट सं० 1530/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1980 की

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमकं दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक कम से किश्तत नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट्/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निगः;

जत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, अकन अधिनियम की धारा 269-त्र की अपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— (1) श्रीकाका कशी कुमार स्वामी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शिवकामी भादवन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाक्षन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्री

भूमि और निर्माण सं० 39, सौत बोग रोड, मद्रास-17। (डाकूमेंट सं० 1530/80)

> श्चार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्र**र्ज**न रेंज-^{II}, मद्रास ।

तारीख: 15-5-1981

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस•---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 15 मई, 1981

निवेश सं० 15803—श्रतः मुझे श्रार० रविचन्द्रन आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(तिसे इसमें इसके एक्वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर प्रस्ति जिलहा उचित बाजार मूल्य 25,000/- छाये से प्रधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 55, तिमलनाडु रारीया डिफेन्स सिविसेज को-आपरेटिव होस कत्सद्रकशन सोसायटी स्कीम, है, जो नंदमपारवन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नार्थ मन्नास (डाकूमेंट सं० 373/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1980 को

करें पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या **एससे ब**चने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किनी धन या श्रम्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठित्त्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्त्यम वा धनकर श्रीष्ठित्त्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया श्रामा वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं प्रशः, प्रबं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिश्वित स्वक्तियों, प्रवीत:— (1) श्री पारुकुट्टी बी० पिल्लै ग्रीर ग्रवर्स

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रन्निकत श्रठिवी

(श्रन्ताति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:→→

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्वच्हीकर गः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ तीगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

प्रनुतूची

भूमि ग्रौर निर्माण 55, तमिलनाडु रारीया डिफ़्रेन्स सर्विसेज कोग्रापरेटिव हौसिंग कन्स्ट्रक्शन सोसायटी स्कीम, नंदमपाटवम (डाकूमेंट सं० 3731/80)

> श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीखा: 15-5-1981

प्रकप भाई । टी० एन । एस ----

आयकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के यधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जान रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० 11078—शतः, मुझे आर० रविधन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका चित्रत बाजार मूल्य 25,000/- स्पये से भिक्त है

और जिसकी सं० एस० एफ़० सं० 318/80, 320/2 है, जा सिनगतल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिनगनल्लूर (डाकू मेंट मं० 1610/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियय, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूण्यमान प्रतिका के लिए अन्तरित की गई है और मुझें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एचित बाजार पूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्रह प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रस्तरकों) और भ्रन्तरियी (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए, तथापाया गया प्रति-फा निम्तिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण निख्ति में वास्तिबक्त का मे कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्सरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स्त्र) ऐसो किया आप वाकियो धन या अन्य आस्तियौँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर मिसियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, तो बारा 269-ग के अनूसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) इसीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्री लकणमनं और भ्रवरम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० रामचन्द्रन

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रकोहरूदाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्वव्ही करण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है

श्रनु**स्चो**

मूमी एस० एफ० 318/80, 320/2 मिनगनत्लूर सं० 1610/80

> ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज-11, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 मई 1981

निदेश सं० 15703—यतः, मुझे आर० रिवचन्द्रन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 31, मूखाताल स्ट्रीट, वेपेरी है, जो मद्रास-7 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, पुरसवा-खम (डाकुमेंट सं० 1800/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख सितम्बर, 1980 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों सर्थातः --12—116 GI/81 (1) श्री के० स्वामिनातन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० एस० चेल्लदुरै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाधित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- मब्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि भौर निर्माण सं० 31, मूखाताल स्ट्रीट, वेपेरी, मद्रास-7। (डाकुमेंट सं० 1800/80)।

> भार० रिव**चन्द्रन** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनां रू 15 मई, 1981

निर्देश सं० 110006—ग्रतः मुझे ग्रार० गिविष्ट न भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 15/8, सिम्थ नायठू ले० आउट तिरुवेगठम रोड, है, जो कोयम्बटूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूधी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 5193/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर, 1980 को

की पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतर क (अंतर कों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:~

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूविधा के बिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० रंगस्थामी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० बालकृष्नं श्रौर श्रदसं

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्लोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्षी

भूमी भ्रौर निर्माण सं० 15/8, तिरुवेंगठम रोष्ट्र, कोयम्ब- टूर (डाकुर्मेंट सं० 5193/80)।

न्नार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैम रैंज-II, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

मोहर

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

भायकर स्रिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० 1108; -- यतः मुझे, ब्रार० रविचन्द्रन, आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पत्रचाल 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गरा है). की झारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से ग्रधिक है बाजार मृत्य 25,000/-**स्प**ए ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 770, 766 है, जो पोल्लाची में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाची (डाकुमेंट सं० 2597/80) में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर, 190 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्त्रलि जित्र उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के मन्तरक के वायिस्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (श्र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अत्र, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की छपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री एस० राघवेंद्र राव

(भ्रन्तरक)

(2) पोल्लाची को-म्रापरेटिव हाऊसग सोसाइटी (म्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी कर के पूर्वीका सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रे 30 दिन को अविध, वो भी प्रविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाधित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि टी॰ एस सं॰ 770, 766, पोल्लाक्वी (उत्तुमट स॰ 2597/80)।

श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11, मद्रास ।

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्वास

मद्रास, विनांक 15 मई 1981

निवेश सं० 15661—यतः मुझे श्रार० रविचन्त्रन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

स्त्रीर जिसकी सं० 14 फर्स्ट मेन रोड, 111 स्ट्रीट है, जो बाल्लस गारटन, मद्रास में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नार्थ मद्रास (डाकुमेंट सं० 3756/80) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रक्षिक है और पन्तरक (अग्तरकों) और अन्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से जनन अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किया गया है ——

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अग्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के निए।

भ्रतः सदः, उदत अभिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उपत अभिनियम की भ्रारा 269-भ्रकी उपधारा (1) के अभ्रीत, निम्निसिधित स्वितियों, अर्थात :--- (1) श्री कातिजा बीबी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री उम्मुल वहीजा

(भ्रन्तरिपी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सन्वाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सर्कों।

स्वक्की करणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्य होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण सं० 15, फर्स्ट मेन रोड, III स्ट्रीट, वाल्लस गारटन, मद्रास। (डाकुमेंट सं० 3756/80)।

> श्रार० रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्रकप शाई० टी० एन०, एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० 15676—यतः मुझे श्रार० रिव बन्द्रन श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 91 श्रीर 92 है, जो रायपेट्टा है रोड, महास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्यद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मैलापुव (डाकुमेंट सं० 1677/80) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाजार मृष्य से कम के वृश्यभान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह जिल्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलत बाजार मृष्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खेश्य से धक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत धक्त ग्रिक्षि-नियम के श्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ब्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, ग्रंब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के ग्रंधीन निम्नलिखित स्थिक्तयों. प्रचार :--- (1) श्रीमती रानी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सदाकृष्नं भौर भदर्स

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्मत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी खाओन :--

- (क) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यब्द्रीकर ग: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्वों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में विया गया है।

यनुसुची

भूमि भीर निर्माण 91 और 92, रायपेट्टा है रोड मद्रास-5 (डाकुमेंट सं० 1677/80)।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 15 मई, 1981

प्ररूप आहं° टी॰ एन० एस० →

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक सायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 15 मई 1981

निवेश सं० 11007—यतः मुझे श्रार० रिवचन्द्रन आयकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपात्त जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 29/11 है, जो बी० ओ० सी० रोड़ कोयम्बट्टर में स्थित है (और इससे उपाबद में और पूर्ण रूप से बॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्रकारी के कार्यालय, कोयमबट्टर डाकुमेंट सं० 5145/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है'—--

- (का) जन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत उक्त अपि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीद/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए,

अतः अब, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों स्थित्:—

(1) श्री के० सिगारवेलू

(भन्तरक)

(2) श्री बी० फुष्नराज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अविभ या तत्सम्बधी अशेक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत अयिकता में से किसी अयिकत ब्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के वाम निष्ठित में किए जा सकारी।

स्पद्धीरिक्वरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

पनुसूची

भूमि और निर्माण 29/11 बी० सो० सी० स्ट्रीट, भार० एस० पुरम, कोयबट्टर (डामकुंट सं० 4145/80)

> म्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्रकप भाई। टी० एन० एस०-

वायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मदास

मद्रास, दिनांक 15 मई 1981

निदेशक सं० 10963—या मुझे रविचद्रन, नायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार म्ल्य

25,000/-रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 7/163, है, जो सुनी स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयबटूर (डामकुंट सं० 4653/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीध नियम, 1908 (1908 का 16) के अभीत तारीख सिनस्बर, 1980

मधीन तारीख सितम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर अस्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेम्य से उक्त अन्तरण लिखन में नाश्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्राधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी प्राप या किसी घा या प्रत्य प्राक्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या अनफर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिराने में पुरिक्षा के लिए;

ग्रतः, भव, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्-गरण में, मैं, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ाप्तीन, निस्नलिखित स्यक्तियों, ग्रयंति:--- (1) श्रीमती जयलक्ष्मी अम्माल

(ग्रन्सरकः)

(2) श्री म्रार० घोवरदन और म्रदर्श

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जकत सम्पत्ति के ब्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयं होमा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

भूमि और निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 7/163 पार्ट (डाकू ने मेंट सं॰ 4653/80)

श्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I(, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप आइ'० टां० एम० एस० --

(1) श्री दरमलिगम

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 करा 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री घोरवदनं और ग्रदरस

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० 10963—यत:, मुझे श्रार० रिवचन्द्रन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ४69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 7/163 है, जो सुब्री स्ट्रीट, कोयम्बट्टर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर डाकूमेंट सं० 4652/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइं किसी जाय की माबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साउद्या के लिए.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

भूमि और निर्माण सं० टी० एस० सं० 7/163, सुन्नी स्ट्रीट, कोयम्बट्र। (डाक्मेंट सं० 4652/80) ।

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, मद्रास

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

तारीख: 15-5-1981

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बेन्कट वरदन

(भ्रन्तरक)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सचना

(2) वी० बासकरन

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, श्रहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई, 1981

निचेश सं० 15990 - यतः मुझे, आर० रिवचन्द्रम जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 - स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000 / रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5 है, तो बेलु नायरवन स्ट्रीट, मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपावज धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकू-मेंट्स सं० 1472/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपहित के उचित बाजार मून्य से कम के एरमान प्रतिपत्त को निर्देश और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपहित का उचित बाजार मून्य, उसके एरमान प्रतिपत्त से, एसे एरमान प्रतिपत्त का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सूविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों अर्थात्:-13—116 GI/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बष्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया नया हैं।

वन्स्ची

भूमि और निर्माण 5, बेलु नायखन स्ट्रीट, मब्रास-33 डाक् मेंट सं० 1472/80)

ग्रार० रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्भंग रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप आई¹.टी.एन.एस.------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई 1981

निदेश सं०-9111,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1220 है, जो विजया मंठपम न्यू स्ट्रीट राम चावडी, तंजाबूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुच्ची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तंजाबूर (डाकूमेंट सं० 3780/80) ;में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अंदित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में बमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कुमार स्वामी चेट्टीयार

(अन्तरक)

(2) केरव मूरती

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, कै अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि बार निर्माण सं० 1220, विजया मंठपम, न्यू स्ट्रीट, राम बावडी, तंजाबूर (डाक्मेंट सं० 3780/80)

> ग्रार० रविचन्द्रत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 मई 1981

निदेश सं० 9111—यतः, मुझे भार० रविचन्द्रन, भायकर स्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधि हारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से भाधिक है

और जिसकी सं० 1220, विजया मझपम, न्यू स्ट्रीट, राम चावडी है, जो तंजाबूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मिध-कारी के कार्यालय, तंजाबूर (श्वकूमेंट सं० 3781/80/81) में रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य ते हम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि गयापूर्वोक्त संगीत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज देश प्रनारण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण खिखित में वास्तिबक्त से संविक नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी इरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सा) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उस्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसर्व में, में, छक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, गिश्नांलिंब्त व्यक्तियाँ, अविद् :—

- (1) श्री कुमारस्यामी चेट्टियार और कम्पनी (ग्रन्तरक)
- (2) तिलकवती

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारांचा के 45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को उपित्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबझ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है '

अनुसूची

भूमि और निर्माण 1220, विजया मंडपम न्यू स्ट्रीट, राम चावडी, तंजावूर, (डाकूमेंट सं० 3780/80)।

> मार० रिवचन्त्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-11 मद्रास

तारीख: 15-5-1981

प्रकृष आई.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 मई 1981

निवेश सं० 600/दावरी/80-81—यतः मुझे विवेक बनर्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उक्ति बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० कृषि भिम है तथा जो जिजासी में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 9-9-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विष्वास करफे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्री धनीराम, मनीराम देशराज, श्रन्तराज पुत्रगण श्री मन्साराम पुत्र श्री रामशरण निवासी कनवन पो० मोहन नगर, तहसीन दादरी, जिस्स माजिया-बाद।

(मन्तरक)

(2) मैंसर्स देहली माटो एन्ड जनरल फाइनेन्स प्रा० लि० द्वारा श्री राजेण सूरी, ज्वाइन्ट मनेजरिंग डायरेक्टर, निवासी 6 तिलक मार्ग, न्यू देहली। (म्रन्सरिती)

को यह सूचनः जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के धर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 विन की श्रविध , को भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में किंद्र-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोतृस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिन नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, बहो सर्व होगा जो उस सम्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

कृषि भूमि वाले निवासी तहसील दादरी जिला गाजिया-बाद जो 2,33500 ६० में जिसकी उचित बाजारी मूल्य क्रयमुल्य से 15 प्रतिशत से भी श्रिष्ठिक है।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रा**युक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीखा: 25-5-1981

प्रक्रप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26,9-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 25 मई 1981

निदेश सं० 593/म्रर्जन/गाजियाबाद/80-81--म्प्रतः मुझे, विक्रेक बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो श्रनुसूची के अनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीकान, तारीख 30-8-1980

को युर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोन्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विस्निसिस्त व्यक्तियों अर्थातः—— (1) मेसर्स प्रकाण फाइनेन्स प्रा० लि० द्वारा श्री स्वसन्त्र कुमार डाइरेक्टर पुन्न श्री जयप्रकाण निवासी हाता देहली श्राइरन एन्ड स्टील कम्पनी लि०, जी० टी० रोड, गाजियाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) सरदार हरभजन सिंह पुत्र सरदार परमेन्द्र सिंह सरदार जगजीत सिंह पुत्र सरदार हरभजन सिंह व कुमारी जगजीत कौर पुरी सरदार हरभजन सिंह निवासीगण मकान नम्बर 1624 सेक्टर 7 सी, चण्डीगढ़।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

एक बीघा 19 बिस्वा कृषि भूमि खसरा नं० 4974/3 गांव, पसोंदा, परगना लोनी, तहसील व जिला गाजियाबाद जिसका विकय मूल्य 1,47,458 रु० है और जिसका उचित बाजारी मूल्य क्रयम्ल्य से 15 प्रतिशत ग्राधिक से भी ज्यादा है।

बिबेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 25-5-1981

प्ररूप आर्ड्र.टी.एन.एस.-----अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई 1981

भ्रादेश संख्या राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/953—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे जपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख 8-9-1980

को पूर्वो वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इस से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपित्यां को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना भाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- (1) श्री राम धवतार गुक्ता पुक्ष श्री चंदगीलाल गुप्ता मकान नं० 477 चौ० गंगापोल, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रनवर ग्रहमद पुत श्री इफ्तिखार ग्रहमद मुसलमान मकान नं० 936, चौ० गंगापील, जयपुर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन की अविध या तत्स बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

जमु सुची

एक प्लाट वाके श्रामेर रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा श्रम संख्या 2317 दिनांक 8-9-80 पर पंजिबद्ध विश्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० ्ल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

नारीख: 22-5-1981

प्ररूप आहु . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/958—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो श्रजमेर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, श्रजमेर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन, तारीख 12-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से एसे रूथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनानं में स्विभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) सर्वश्री ग्रासनः।म पुत्र डाल्राम, विशनदास पुत्र कल्याणदास एवं खेम चन्द पुत्र रिजुमल कुमार, मोहल्ला श्रजमेर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हेमी बाई पत्नी उद्योमल, लोंगिया, मोहल्ला श्रजमेर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृषाँक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

दो मंजिला भ्रावासीय भकान, कुमार मोहल्ला, देहली गेट के श्रन्दर, भ्रजमेर जो उप पंजियक, श्रजमेर द्वारा **कथां**क 895 दिनांक 12-9-80 पत्न पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्र**र्जन** रेंज, जयपुर

तारीख: 23-5-1981

प्ररूप साई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

श्रायकर प्र**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा**, 269-थ (1) **के ग्रधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्तण)
श्रर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 22 मई 1981

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/592—श्रतः मुझे एम**० ए**ल० चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० ए-2, बी-2 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 3-9-1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धम्लरण से हुई किसी माथ की नावत, उन्त धिक-नियम के अधीन कर हैने के खन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मध्य भारितवों को जिन्हें भारतीय माय-कर मिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रम-कर मिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मध्तनिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृतिद्या के लिए;

अतः धव, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के धनुतरण में, में, उक्त ग्रीधनियम की धारा 269-ण की उपवारा (1) केअधीन, निय्मक्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री हम्पराज बन्साली पृत कृन्दनराज भंगाती जनरल पावर आफ अटानीं होल्डर श्री आर० सी० मेहता पुत्र पी० सी० मेहता, जे-46, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेशचन्द राजवंशी पुक्ष श्री विशस्यरनाथ राजवंशी, 5 क 2 जवाहर नगर, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की क्रारीक से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि, वो भी पवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबक किसी प्रत्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निकात में किए जा मर्केंगे।

स्पन्तो करण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों घीर पदों का, जो उक्त घछि-नियम, के अध्याय 20क में परिमाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो इस सम्बद्ध में दिया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० ए-2, बी-2, एस० एम० एस० हाईबे, एक्स-टेंशन स्कीम, बजाज नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2236 दिनांक 3-9-80 पर पंजियद्व विकय पत्न में श्रीर विस्तृत कृप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर ।

तारीख: 22-5-1981

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ इस॰----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के धर्मीन सूचना

भारत सरकार

अधिनय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)
भार्यन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/956—यतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर प्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छजित बाजार मूख्य 25,000/- र० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 32/72 है, तथा जो भजमेर में स्थित है (भौर इससे उपावद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय भजमेर में, रिजस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, तारीख 22-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पून्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किशा आय की बाबत, उन्त ग्रिशिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (व) ऐसो किसो आप या किसी धन या अन्य अस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंदः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री संग्राम सिंह पुत्र फतेह सिंह एवं श्रीमती ग्रानन्द कंवर पत्नी उदयभान सिंह, श्रीनगर रोड, ग्रजमेर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लीलाराम पुत्र शंकरदास, खारी कुई, धजमेर। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीशा सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के घर्षन के संबंध में कोई भी धार्कींप !--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकातन की तारी व से 45 विन की अविश्व या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविश्व, को भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पव्यक्तिकरणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन् सूची

मकान नं॰ 32/72 श्रीनगर रोड, श्रजमेर का भाग जो उप पंजियक, श्रजमेर द्वारा क्रम संख्या 3832 दिनांक 22-10-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 23-5-1981

मोहर:

14-116GI/81

प्रकप् आहरैं दी एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

भादेश सं० राज०/सहा० भा० भर्जन/957—यतः मुझे, एम० एल० चीहान,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो ग्रजमेर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपागद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, श्रजमेर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-9-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उव्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयकी बाबत, उक्त अभिनियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महुई किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) सर्वेशी मासनदास पुत्र डाल् राम, विसन दास पुत्र कल्याण दास एवं खेम जन्द पुत्र रिजुमलकुमार मोहल्ला श्रजमेर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जयराम दास पुत्र उधोमल, लूगिया, मोहरूला श्रजमेर।

(भ्रन्तरिती)

को यह अपना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 रियन की अविधि का त्रसम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अविधि ना मों भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 2.9 के में परिकारिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

एक दो मंजिला बावासीय मकान जो कुमार मोहल्ला, वेहली गेट के ब्रन्दर, धजमेर में स्थित है और उप पंजियक, ब्रजमेर द्वारा कम संख्या 3408 दिनांक 16-9-80 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से दिवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जसपुर

तारीख: 23-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई 1981

भ्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/959--यतः मन्ने, एम० एल० चौहान,

अग्रिकर अधिनियम', 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 र से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो श्रजमेर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजमेर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीक 16-9-1980

को पूर्वीक्त संपर्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एति किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः मब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्मुलिचित व्यक्तियों, मुध्ति :—

(1) सर्वश्री आसनदास पुत्र डालूराम, विशनदास पुत्र कल्याणदास एवं खेम चन्द पुत्र रिझमल, कुमार मोहल्ला, अजमेर।

(धन्तरक)

(2) श्री चन्देर मरा पुत्र उधोमल, लोंगिया मोहरूला, मजमेर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वों कत् सम्पृत्ति के अर्थन् के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 चिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मरित में हित्बव्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमृतत शब्दों और पर्वों का, जो उचत किंधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, कही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गुरा है।

अनुसूत्री

दो मंजिला, श्रावासीय मकान सम्पत्ति में हिस्सा, कुमार मोहल्ला, देहली गेंट के श्रन्वर, श्रजमेर जो उप पंजियक, श्रजमेर द्वारा क्रम संख्या 3408 दिनांक 16-9-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में श्रीर बिस्तुस रूप से विवरणित है।

> एमं० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 23-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनोक 23 मई 1981

भाषेश सं राज /सहा आ अर्जन / 960 - यतः मुझे, एम० एल० चौहान

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दो मंजिला मकान है, तथा जो अजमेर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय भजमेर में रजिस्ट्री-करण भिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन तारीख 12-9-1980

कां पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उप्रदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-करं अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बुधीन निम्मितिकत स्यक्तियों नुर्थात् :--

(1) सर्वश्री श्रासनवास पुत्र डालू राम, विशनदास पुत्र कल्याण दास एवं खेमचन्द पुत्र रिझमल, कुमार मोहल्ला, भजमेर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उधोमल, लोंगिया मोहल्ला, श्रजमेर । (श्रम्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अुसूची

दो मंजिला धावासीय मकान का भाग, कुमार मोहल्ला, देहुली गेट के भ्रन्दर, भ्रजमेर जो उप पंजियक, भ्रजमेर द्वारा क्रम सं० 3411 दिनांक 12-9-80 पर पंजियद्व विकय पक्ष में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 23-5-1981

मोहरः

प्रक्य आहर्.टी, एन्. एस . ------

आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 23 मई, 1981

भावेश सं० राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/955—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो श्राहोर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राहोर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 26-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूके यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कस्थित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री नीर सिंह (निरीक्षक) खावी ग्रामोद्योग सहकारी समिति, माहोर।
 - (भन्तरक)
- (2) श्री मूल चन्द पुत्र सौवलचन्द, एवं लाल चन्द पुत्र मंगलाजी, श्राहोर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित की अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वृक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला ग्रावासीय मकान, गवर्नमेंट हास्पिटल ग्राहोर के पीछे जो उप पंजियक, ग्राहोर द्वारा कम संख्या 479 दिनांक 26-9-1980 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीष: 23-5-1981

प्ररूप आही. टी. एन. एस. ----

आसकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 22 मई, 1981

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० मर्जन/954—यतः मझे एम० एस० पोहान

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-सः से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाठं हैं तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-9-80 की

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का एने का कारणा है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफाल से, एसे दूरयमान प्रतिफाल का पन्यक्त प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कींच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रति-फाल, निम्निलिखत उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और / माः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिस्ता को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्टिपाने में सुनिक्धा के लिए;

अतः अअ, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारी (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

- (1) श्री एस॰ सी॰ सिंपनी पुत्र श्री सवाई चन्द सिंपनी, डी ~46, सुभाषमार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री मिश्री लाल शाह, बाबूलाल शाह, प्रहलाद राय शाह पुत्रान श्री उमरावप्रसाद जी छगनलाल शाह पुत्र सत्यनारायण शाह, कृष्ण कुमार पुत्र मदनलाल शाह द्वारा प्रहलादराय शाह मुख्तार श्राम 45 ए० ए० एस० घाट रोड, कलकत्ता। (श्रन्तरित)

को यह सूचना जारी कारकें पृथितिक सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारका हुं।

उचतः सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करेहें आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 29-क में परिभावित हूँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्स जी

एक प्लाट जो चितरंजन मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर पर स्थित हैं ग्रीर उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2387 दिनांक 11-9-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० **घौहा**न संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर ।

तारीज: 22-5-1981

प्रकृत सार्देश हो। प्रमृत हस्र । -------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व (1) के स्थीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 29 मई, 1981

म्रादेश सं० राज०/सहा० मा० म्रर्जन/१६६ - यतः मृझे एम० एस० चौहान

आवकर अकिनियम, 1961 (1961 कर 43) (जिसे इसमें इसके पावाल 'ज़नत अधिनियम' कहा गया है, की घारा 260 का के अकीन अभन प्राधिकारी की, बहु विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका अचित कानार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है तथा जो कोटा में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कोटा में, रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधन, तारीख 11-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित गाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवाप्वोंक्त सम्पत्ति का एकित बाजार मूह्य धर्सके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- एल निम्निसिख्त उद्देश्य से उन्तर प्रतरण निश्वित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरन से हुई किय़ा भाग की बाबत कवत अधि-नियम, के समीन कर देने के सम्तरक के वाबित्य में कमी करने या छवसे बचने में बृविका के लिए। सीर/बा
- (कः) ऐसी किसी आग या किसी अन मा अस्य आसितमों क्रो, जिन्हें भारतीय अस्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-भरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-न की उत्तराह्म (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।---- (1) श्रीमती चन्द्रकान्ता पत्नी डा॰ वैशम्पन निवासी गुमानपुरा, कोटा

(जन्तरक)

श्री नरेल्द्र कुमार पुत्र रिशव लाल जी जैन निवासी गुमानपुरा, कोटा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्मक्राह्मियां अभ्यता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के बर्बंघ में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के हैं। 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जी भी धवधि बाव में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका है 46 दिन के भीतर उनत स्थावद संपत्ति में द्वित-बद किसी बन्य श्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के प्राप्त विवित्त में किए जा सकेंग्रे।

स्पत्नीकरण।—इसमें प्रयुक्त जन्मों भीर पदों का, जो उपत अधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुतुची

पी० एन्ड टी० श्राफिस के पीछे, कोटा में स्थित श्रावा-सीम मकान में श्राधा भाग जो उप पंजियक, कोटा द्वारा क्रम संख्या 41 दिनांक 11-9-1980 पर पंजिबद्ध विकय-पक्ष में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 29-5-1981

पक्प भाई व टी० एन० एस०-

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

जयपुर, विनांक 29 मई, 1981

श्रादेश सं० रा०/सहा० श्रा० श्रर्जन/965—यतः मुझे एम० एल० चौहान

स्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृक्य 25,090/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो कोटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोटा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, तारीख 11-9-1980 को

अधीन, तारीख 11-9-1980 को को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृद्यमान प्रति-फल को लिए अन्तरित की मई है और मुझे यह विश्वास करने का कारन है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृद्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृद्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बासा-विक स्वय से क्थार नहीं किया बया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उबत अधि-नियम के सबीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; भौर/या
- 'ख) ऐसी किमी माय या किमी धन या जन्य मास्तियों की, जिम्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गयाया या किया जाना नाहिए या जिगाने में मुनिधा के लिए ;

अतः अव, उक्त प्रश्नितियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधितियम की घारा 269-च की उपधादा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती चन्त्रकान्ता पत्नी डा० विशम्पन निवासी गुमानपुरा, कोटा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गंगाधर मित्तल पुत्र श्री गुलाब चन्द द्वारा कोटा सेन्ट्स कोग्रापरेटिव बैंक, लिमिटेड, कोटा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रर्जन के जिए कायशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्माध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी धर्माध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य स्थक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्प्रसीकरण :-- इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पद्यों का, जो उनत अक्षितियम के सब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस सम्यास में विया गया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो डाक तार कार्यालय के पीछे, एम० बी० एस० होस्पिटल के सामने कोटा में स्थित है और उप-पंजियक, कोटा द्वारा ऋम संख्या 57 दिनाक 18-9-80 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 29-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजेंन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 29 मई 1981

श्रादेश सं० राज०/महा० ग्रा० श्रर्जन/968—यतः मुझे, एम० एल० चौहान

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. संअधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो बारों में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित-है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय वारों में, रजिस्ट्री-करण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 16-10-1980

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुक किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--15—116GI/81 (1) श्री शूरवीर सिंह, छत्नवीर सिंह, सुशील कुमार, एवं वृन्दा कुमारी पुत्र/पुक्षी श्री रघुनाथ सिंह, कोयला हाउस, धानमंडी, कोटा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा पत्नी महेश चन्द्र एवं भारद्वाज पुत्र एम० सी० भारद्वाज निवासी बाराँ। (श्रन्तरिसी)

को यह सम्बना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविकत्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी अविकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंश किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्यी

स्टेशन रोड, बाराँ पर स्थित मकान सम्पत्ति जो उप पंजियक, बाराँ द्वारा क्रम संख्या 2 दिनांक 16-10-80 पर पंजियद्ध विकथ पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 29-5-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 मई, 1981

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/967--यतः मुझे एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो बारों में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रर ग्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बारों में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-10-1980

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितियोंत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अस्मोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा का किया अस्ति। चाहिए था, छिपाने में सुविधा में सुविधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसुरुष्ट में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री शूरवीर सिंह, छत्नवीर सिंह, सुशील कुमार एवं वृत्वा कुमारी पुत्र पुत्रियां श्री रघुनाथ सिंह, कोयला हाउस, धानमंडी, कोटा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्ररविन्द कुमार भारद्वाज पुत्न एम० सी० भारद्वाज, एडवोकेट, निवासी बारों।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृत्रों कत सम्पृत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीलर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सको ने।

स्यख्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान सम्पश्चि जो स्टेशन होक हारहें में स्थित है और उप पंजियक, बारों हररा कम संख्या 3 दिलाक 16-10-80 पर पंजियक विकय पन्न में और चिस्तृत रूप से विवरणित है।

> एस० एस० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, जयपुर ।

तारीख: 29-5-1981

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

भायकंर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 29 मई, 1981

मावेश सं० राज०/सहा० मा० मर्जन/१६१ - यतः मुझे एम० एल० चौहान

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमें कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा बारों में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय बारों में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन, तारीख 16-10-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर्ण से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीनः गिम्नेलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

- (1) श्री शूरवीर मिंह, छत्रवीर सिंह, सुप्तील कुमार एवं कुमारी वृत्दा पुत्र एवं पुत्री स्व० श्री रघुनाथ सिंह, कोयला हाउस, धानमंडी, कोटा। (ग्रन्तरिती)
- (2) श्री महेम चन्द्र ऐडवोकेट, पुत्र राम देवजी निवासी वारों। (ग्रन्सरिती)

को यह स्चाना जारी करके पृत्रींक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यियां करता हु—ं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-अन्य व्यक्ति ब्लारा, अधोहस्ताक्षरी के पांस लिक्ति में किएं जा संकेंगी।

स्पंध्योकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पेरिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति जो स्टेशन रोड, बारों में स्थित है ग्रीर उप पंजियक, बारों द्वारा रिजस्ट्रेशन नं० 1 दिनांक 16-10-1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणिस है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 29-5-1981

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 14th May 1981

No. A. 32013/3/80-Admn. I—In continuation of Union Public Service Commission's Notification No. A. 32013/3/80-Admn. I dated 10-2-81, the President is pleased to appoint the following officers, included in the select List of CSS officers for the year 1980, for appointment to Grade I thereof, to officiate as Under Secretaries, on a Short term basis for the period shown against each, in the office of the Union Public Service Commission in terms of the Ministry of Home Affairs, Deptt. of Personnel & ARs OM No. F. 4/11/81-CS(I) dated 25-4-81:—

S. No	Name		S.No. in the Select List	Pe	eriod
	S/Shri				
1.	J.S. Sawhney		9	w.e.f.	29-3-81 to
					28-6-81
2.	M. P. Jain		84		Do.
3.	A. Gopalakrishr	an	85		Do.
4.	N.K. Soni		86	w.c.f.	14-1-81 to
					13-4-81 and
				again	from
				14-4-81	to 28-6-81
5.	G.P. Saxena	,	94		Do.

H.C. JATAV, Joint Secretary (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL

New Delhi-19, the 28th May 1981

No. E-38013(4)//851-PERS.—On his promotion, Shri Pushkar Singh assumed the charge of the post of Asstt: Commandant, CISF Unit, HEC Ranchi with effect from the forenoon of 7th April '81.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On transfer from Mathura, Shri B. S. Rana assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, SSTPP Singrauli with effect from the forenoon of 31st March 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On transfer from Calcutta, Shri Shyamal Roy assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the forenoon of 4th April 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion Shri Vasudevan Nair assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, A. S. P. Durgapur with effect from the forenoon of 6th April 81.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On promotion Shri R. P. Singh assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, F. B. P. Farakka with effect from the forenoon of 4th April, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-PERS.—On transfer from Hardwar Shri Inder Mohan assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, HIL, Rasayani with effect from the forenoon of 6th April, 1981.

PARKASH SINGH Asstt. Inspetcor-General (Personnel)

DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th May 1981

No. A/22013/3/81/Ad. V—In continuation of this office Notification No. A/22013/3/81/Ad. V dated 12-2-1981, the

Director/CBI and Inspector General of Police/SPE is pleased to regularise the adhoc promotion of the following Dy. Super-intendents of Police from the date mentioned against each until further orders:—

S. Name of the Off No.	ficer		Branch to which posted	Date from which promotion regularised	
S/Shri					
1. S.P. Bishnoi			Coordination	2-3-80	
2. K.B. Singh			S.I.C.	1-5-80	
3. S. Kumar			COW/Calcutta	31- 5- 80	
M.N. Mathur		,	Special Unit	1-8-80	
5. R. S. Prasad			S.I.C.	2-8-80	
6. Yaday Chander			Special Unit	2-8-80	

No. A-22013/3/81/Ad. V.—The/Director CB1 and Inspector General of Police/SPE, hereby grants Proforma promotion to Shri M. M. Rai, Inspector of Police in CB1, who is at present on deputation to the Govt. of Sikkim, to the rank of Dy. Superintendent of Police in Delhi Special Police Establishment of the CBI w.e.f. 1-5-1980, on regular basis, until further orders.

The 29th May 1981

No. A-19036/181-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Ranjit Kumar Ghosh, a deputationist Dy. Supdt. of Police of Assam Police as Dy. Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 11-5-1981 until further orders.

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 28th May 1981

No.11/20/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, Shri G. Basavanna, an officer belonging to the Karnataka Statistical Service, as Assistant Director of Census Operations, Karnataka, Bungalore, on ad-hoc basis, with effect from the afternoon of the 4th May, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter

2. The headquarters of Shii Baswanna will be at Bangalore.

P. PADMANABHA, Registrar Gnl, India

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivaadrum, the 21st May 1981

No. Estt./A/VII/9-86/Vol.II/57.—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri, M. J. Philip, Section officer (Audit & Accountants) to officiate as Accounts officer with effect from 6th May 1981 F.N. until further orders.

D. SIVARAMAKRISHNAN, Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

ORISSA: BHUBANESWAR

Bhubaneswar, the 16th April 1981

E.O. No. 10.—The Accountant General is pleased to appoint the following Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers in the scale of Rs. \$40-40-1000-EB-40-

1200/- from the dates noted against each until further orders.

The promotion is on adhoc basis and subject to the decision of the supreme court on the cases subjudiced in the courts.

- 1. Sri Biswanath Khan, S.C. -6-4-81
- 2. Sri S. C. Sarkar, S.C. -1-4-81

Sd./ ANUPAM KULSHRESHTHA, Deputy Accountant General (Admn.)

Memo No. Admn. IAD-1-B-189 Copy to C.A.G. of India, New Delhi for information.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER
OF IMPORTS AND EXPORTS
New Delhi, the 23rd May 1981
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1272/73-Admn.(G)/3104.—On attaining the age of superannuation Shri R. K. Sharma, a permanent Grade IV

officer of CSS and officiating Controller of Imports and Exports in this office, has been permitted to retire from Government service on the afternoon of the 30th April, 1981.

A. N. KAUL,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports For Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 28th May 1981

No. Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri K. K. Banerjee, Administrative Officer, Group 'B' as Executive Officer Group 'A' (Gazetted) in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- on an adhoc officiating capacity in this office w.e.f. 1-6-81(F/N) to 31-8-81(A/N), or till the post is filled on regular basis which is earlier.

D. K. GOSWAMI, Administrative Officer For Jute Commissioner.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 27th May 1981

No. A-31013/2/78-A.6.—The President is pleased to decide that the dates of confirmation in the grade of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Engineering) in the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service Group 'A' of the following officers are ante-dated as follows:—

Si. No					_		Present post held	Date from which already confirmed as ADI/ IO(E)	Revised late from which now confirmed as ADI/IO(E)	Remarks
	S/Shii P. L. Kapur	•	•		•		Retired	23-12-69	14-12-69	Adjusted against supernumerary post created vide Deptt. of Supply letter No. A-31019/ 2/72-ESII dt 10-4-81
2.	S.C. Kapoor	•	•	•	•		Director of Inspection	23-12-69	14-12-69	Do.
3.	G.S. Savkar					-	Retired	23-12-69	14-12-69	Do.
4.	B.S. Bakshi						Retired	23-12-69	14-12-69	Do.
5.	G. Balakrishnan		•	•	•		Director of Inspection	23-12-69	14-12-69	Do.
6.	S.B. Dutta						Retired	23-12-69	14-12-69	Do.
7.	R.S. Arora	•	•	•	•	•	Dy. Director of Inspection	23-12-69	14-12-69	Do.
8.	R.N. Dhingra						Retired	23-12-69	14-12-69	Do.
9.	H. L. Ghosh						Expired	23-12-69	14-12-69	Do.
10.	M.B. Pratha						Retired	23-12-69	14-12-69	Do.
11.	A.N. Chatterjee						Retired	1-6-70	14-12-69	Do.
12.	K. L. Garg	•	•	•	•	٠	Dy. Director of Inspection	23-10-70	14-12-69	Do.
	S. Raghunathan						Absorbed in BHEL	10-12-70	14-12 - 69	Do.
14.	S. Subbiah	•	•	•		•	Dy. Director of Inspection	17-1 - 71	14-12-69	Do.
	R.C. Gupta						Do.	10-7-71	14-12-69	Do.
	R.V. Narayanan				-		Do.	12-11-71	14-12-69	Do.
	G.R. Bhatia	٠					Retired	12-11-71	14-12-69	Do.
18	G. Ramdas	•	•	•	•	•	Dy. Director	12-11-71	15-12-69 (AN)	Adjusted against supernumerary post created vide Deptt. of Supply letter No. A-31019 /2/72-ESII dated 31-3-78

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 29th May 1981

No. A.19012(115)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Dr. J. C. Agrawal, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the afternoon of 30th April, 1981.

No. A,19012(140)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri K. G. Ingale, A.R.O.(OD) to the post of A.O.D.O., in Indian Bureau of Mines, in the officiating capacity with effect from the afternoon of 30th April,

No. A.19012(141)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, The President is pleased to appoint Shri A.S.S. Haragopal, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the Post of Assistant Orc Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in the officiating capacity with effect from the afternoon of 30th April, 1981.

A. R. KASHAV, Head of Office,

SURVEY OF INDIA

Dehradun, the 26th May 1981

No. E1-5721/881-Officers.—In continuation of this office Notification No. E1-5707/881-Officers dated the 24th March, 1981, Dr. (Mrs.) Sunceta Nandwani, M.B.B.S. is re-appointed as Medical Officer in Group 'B' Service in the Geodetic & Research Branch Dispensary, Survey of India, Dehra Dun @ Rs. 650/- p.m. in the pay scale of Rs. 650-1200 with effect from 7-5-1981 for a maximum period of 6 months (with one day's break in service after every spell of 90 days) of for such a region when a regular doctor is posted in the or for such a period when a regular doctor is posted in the said Dispensary whichever is earlier.

(Authority: Ministry of Health & Family Welfare letter No. A-12026/7/81-CHS.I, dated the 8th May, 1981)

K. L. KHOSLA, Lt. General Surveyor General

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 27th May 1981

No. 14/4/81-M(T).—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules 1959. I, Jagatpati Joshi, Director (Explorations), Archaeological Survey of India hereby direct that no fee shall be charged for entry into Tajmahal. Agra on the following days on account of celebrations of annual 'URS' of Emperor Shahjahan:—

- (1) 30-5-81 from 4.00 p.m. to 2.A.M.
- (2) 31-5-81 from 2.00 p.m. to 5.00 A.M. (30/31st night)
- (3) 1-6-81 from 6.00 a.m. to 5.00 a.m. (31st/1st night)

JAGATPATI JOSHI, Director (Explorations)

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING

ORGANISATION Calcutta-700019, the 26th May 1981

No. 35-2/80/Estt.—The following Officers, officiating in the post of Junior Technical Officer on ad-hoc basis,

promoted in the same post in the National Atlas and The matic Mapping Organisation as per recommendation of the Departmental Promotion Committee with effect from 23.5-1981, until further orders:

- 1. Shri A. K. Bose 2. Shri S. N. Shenoy
- 3. Shri M. P. Kala 4. Shri Lalta Ram
- 5. Shri Pattu Ram
- 6. Shri S. Hessa

S. P. DASGUPTA, Director

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 27th May 1981

No. A-12026/4/81-Fst.1.—The Chief Producer Films Division has appointed Shri K. S. Nayer, Permanent Superintendent in the Films Division, Bombay to officiate as Assistant Administrative Officer, Films Division. Bombay with effect from the forenoon of 19th May, 1981 to 10th July 1981 vice Shri V. R. Peswani, Asst. Administrative Officer granted leave.

> N. N. SHARMA, Administrative Officer for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 28th May 1981

No. 10/9/80-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Radhey Shyam Sharm as Assistant Engineer at High Power Transmitter, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 21-4-1981 (F.N.) until further orders.

> H. N. BISWAS, Deputy Director of Administration, for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhl, the 24th April 1981

No. A. 12025 17/79-Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. Mohan Raju to the post of Lecturer in Psychology at Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi with effect from the forenoon of 17th March, 1981 in a temporary capacity and until further orders.

17. No. A. 12025/23/79/NMEP/Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Srivastav to the post of Assistant Director (Ent.) at National Malaria Eradication Programme, with effect from the forenoon of 9th September 1980 on a temporary basis and until further orders.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 28th May 1981

ORDER

Ref. NFC/PA. V/2606/2397/1087.—WHEREAS Shri Ch. Sanjeeva Rao, Helper A. MFP, NFC has been found to be in the habit of frequently remaining absent from duty without prior intimation/sanction of leave and causing inconvenience to the maintenance work in the plants;

AND WHEREAS the said Shri Sanjeeva Rao has been remaining absent from duty unauthorisedly (without prior sanction of leave) from 7-12-80 onwards;

AND WHEREAS the said Shri Sanjeeva Rao by his aforesaid action committed an act of misconduct in terms of para 39(5) of NFC Standnig Orders and in contravention

to Rule 3(1)(ii) and 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964:

AND WHEREAS the said Shri Sanjeeva Reo was informed of the charge and action proposed to be taken against him, vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/460 dt. 25-2-81;

AND WHEREAS the charge sheet dated 25-2-81 sent by Registered Post A.D. to his local address viz. H. No. 430/2. Lalaguda, Secunderabad-500 017 was returned undelivered by postal authorities with the remark "Party left R/S";

AND WHEREAS the charge sheet dated 25-2-81 sent by Registered Post A.D. to his permanent address viz. S/o Laxman Rao, Peddapur Village, P.O. Veldurthi, Medak Dt. was also returned undelivered by postal authorities with the remark "Party Ab. 7 days Rtd to sender";

AND WHEREAS the said Shri Sanjeeva Rao continued to remain absent from duty unauthorisedly without keeping NFC informed of his whereabouts:

AND WHFREAS the said Shri Sanjeeva Rao had been guilty of voluntarily abandoning his service;

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping NFC informed of his present whereabouts, the undersigned was satisfied that it was not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of NFC Standing Orders/Rule 14 of CCS (CC&A) Rules, 1965;

AND WHEREAS the undersigned came to the provisional conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Sanjeeva Rao;

AND WHEREAS the said Shri Sanjeeva Rao was informed of the provisional conclusion vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/2397/949 dt. 29-4-81 and was given an opportunity of making his representation against the penalty proposed within 10 days from the date of receipt of the memorandum by him;

AND WHEREAS the said memorandum dt. 29-4-81 sent to him by Registered Post A.D. to his local address viz. H. No. 430/2, Lalaguda, Sccunderabad-500 017 was returned undelivered by postal authorities with the remark "Party not found complete seven days hence R/S";

AND WHEREAS the said memorandum dt. 29-4-81 sent to him by Registered Post A.D. to his permanent address viz. S/o Laxman Rao, Peddapur Village, P.O. Veldurthi, Medak Dt. was also returned undelivered by postal authorities with the remark "Addressee not found hence returned to sender";

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case, holds the charge as proved and has come to the final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Sanjeeva Rao.

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAF. Order No. 22(1)/68-Adm. II dated 7-7-79, hereby removes the said Shri Ch. Sanjeeva Rao from service with immediate effect.

U. VASUDEVA RAO Administrative Officer

Shri Ch. Sanjeeva Rao S/o. Laxman Rao Peddapur Village PO: Veldurthi Medak Dt. Ch. Sangeeva Rao H. No. 430/2, Lalaguda Secunderabad-500 017

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 28th May 1981

No. AMD-1/32/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. Mudhusudanan Pillai, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of May 19, 1981 until further orders.

No. AMD-4(15)/80-Rectt.—Director, Atomic Division, Department of Atomic Energy hereby Shri Maden Lal, permanent Draftsman 'C' as Scientific Officer SB in the same Division in an officiating with effect from the forenoon of February 1. 1981 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS Bombay-400 008, the 29th May 1981

Ref. 05052/81/Feb/4262.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Surendra Kumar Jain, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

Ref 05052/81/Fcb/4261.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shrl Vidya Shanker Pandey, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Kota) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forengon of February 1, 1981 until further orders.

R. C. KOTIANKAR Administrative Officer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY

AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Hindusta: Cold Storage & Industries Company Private Limited

Kanpur, the 19th May 1981

No. 7821/1197-LC.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Hindustan Cold Storage & Industries Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

V. P. KAPOOR Registrar of Companies, U.P., Kanpur

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES ANDHRA PRADESH.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Universal Excels Batteries Pvs. Ltd.

Hyderabad, the 26th May 1981

No. 1550/TA, II/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Universal Excels Batteries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX New Delhi, the 21st May, 1981

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/I/81-82/4084—In supersession of all earlier orders and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the IACs whose present designation is secified in column

2 of the table below shall be redesignated as specified in column (3) of the said table:

TABLE

S. Pres	sent designation of IACs	New Designation of the IACs		
1	2	3		
1. IAC	. Range-I-A.	IAC, Coy. Range-I		
2. IAC	C. Range-I-D.	IAC, Coy. Range-II		
3. IAC	. Range-II-B.	IAC. Range-I (1)		

This order shall take effect from 1-6-1981.

No. JUR-DLI/II/81-82/4210—In supersession of all earlier orders and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax act. 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in his behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi, hereby directs that the IAC whose present designation is specified in column 2 of the table below shall be redesignated as specified in column (3) of the said table.

S. P No.		New Designation of the IACs		
1	2	3		
1. I.	AC, Range-II-A.	IAC. Coy. Range-11I		

1 2	3
2. IAC. Range-II-D.	IAC (Contractor's) Range
3. IAC. Range-IV-E	IAC. Range-II (1)

This order shall take effect from 1-5-81.

N.S. RAGHAVAN, Commissioner of Income-tax. Delhi-II, New Delhi.

New Delhi, the 22nd May 1981

No. JUR-DLI/VI/81-82/4346.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1)(a) of section 125 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) C.I.T., Delhi-VI, hereby directs that the powers conferred on the Income-tax Officers of Range-VI-B under the Income-tax Act, 1961, in respect of the following Class of cases will be exercised by the IAC, Range-VI-B. New Delhi.

- (A) President of India, Vice President of India, Prime Minister, Cabinet Ministries, Deputy Ministries, Minister of State.
- (B) All judges of Supreme Court and High Court.
- (C) Cabinet Secretary, Chairman and members of the Railway Board, Chairman of the P&T Board, Lt. Governor of Delhi, Chief of Air Staff and all Secretaries to the Govt. of India.

This notification shall take effect from 1st June, 1981.

D. N. CHAUDHRI Commissioner of Income-tax, Delhi-VI, New Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 22nd April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/32.—Whereas I, ANAND SINGH IR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. One kothi situated at Basant Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Rajinder Singh Hiras s/o Shri Gurbachan Singh r/o 310/East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Savita Mehra w/o Darshan Kumar Vijay Kumar and Shri Suresh Kumar ss/o Shri Darshan Kumar, r/o Katra Sufaid, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person (s)whom the undersiged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi No. 188 (area 633 33 sq. yds.) situated in Basant Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1802/I dated 8-9-1980 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 22-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/33,—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One Plot situated at Jawahar Nagar, Tung Pain, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in reapect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Ramesh Chander S/o Shri Bindra Ban Dass Gupta and Shri Mahanbir Parshad s/o Shri Datt Parkash r/o Jawahar Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari w/o Shri Prem Kumar Sharma and Vijay Kumar s/o Shri Prem Kumar Sharma, r/o Basant Avenue, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPDANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 83 measuring 228 02 sq. mts. situated in area Tung Pain sub-urban as mentioned in sale deed No. 4949 dated 1-9-1980 of the registering authority, Amritsar Tehsil.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 1-5-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/34.---Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Kothi situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nand Kishore
s/o Shri Kesho Ram,
r/o Majith Mandi,
Amritar
now 4272, Gall Bharo
Nai Sarak, Delhi
through Mukhtare-am Shri Badri Nath.

(Transferor)

(2) Shri Kishore Chand s/o Shri Panna Lal, r/o 30-Green Avenue, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in kothi No. 30, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1791 dated 8-9-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 28-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/35.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Kothi situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Nand Kishore s/o Shri Kesho Ram, r/o Majith Mandi, Amritsar now 4272, Gali Bharo, Nai Sarak, Delhi, through Shri Badri Nath Mukhtar amm r/o 1063, Circular Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Panna Lal s/o Shri Bihari Lal and Smt. Sandooran Rani w/o Shri Panna Lal, r/o 30-Green Avenue, Amritsar.

(Transferec)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3 share in kothi No. 30, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1881 dated 16-9-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acculsition Range, Amritsar.

Date: 28-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSZR

Amritsar, the 10th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81 82/36.--Whereas I, ANAND SINGHIRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot in Joshi Colony situated at Amritsat tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Amritsar in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) Shri Durgiana Committee Amritsar through Shri Ram Lubhaya, Secretary.

(Transferor)

Shri Anil Mehra
 s/o S. Sardari Lal,
 r/o Katra Bhai Sant Singh
 Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 1324 situated in Joshi Colony, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2301/I dated 27-10-80 of the Registering Authority. Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Asistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/37.-- Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. One plot of land situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shiv Kumar, Shri Om Parkash, Shri Vijay Kumar, Shri Sat Pal as/o Shri Sardari Lal, r/o Circular Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar s/o Kidar Nath r/o Patel Chowk, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 - (Persons in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot (area 410 sq. mtrs.) situated in Khanna street Duni Chand Road, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1828/dated 10-9-1980 of the registering Authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-4-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th April 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/38.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Josh Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Durgiana Committee Amritsar through Shri Ram Lubhaya, General Secretary.

(Transferor)

(2) Shri Jang Ram s/o Mohan Lal r/o Green Avenue, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the unders gned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land khasra No. 1324 situated in Joshi Colony Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2303/I dated 27-01-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Amritsar.

Date: 10-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/39.---Whereas I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One house in chowk Passian situated at Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kidar Nath s/o Mula Ram r/o Kucha Bhagwan Niwas Chowk Passian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Madan Mohan s/o Bhagwan Dass Khuh Kaurian, Gali Kurishan, Amritsar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in house No. 946/XI-7MCA situated in Kucha Bhagwan Niwas, Chowk Passian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2001/Idated 29-9-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Comm ssioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dato: 15-5-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/40.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house in Chowk Passian situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at S.R. Amritsar in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—116GI/81

(1) Shri Kidar Nath s/o Mela Ram r/o Kucha Bhagwan Niwas Chowk Passian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Meena Rani w/o Madan Mohan r/o Khuh Kaurian, Gali Kurlshan, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

(Person(s) in occupation of the propertys

(4) Any other.

(Person(s) whom the undersigened knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in house No. 946/XI-/M.C.A. situated in Kucha Bhagwan Niwas, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2630/I dated 28-11-1980 of the registering authority, Amritsar

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 10-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th April, 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/41.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. One plot of land in Joshl Colony situated at Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908). in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Shree Durgiana Committee Amritsar through Shri Ram Lubhaya, General Secretary. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Hira Lal Anand s/o Shri Ram Lubhaya r/o Katra Bagh Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land Khasra No. 1324 situated in Joshi Colony Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 2302/I dated 27-10-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 10-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/42.—Whereas I, ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinæfter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Vacant Plot of land situated at outside Gate Bhagtanwala, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbhajan Singh s/o Shri Bhagwan Singh, r/o Village Rasulpur Kalan, District Amritsar.

(Transferor

(2) S/Shri Tej Bhan, Om Parkash, Ashok Kumar ss/o Labhu Ram, r/o Katra Karam Singh, Amritsar and

59 Ram Lal and
Durga Dass,
Darshan Kumar
ss/o Shrl Ram Lal,
r/o Katra Karam Singh,
Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated outside gate Bhagtan Wala, Amritsar as mentioned in the sale deed No 2010, dated September, 1980 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRSCompetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 4-5-1981

Scal:

Form I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/43.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Agricultural land in village Dauwal situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Garib
s/o Shri Jagat Ram
r/o Bhatlan
through Shri Gopal Singh
Mukhtar amm
r/o Villago Dauwal.

(Transferor)

(2) Smt. Harabans Kaur w/o Shrl Gopal Singh s/o Shri Devi Ditta r/o Dauwal.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other,

(Person(s) whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 72 Kanals situated in village Dauwal, as mentioned in the sale deed No. 4069 dated 9-9-80 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/44.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land at Village Kang situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in gursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bishan Singh s/o Bhola Singh r/o Villago Dadwan, Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) S/Shrl Amarjit Singh, Ranjit Singh, Harjinder Singh ss/o Piara Singh etc. r/o Village Dadwan, P. O. Dhariwal, Teh, Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.

 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 21 Kanals 4 Marlas situated at Village Kang, as mentioned in the sale deed No. 4183 dated 10-9-80 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-5-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/45.--Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. Agricultural land measuring 94 kanal 4 Marlas situated at Village Bhalojala, Sub-Tehsil Khadoor Sahib

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khadoor Sahib on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Lakhwinder Singh s/o Teja Singh s/o Shri Jawala Singh, r/o Bhalojala, Sub-Tehsil Khadoor Sahib, District Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Sawaran Singh, Dewan Singh, Fauja Singh. Gurdeep Singh, Paramjit Singh ss/o Bhajan Singh

> s/ Lal Singh r/o Village Bhalojala, Sub-Teh. Khadcor Sahit, District Amritsar.

> > (Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.(Person(s) in occupation of the property
- (4) Any other.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 94 Kanals 4 Marlas situated in village Bhalojala, Sub-Tehsil Khadoor Sahib, as mentioned in the sale deed No. 1095 dated 1-9-1980 of the registering authority, Khadoor Sahib.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/46.—Whereas, I, ANAND SINGH, RS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. One plot of land situated at o/s Chatiwind Gate, Taran Taran Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Shri Daulat Ram s/o Shri Hem Raj, r/o Bazar Kanak Mandi, Amritsar.

(Transferor)

 M/s. United Oil & Silicate Industries, Taran Taran Road
 Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20/100 share of plot Khasra No. 2327/1057—1068-1058 & 2328/1067 min situated outside Chatiwind Gate, Taran Taran Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1778 dated 5-9-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amiritsar.

Date: 12-5-1181

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 12th May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/47.—Whereas, I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Mallian

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bansa alias Harbans Singh s/o Narain Singh r/o Village Malian, District Amritsar.

(Transferor)

 S/Shri Darshan Singh etc., ss/o Sohan Singh r/o Village Mallian.

(Transferce)

- (3) As at Srl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 41 Kanals 8 Marlas (Nehri) situated in Village Malian, District Amritsar as mentioned in the sale deed No. 5441 dated 23-9-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/48.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One plot of land situated at Race Course Road, Tung Bala Sub-U. ban, Amritsar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amritsar in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
18—116GI/81

(1) Shri Vijay Kumar s/o Shri Sardarl Lal r/o Batala through Shri Ram Sarup s/o Shri Lalıt Chand, r/o Batala.

(Transferor)

 Smt. Jaswant Kaur w/o Shri Jit Singh, r/o Sarwarpura, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underesigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 117 measuring 456 sq. yds. situated on Race Course Road, Tung Bala Sub-Urban, Amritsar is mentioned in the sale deed No. 1867 dated 12-9-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar-

Date: 12-5-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th May 1981

Ref. No. Amritsar/81-82/49 - Whereas, 1, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. Agricultural land 18 Kanal, 4 Marlas situated at Village
Sohal Thathi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Taran Taran on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dayal Singh s/o Shri Charan Singh r/o Village Sohal Thathi, District Amritsar.

(Trasteror)

(2) S/Shri Chain Singh,
Charan Singh
ss/o Shri Tara Singh (1/2)
S/Shri Nirmal Singh Balkar Singh
ss/o Shri Tara Singh (1/2)
r/o Village Sohal Thathi,
Sub-Tehsil Chabal Kalan,
District Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf & tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 Kanal 4 Marlas situated at village Sohal Thathi as mentioned in the sale deed No. 3129 dated 1-9-80 of the registering authority, Taran Taran.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th May 1981

Ref. No. ASR/81-82/50.--Whereas, I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196† (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land 18 Kanals 4 Marlas situated at Village Sohal Thathi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Taran Taran on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Dayal Singh s/o Shri Chanan Singh r/o Sohal Thathi, Sub-Tehsil Chabal Kalan, District Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Tarlok Singh, Santokh Singh ss/o Shri Mota Singh (1/2) Shrl Ajaib Singh s/o Jawala Singh (1/2), r/o Village Sohal Thathi, Sub-Tehsil Chabal Kalan, District Amritaar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 Kanals-4 Marlas situated at village Sohal Thathi as mentioned in the sale deed No. 3130 dated 1-9-1980 of the registering authority, Taran Taran.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 12-5-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th May 1981

Ref. No. ASR/81-82/51. Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. One plot of land situated at near Temperance Hall, Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Charan Dass s/o Kirpa Ram, near Ram Lila Ground, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Sham Lal s/o Shri Lekh Raj Sharma, near Temperance Hall, Pathankot.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenent(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 15 marlas situated behind Temperance Hall, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 1898 dated 24-9-1980 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 14-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhlana, the 19th May 1981

Re. No. CHD/226/80-81.-- Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 3228 situated at Sector 15D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed heroto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. R. S. Grewal S/o Shri Inder Singh Grewal, R/o B-5-138, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Kumarl Kanta D/o Shri Gurcharan Singh S/o Shri Avtar Singh. Dr. Avtar Singh, S/o S. Sohan Singh, both residents of House No. 711, Sector 7-B, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri R. K. Chopra of State Bank of India, R/o House No. 3228, Sector 15-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3228, Sector 15-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 1319 of September, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-5-1981 { cal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May 1981

Ref. No. PTA/71/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 14 B, 8 biswas situated : t Kheri Gujjran Teh. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesall exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 \$hri Amardeep Singh S/o Shri Harcharan Singh, R/o Stadium Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Raghbir Singh S/o Shri Jagjit Singh R/o Kothi Col. Sewa Singh, Opp. New Moti Bagh, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serious of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 8 biswas at Kheri Gujira, Teh. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 4587 of September, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May, 1981

Ref. No. Patiala/67/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. House Property bearing No. 67/3, situated at Anaj Mandi, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair thanket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jodh Singh Chadha
 S/o Shri Karam Singh Chadha,
 Motor Parade Ground,
 Jammu Tawi.

(Transferor)

 Shri Baldev Singh S/o Shri Kahan Singh, R/o Anaj Mandi, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 67/3, Anal Mandi, Patiala (The property as mentioned in the sale deed No. 4478 of September, 1980 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-5-1981

Scar

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May, 1981

Ref. No. Amloh/74/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 1 bigha situated at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Amloh in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Durga Iron Factory, Mandi Gobindgath through Shri Narain Dass, Proprietor.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Malhotra W/o Shri Murari Lal, Smt. Sarita Malhotra W/o Shri Madan Lal and Smt. Veeran Mati W/o Shri Vir Bhan, R/o Ward No. 11, Mandi Gobindgarh, District Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per sons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sake Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring one bigha at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, (Patiala) (The property as mentioned in the sale deed No. 1233 of September, 1980 of the Registering Authority, Amloh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA. Ludhiana, the 19th May 1981

Ref. No Ludhiana/199/80-81.—Whereas I. SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No Plot measuring 300 Sq.yds. sityated at Taraf Jodhew a Teh. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Ludhiana in September, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri. Roshan Lal S/o Shri. Ganga Saran r/o Saban Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri. Balwant Rai S/o Shri Batana Ram & Shri Tarsem Lal S/o Sh. Karam Chand S/o Sh. Raila Ram r/o Basti Jodhawal Radhon Road, Ludhiana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 300 sq. yds. situated Taraf Jodhowal Teh. Ludhiana. The property as mentioned in the registered deed No. 3197 of 9/80 of the Registering authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Ludhiana,

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May 1981.

Ref. No Chandigarh/259/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Plot No. 1354 in Sector 33-c, situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in November, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facifitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

- Shri. Mohinder Jit Sethi
 S/o Dr. N.S. Sethi
 r/o H. No. C-74 D.D.A. Flat, New Delhi.
- (Transferor)
 (2) Capt. Manmohan Singh Kahlon S/o Sh. Lachman Singh Kalhon through his general attorney Sh. Lachman Singh S/o Sh. Jagat Singh r/o H. No. 505, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 1354 situated in Sector 33-C, Chandigarh. The property as mentioned in the registered deed No. 1548 of Nov 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana,

Date :19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May 1981

Ref. No DBS/33/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 9B 16B situated at Village Singhpura S. Teh. Dera Bassi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in September, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of thte property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri. Om Prakash s/o Tirath Ram& Shri. Madan Lal s/o Shri. Hawali Ram r/o 1272, Sector 18-c, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri. Satinder jit Singh 8/0 Shri. Ramjit Singh r/0 51, Sector 28-A, Chandigarh.
- (2) Shri Gurmit Singh s/o Shri. Bachan Singh r/o 1618, Sector 18-D, Chandigarh,
- (3) Smt. Parminder Kaur w/o Swaranjit Singh r/o 1595, Sector 36-D, Chandigarh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 bigha 16 Biswas situated in Village. Sinhpura S. Teh. Dera Bassi. The property as mentioned in the Registered deed No. 909 of September, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhjana

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana the, 19th May 1981

Ref. No. DBS/34/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 10B-OB in situated at Singhapur S. Teh. Dera Bassi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri. Boota Ram s/o Shri Harbhagwan Dass & Shri Kharati Ram s/o Shri Munshi Ram r/o 25, Sector 22-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shrl. Satinderjit Singh s/o Shrl. Ranjit Singh r/o 51, Sector 28-A, Chandigarh.
- (ii) Gurmit Singhs/o Shri Bachan Singhr/o 1618 Sector 18-D,Chandigarh.
- (iii) Smt. Parminder Kaur w/o Swaranjit Singh r/o 1595, Sector 36-D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10BOB situated in Village. Singhapura S. Teh Dera Bassi The property as mentioned in the Registered Registered deed No. 907 of September, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi.

SUKHDEV, CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range Ludhiana.

Date :19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May 1981

Ref. No. LDH/193/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property. (Khasra No. 7/3/1/6y situated at Sherpur Kalan, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reductions or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagjit Singh s/o Shri Jaswant Singh, R/o Ludhiana Jhikkar, Teh. Nawanshehar, Distt. Jullundur. Smt. Harkishan Kaur w/o Shri Joginder Singh, R/o B-6-135, Kucha No. 2, Madhopuri, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Lal s/o Shri Nanak Chand & Shri Sanjay s/o Shri Jagdish Lal, R/o 92B, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Sherpur Kalan, Teh. Ludhiana. The property as mentioned in the sale deed No. 3170 of September, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-5-1981

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

)FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May 1981

Ref. No. AML/75/80-81.—Whereas, I, S. KHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 10 Kanals 14 Marlas situated at V. Mugal Maira, S. Teh. Amloh. Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amloh in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mohinder Singh, S/o Shri Kapoor Singh, R/o V. Mugal Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patlala.

(Transferor)

(2) M/s Vivek Steel Industries, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaussie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 Kanals 14 Marias at V. Mugal Majra Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No 1235 of September 1980 of the Registering Authority, Amloh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the, 19th May 1981

Ref. No LDH/233/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CNAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Land Measuring 498 sq.yds.situated at New Shivaji Nagar, Samrala Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any thoselys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt.Inderjit Kaur D/o S. Santokh Singh, R/o B-II-1570, Rari Mohalla, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Vijay Kumar, Gulshan Kumar & Kewal Krishan s/o Shri. Amin Chand R/o 875, Tilak Nagar, Ludhjana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used fierein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 498 sq. yds. at New Shivaji Nagar, Ludhiana The property as mentioned in the sale deed No. 3525 of September 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquistion Range, Ludhiana

Date :19-5-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May 1981

Ref. No. Chandigarh/256/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 49, Sector 2-A, situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri. Harjeet Singh Jawanda s/o Maj. Dr. Amar Singh Jawanda r/o Flat No. 11, 6-C Middleton Steet, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Ganesh Devl w/o Sh. Hans Raj Singh r/o H.No.94, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49, situated in Sector 28-A, Chandigarh. (The Property as mentioned in the Registered deed No. 1541 of October, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Autority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhian

Date :19-5-81 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 19th May 1981

Ref. No. Ludhiana/226/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authoity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. B-20-12/B situated at Daler Nagar, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
20—116GI/81

 Shri. Vijay Mohan Sood s/o Shri Murti, R/o House No. B-19 537, College Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Gurinder Kaur w/o Shri Gurnam Singh s/o Shri Hari Lecturer, Khalsa College for Women, Civil Lines, Ludhjana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-20-12/B, at Daler Nagar, Ludhiana. The property as mentioned in the sale deed No. 3435 of September., 80 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May 1981.

Ref. No. Ludhiana/234/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. B-20-12/A situated at Daler Nagar, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhina in September, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Narinder Mohan sood s/o Shri. Ram Murti, R/o House No. B-19-537, College Road, Civil Lines.
- (Transferor)
- (2) Mrs Gurinder Kaur W/o Shri. Gurnam Singh S/o Sh. Hari Singh, Lecturer, Khalsa College for women, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-20-12/A, Daier Nagar, Ludhiana. The property as mentioned in the sale deed no. 3539 of September., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisi(ion Range, Ludhiana

Date: 19-5-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 19th May 1981

Ref. No. Ludhiana/185/80-81.—Whereas 1, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. B. VII.27, (No.B. VII.48 New) situated at Chaura Bazar, Ludhiana.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ved Prakash Shri. Nathu Ram House No. B. IX. 1294, Kucha Santar Nath Ram, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Jasbir Kaur W/o S. Santokh Singh R/o 323/5, Benjamin Road, Sujan Singh street, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. B. VII.27/B.VII 48 (New) Chaura Bazar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed no. 3115 of September 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA Ludhiana, the 19th May, 1981

Ref. No.Patiala/54/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Factory Building No. 2, measuring 4420 sq. yds.situated at Factory Area. Patiala.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Patiala in September 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) M/S Beni Limited, 117, Barrekpur Trunk Road, Kumarhati, Calcutta through Nageshwar Singh.

(Transferor)

- (2) (1) Shadi Lal Tayals/o Late Devi Chandr/o Dev Samaj Street Moga,
 - (2) Smt. Saraswati Devi w/o Shri. Shadi Lal Tyalar r/o Dev Samaj Street Moga.
 - (3) Kumari Veer Bala Tayal d/o Shri Shadi Lal Tayal r/o Dev Samaj Street Moga.
 - (4) Smt. Dev Parbha Goyal w/o ShriMohan LalGoyal of Gill Bazar, Rampura Phul, Distt. Bhatinda.
 - (5) Srut. Jamna Devi Momrial Truste c/o Shri Shadi Lal Tayal, Dev Samaj Street Moga.
 - (6) Shri Man Dharam Pal ji Charitable Memorial Trust c/o Shri Shadi Lal Tayal Dev Samaj Street Moga.
 - (7) Shri. Raj Kumar Goyal s/o Shri.Shadhu Ram Goyal H.St street No. 8, Jawahar Nagar, Moga.
 - (8) Smt. Krishana Goyal w/o Ram Kumar Goyal r/o Goyal House, St. No.8. Jawahar Nagar, Moga.
 - (9) Smt. Nirmal d/o Shri Girdhari lal r/o Goyal House St. No. 8, Jawahar Nagar, Moga.
 - (10) Shri, Vijay Kumar Tayal s/o Shri. Dharam Prakash Tayal, Frop. Agricultural Works, Mirch. Mandi Sanuri Gate, Patiala.
 - (11) Smt. Sushma Devi w/o Shri.Vijay Kumar Tayal r/o Kothi No 15 B, New Lal Bagn, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any to the acquismon of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building No.2. measuring 4420 sq. yds. sltuated in Factory Area Patiala. The property as mentioned in the registered deed No. 4203 of September, 1980 of the Retistering Authority, Patiala.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19-5-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 19th May 1981

Ref. No. Ludhiana/208/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

reing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

xceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory Building No. B. XXIII-745(plot No. 876) situated t Indl. Area A, Ludhiana.

and more fully described in the Schedule annexed hereto) as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September., 1980

or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Perfect Inds. (India), 876,
 Indl. Area A Ludhiana through
 Smt. Bachint Kaur windo & Rattan Singh
 S/o Shri. Kehar Singh
 through Gurbachan Singh
 S/o Kehar Singh
 General Attorney & S. Karam Singh,
 Mohinder Singh
 s/o Shri. Kehar Singh
 & Sewa Singh,
 all residents of 876, Indl. of Area A Ludhiana.
 (Transferor)
- (2) M/s Sial Manufacturing&
 Trading corporation,
 C-1,
 Textile Colony,
 Indl. Area A Ludhiana
 through Shri Mohinder Lal Sial
 S/o Shri. Manohar Lal Sial
 R/o 135 L Model Town,
 Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Bld. No. 23. 745 (plot no. 876) Indstl. Area A Ludhiana. The property asmentioned in the sale deed no. 3258 of September., 1980 of the Registering Authority. Ludhiana

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 19-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 19th May 1981

Ref. No. Ludhiana/293/80-81.- -Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. B.XIX-1108A, situated at Mukand Lal Road, Tagore Nagar, Ludhiana.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana, in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Bhishan Kumar Ahuja s/o Dr. Ram Lal Ahuja, Dr. Harish Chand Ahuja& Shri. Jaswant Kumar Ahuja, 132/1, Rani Jhansi Road, Ludhiana,

(Transferor)

(2) Smt. Sudarshan Dhir W/o Shri. Luxmi Pal Dhir, Sh. Alok Dhir S/o Shri. Luxmi Pal Dhir, residents A-75, Tagore Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property no. B. XIX. 1108A, Mukand Lal Road, Tagore Nagar, Ludhiana. The property as mentioned in the sale deed no, 4183 of November, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.

SUKHDEV CHAŒD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date :19-5-1981

Soul:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1097 Acq.23-II/80-81-Whereas, I MAN-GI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S.No. 107 plot No. 90, situated at Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda in September, 1980.

iot an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lilavatiben Chimanlal Patal; 12, Vijay Park Society, Sardar nagar, Baroda.

(Transferor)

- (2) (1) Ashokbhai Ravjibhai Desai;
 Hathi pole,
 palace Road,
 Baroda.
 - Devikaben jitendrabhai Patel;
 Khadiya plot-2,
 Place Road,
 Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing S. No. 107, plot No. 90, situated in the Jetalpa area of Baroda City and as fully described as per sale-deed No. 5238 executed on 21-8-80 and registered in the office of Sub-Registrar, Baroda, in the month of September, 1980.

MANGI LAL Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, 11, Ahmedabad

Date: 30-3-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th March 1981.

Ref. No. P.R. No. 1098 Acq-23-II/80-81.--Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. No. 99/3, 105 and 130, T.P. S.I. situated at Akota, Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in September., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mac Laboratories (Pvt) Ltd., Great Social Building, 60, S.F. Mehta Road. Bombay-1.

(Transferor)

Mihir park Coop.
 Housing Society Ltd.,
 C/o. 109,
 Shanti Bhavan,
 Rajmahal Road,
 Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing R.S. No.99/3, 105 and 130 situated in the Akota area of Baroda City and as fully described in the sale-deeds bearing Registration Numbers 2741, 2742 and 2743 executed on 30-4-80 and registered in the office of Sub-Regisstrar, Baroda in the month of September, 1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 30-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ah medabad, the 22nd April 1981

Ref. No. P.R. No. 1367/Acq 23-I/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sanand No. 5103, plot Nos. 2&3 situated Malviya Road, Gondal Road, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on Septembeer, 1980.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

21-116GI/81

- (1) (1) Shri. Vinod Dhirajlal Parekh;
 - (2) Shrl. Ramniklal Dhirajlal Parekh;
 - (3) Shri. Shashikant Dhirajlal Parekh;
 - (4) ShriNitin Dhirailal Parekh;
 - (5) Shri Dilip Dhirajlal Parekh; Through: P. A. Holder: Shri Mansukhlal Bhagwanji Vaidya; Opp. Hatkeshwar Mandir, Rajkot.

(Transferor)

 Shri Vasantlal Mahanlal Sangani; Bardhan Chawk, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The open plots of land admeasuring (1) 640 sq.yds. (2) 418.7 sq.yds &(3)388.5 sq.yds. bearing plot Nos. 2&3 situated at Malviya Road, Gondal Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regu. Nos. 4897, 4896 & 5181 dated September, 1980 respectively.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 16th April 1981

Ref. No. P.R. No. 1366/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 210-1, T.P. S.14, F.P. 272, Sub-Plot No.4, situated at Shahlbaug, Near Collector's Office, Dafnala, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 23rd September 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri. Bharatkumar Chimubhai Banker; Madhuvan, Dafnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sushilaben S. Batra; Dufnala, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this society in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 604 sq. yds. bearing S. No. 210-1 (Darlapur Kazipur) T.P.S.14-F.P. No. 272, Sub-plot No. 4, situated at Shahi baug, Dafnala, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 13039/23-9-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tan
Acquisition Range-I, Ahmedabac

Date: 16-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD Ahmedabad, the 14th April 1981.

Ref. No. P.R. No. 1365 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.No. 124, plot No. 284 situated at Ranchhodnagar, Sheri No. 13, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11 September 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thetrefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kanjibhai Harganbhai Shah; Ranchhodnagar Society, Raikot.

(Transferor)

(2) Smt. Jayaben Ganeshbhai Patel; Smt. Narmadaben Chhaganlai Patel; Ranchhod nagar Society, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the eald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Golden Screen Printing Works standing on land admeasuring 746-6-0 sq. yds. bearing S.No. 124, plot No 284, situated at Ranchhodnagar Sheri No. Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 5521 dated 11-9-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date::14-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD Ahmedabad, the 14th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1364/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2/227/1 of Municipal Ward No. 2, Plots No. 2296 situated at Jin Plot, Dhragadhara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhragadhara on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Girishchandra Liladhar Thakkar; Club Road, Dhragandhara.

(Transferor)

(2) Shri Badrudin Pirbhai; Jin Plot, Dhragandhara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed building standing on land admeasuring 283-3-0 sq. yds. bearing City S. No. 2296 Municipal Ward No. 2, No. 2/227/1, situated at Jin Plot Dhragandhara and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 678 dated 15-9-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 6th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1362/Acq.-23-I/81-82.--Whereas I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 143-2, T. P. S. 8, F. P. No. 16, Paiki situated at Dariapur-Kajipur, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 29-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nirmalaben Laxmiprasad Rawal; Ramvatika, Near Girdharnagar, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Bharatiya Apartment Coop. Housing Society Ltd., (Proposed) through Shri Rameshbhai Narayanbhai; 11, Vithalnagar Society, Camp Road, Near New Civil Hospital, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 345-½ sq. yds. bearing S. No. 143-2, Final Plot No. 16 paiki Block No. A-2-1 T.P.S.-8, Darlapur-Kazipur, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 12254/29-9-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisitlon Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 6th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1363/Acq.-23-I/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F.P. No. 16 paiki T. P. S. 8, Dariapur Kazipur, S. No. 143-2 situated at Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-9-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Madhukantaben Ramlal Vaikanthram Vyas and others;
 54-2, Girdharnagar Society, Shahibaug Road, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Bharatiya Apartment Coop. Housing Society Ltd. (Proposed);
through: Promoter Shri Rameshbhai Nara yanbhai Patel;
11, Vithainagar Society,
Camp Road, Near New Civil,
Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid-immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 430 sq. yds. bearing S. No. 143-2, Final Plot No. 16 paiki Block No. C, T. P. S. 8, Darlapur, Kazipur, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 12254/29-9-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 6th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1361/Acq.-23-I/81-82.--Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 170, situated at Near Drive-in-Road, Vastrapur Distt. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Punamchand Gokaldas Shah;
 Amrakunj Society,
 Ramnagar,
 Sabarmati,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Jyotimani Coop. Housing Society; through: Smt. Jyotika Ramanlal Shah; 31, Avanika Park, Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 5808 (1/2 of 11616 sq. yds. paiki) bearing S. No. 170 ssituated at Vastrapur, Near Drive-in-theatre District Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 11672/Sept., 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-4-1981

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 6th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1360/Acq.-23-I/81-82.--Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 254-3-6 situated at Ghatlodiya, District Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 4-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chanchalben daughter of Deshal Dunge ji Gokalpura, Village: Vadsar, Taluka Kalol, District Mehsana.

(Transferor)

(2) 1. Prit Tenament Coop. Housing Society Ltd., Through: Shri Ambashankar K. Mehta; Chairman: Bungalow No. 38, Tirthnagar Soiety, Sola Road, Near Ghatlodiya, Ahmedabad.

 Shri Rameshbhai Patel, C/o Ami Corporation, Vikram Chambers,
 1st Floor,
 Ashram Road,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. A O Guntha 34 bearing S. No. 254-3-6 situated at Ghallodiya, District Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 3419/4-9-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 6th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1359/Acq, 23-I/81-82.—Whereas, I MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 245/1/3, situated at Ghatlodiya District Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 9-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—116GI/81

 Shri Babubhai Naranbhai Patel; Guardian of Minor Kanubhai Bababhal; Village Ghatlodiya, District Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Bileshwar Coop. Housing Society Ltd., through: Chairman, Shri Bhailalbhai Bhalabhai Patel; Village Makarba, District Ahmedabad. Secretary: Shri Vasudev Haribhai Patel; Village: Thaltej, District Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 11132 sq. yds. bearing S. No. 245/1/3, situated at Ghatlodiya, District Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 12413/9-9-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 6-4-1981

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th April 1981

Ref. No. P. R. No. 358/Acq. 23-I/81-82,---Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 93, situated at Gandhigram, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh, on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jayondraray Parabanray Joshipura; Sukhvanti Dayashankar Joshipura; Harshida Jayondraray Joshipura; Sudhaben Jayondraray Joshipura; Naresh Jayondraray Joshipura; Rajendra Jayondraray Joshipura; 240, Manekbag, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Pushpa Ishwarlal Ruparel; Mangnath Road, School Wadi Gate, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 954-1 sq. yds. bearing Plot No. 93, situated at Gandhigram, Junagadh and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1955 dated 15-9-1980.

MANGI LAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-4-1981

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1357/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 2435 of Ward No. 2, situated at Thakkar Plot, behind Kabir Ashram, Porbandar;

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 8-9-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Odhavji Jamnadas Lakhani; Behind Kabir Ashram; Thakkar Plot, Porbandar.

(Transferor)

(2) Smt. Vijayagauri Narandas; Bhadrakali Road, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed residencial building standing on land admeasuring 133-7-4 sq. yds. bearing . No. 2435 situated at Thakkar Plot, behind Kabir Ashram, Porbandar and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 2480 dated 8-9-1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 4-4-1931

Spal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 1st May 1981

Ref. No. P. R. No. 1110/Acq. 23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 114—Moje Nagarwada situated at Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Baroda in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Kamlaben Jagjivandas Patel;
 - 2. Shantaben Jagjivandas Patel;
 - Kantaben Jagjivandas Paiel;
 C/o Keshavlal P. Patel,
 Nagarwada,
 Gate Faliya,
 Baroda.

(Transferor)

 Ayodhyanagar Coop. Housing Society Ltd., President: Laljibhai S. Patel; Nagarwada, Baroda.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Sur. No. 114 situated at Moje Nagarwada and fully described as per the sale deeds bearing registration numbers from 5602 to 5614 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of September, 1980.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 1-5-1981

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Rajendra Manubhai Adhira;
 Umargam, Taluka—Umargam at Dahanu,
 District Thana.

(Transferor)

(2) Shri Pratap Haridas Kapadia; Smt. Kusum Pratap Kapadia; Umargam, Taluka: Umargam.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 1st May 1981

Ref. No. P. R. No. 1111/Acq. 23-11/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 236/1 and 236 situated at Umargam, District Thana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vapi on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afoersaic exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- b) by any other person interested in the saic immovalle preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in he Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said z.ct, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at Umargam, S. No. 236/1 and 236 admeasuring 9 Acre 07 guntha land duly registered on 18-9-1980.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 1-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD Ahmedabad, the 2nd May 981

Ref. No. P. R. No. 1112—ce,8/q1sa2Ia2eW18,/.ih3A1I-G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 425/19 and 425/20 situated at Thakkar Falia, Dahod

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dahod on 29-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of my income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Owners of Saifi Construction Co.,
 - Shri Jenudin Abhashhai Unwala, Vohra Society, Dahod.
 - Abdulhusein Hasanbhai Chunawala, Zalod Road Saify Society, Dahod,
 - 3. Banubhai Jenuddin Parawala,
 - Salmabai Hatimbhai Ghadiyali; Taivada, Unchyaniawala Road, Dahod.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Firoz Daudbhai Kacheriwala;
 - 2. Shri Fakruddin Daudbhai Kacheriwala;
 - Shri Abhasbhai Daudbhai Kacheriwala; Huseini Mahollo, Dahod.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 425/19 and 425/20, Saifi Flat, duly registered on 29-9-1980.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Il, Ahmedabad

Date: 2-5-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd May, 1981

Ref. No. P. R. No. 1113/Acq-23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City S. No. 425/19 and 425/20 situated at Thakkar Faliya Dahod (Saifi Flat)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dahod on 29-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Owners of Saifi Construction Co.,
 Shri Jonudin Abbashhai Lenwala;
 Vohra Society,

Dahod.

 Abdulhussein Hasanbhai Chunawala, Zalod Road, Saify Society, Dahod.

- Banubhai Jenudin Parawala, Zalod Road, Saify Society, Dahod.
- Salmabai Hatimbhai Ghadiyali; Taivada, Unchayaniawala Road, Dahod.

(Transferor)

 Mulla Mahmadbhai Huseinbhai Jirawala; Juni Kacheri Marg, Dahod.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 425/19 and 425/20, Saifi Flat, duly registered on 29-9-1980.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad. I

Date: 2-5-1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLY OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANCE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 2nd May, 1981

Ref. No. P. R. No. 1114/Acq-2:-II/81-82.—V/herea;, I, G. C. GARG

being th: Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'scid Act'), have reason to believe that the immovable property having a far market value exceeding Fs. 25, 100/and bearing

C. S. No. 425/19 and 425/20 situa ed at Thakker Falia, Dahod (Saifi Flat),

(and more fully described in he Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dahod on 29-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propert, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Owners of Saifi Construction Co.,
 - Shri Janudin Abbashhai Lenwala; Vohra Society, Dahod
 - 2. Abdulhussein Hasanbhai Chunawala;
 - Banubai Jonudin Parawala, Zalod Road, Saifi Society, Dahod.
 - Salamabai Hatimbhai Ghadiyali; Taivada, Unchaniawala Road, Dahod.

(Transferor)

 Shri Saifudin Abbashbhai, Cylotlawala;
 Dahod.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 425/19 and 425/20 (Saifi Flat), duly registered on 29-9-1980.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 2-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD Ahmedabad, the 11th May, 1981

Ref. No. P. R. No. 1116/Acq. 23-II/81-82.—Whereas, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 97/6/2, Office cum Godown situated at Unjha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Unjha on 20-9-1981

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
23—116GI/81

 Partners of M/s. Rameshkumar Babulal & Co., Ganj Bazar, Unjha (N. Gujarat).

(Transferor)

 On behalf of Dhanalal & Sons. (H.U.F.); Shri Dhanalal Ganeshlal Jain, being Karta of H.U.F. and co-owners; 8-B, Amratala Street, Calcutta-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property situated at Uniha Market yard, Plot No. 97/6/2 duly registered on 20-9-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 11-5-1981

Seal;

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th May, 1981

Ref. No. P. R. No. 1117/Acq, 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R. S. No. 2885, S. No. 2852, T. P. S. 3, F. P. 465 situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anand on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolkintax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition. of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dahiben wife of Patel Shantilal Shanabhai; Village Gutal;

Tal. Nadiad.

(Transferor)

- (2) Shah Chimanlal Motilal as Karta of following:
 - 1. Lalitaben Chimanlal Shah;
 - 2. Shah Chandravadan Chimanlai;
 - 3. Kanubhai Chimanial;
 - 4. Anilkumar Chimanlal;
 - 5. Rajendrakumar Chimanlal.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Anand, R. S. No. 2885, C. S. No. 2852, T. P. S. 3, F. P. 465, duly reistered on 12-9-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dato: 11-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 11th May, 1981

Ref. No. P. R. No. 1118/Acq.-23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

R. S. No. 1, Paiki C. S. No. 2007, Paiki Plot No. 1300 situated at Vallabh Vidyanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Anand on 16-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Patel Surajban Ranchhodbhai & others;
 Villato Chaklashi,
 Tajuka: Nadjad.

(Transferor)

(2) Shri Raneshbhai Naranbhai Patel & others; Vallabh Vidyanagar, Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. R. S. 1 paiki, C. S. No. 2007, paiki Plot No. 1300, duly registered on 16-9-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 11-5-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 16th April, 1981

Ref. No. A.C-12/R.-IV/Calcutta/81-82.-Whereas I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Kh. No. 5392 situated at Bally, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 23-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kalyani Ganguly.

(Transferor)

(2) Sree Ambarish Hazra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 kh. 5 ch. 28 sft. of land situated at Bally, Howrah. More particularly described as per Deed No. 1732 of 1980.

K. SINHA
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 16-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION'RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd April 1981

Ref. No. AC.-15/R-IV/Cal./81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 74, 75, 76, 77 situated at Mouza: Khadia, Lilooah, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-9-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sanat Kr. Banerjee, Smt. Dipti Chatterjee, Shri A. Mukherjee, Haradhan Banerjee and Narayan Ch. Banerjee.

(Transferor)

(2) M/s. Precise Pipes and Tubes (Pvt.) Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 23-1/2 Dec. of land situated at Dag No. 74 to 77 at Lilooah, Howrah more particularly described as per Deed No. 3234 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Calcutta

Date: 23-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th May, 1981

Ref. No. AC.-28/R-IV/Calcutta/81-82.--Whereas I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 17 situated at Dharampur Mouza Chinchurah, Hooghly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 25-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Haradhan Mandal, of Kapidanga, Chinchurah, Hooghly.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagawati Agarwala of Bichalipatty, Chinchurah, Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 ·115 acres of land with structure—situated et—17 Dharampur mouza, Chinchurah, Hooghly more particularly described as per Deed No. 6912 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 6-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th May, 1981

Ref. No. AC-29/R.-IV/Calcutta/81-82.—Whereas I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag Nos. 2205, 2207 situated at Brahminpara, Dhas ra Jagacha, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrah on 29-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mohankal Chatterjee, Brahminpara, Dhasara, Jagacha, Howrah.

(Transferor)

 Smt. Roma Rani Chatterjee, Brahminpara, Dhasara, Jagacha, Howrah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 13 Dec. of land with building situated at Dag Nos. 2205, 2207, Brahminpara, Dhasara, Jagacha, Howrah more particularly described as per Deed No. 3504 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
[Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 6-5-1981

FORM ITNS----

(1) Biswajit Biswas of Bhimpur, Kowtali, Nadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Safal Kumar Biswas, Bhimpur, Kowtali, Nadia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th May, 1981

Ref. No. AC-30/R-IV/Calcutta/81-82.—Whereas I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1438 situated at Kotwali, 91, Bhimpur, Nadia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chapra on 3-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11 Dec. of land with shed situated at Plot No. 1438, Kotwali, 91, Bhimpur, Nadia more particularly described as per Deed No. 3902 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 6-5-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 16th May 1981

Ref. No. III-488/Acq.-81-82.—Whereas, I, V. N. SRI-VASTAV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as mentioned in deed No. 7443 situated ; t as per deed No. 7443, dated 22-9-1980

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ranchi on 22-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely.

24—1**16**GI/81

 Shri Gurchand Kubra S/o Late Chaturbhuj Kubra Shri Gori Shankar Kubra of Upper Bazar, Ranchi Sri Tara Chand Kubra, Smt. Jitu Debi Kubra of Upper Bazar, Ranchi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ram Krishna Sharma
 - 2. Srl Hari Krishna Sharma
 - Sri Ratan Kumar Sharma All sons of Sri Murlidhar Sharma of Upper Bazar, Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building morefully described in deed No. 7443 dated 22-9-1980 registered with District-Sub-Registrar, Ranchi.

V. N. SRIVASTAV
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 16-5-1981

 Sardar Kulwant Singh S/o Late Amar Singh of Giridih,
 District Giridih.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Shanker Deo Churiwala S/o Shri Basudeo Churiwala of Punjabi Mohalla, Giridih, District Girldih.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PATNA Patna-800001, the 28th May 1981

Ref. No. III-489/Acq./81-82.—Whereas, I, R. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. I, H. No. 777 situated at Baramasia, Girldih

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Girldih on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property and I have person to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 4 Kathas, 3 Chhatakes with pucca building situated at Baramasla P. S. Giridih, District Giridih morefully described in deed No. 9981 dated 18-9-1980 registered with D.S.R. Giridih.

R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 28-5-1981

Soai:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800001, the 28th May 1981

Ref. No. III-490/Acq./81-82.—Whereas, I, R. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 1, H. No. 777 situated at Baramasia, Giridih (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Giridih on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sardar Kulwant Singh S/o Late Amar Singh of Giridih, District—Giridih.

(Transferor)

(2) Shri Shambhudeo Churiwala S/o Sri Basudeo Churiwala of Punjabi Mohalla, Giridih, District Giridih.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 5 Kathas 15 chatakes situated at Baramasia P. Giridih District Giridih, more fully described in deed No. 9982 dated 18-9-1980 registered with district Sub-Registrar Giridih.

R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th April 1981

Ref. No. 326/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2, Matriz No. 68, situated at Aquem Alto, Margao (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salcete under document number 237/606 on 24-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Anant Balkrishna Naik,
 Smt. Saraswati Anant Naik,
 R/o 'Sneha Sadan',
 N. Gamadia Road,
 Bombay-400026.

(Transferor)

 Shri Govind Dattatray Sadekar Painting Contractor, R/o Comba, Margao.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 237/606 dated 24-9-1980)

Open land known as 'Congui' or 'Chony' bearing plot No. 2, Matriz No. 68 situated at Alto Aquem, Margao, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-

Date: 15-4-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore, the 15th April, 1981

Notice No. 327/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Regn. No. 45 408, Matriz No. 1959, Survey Chatta No. 17 situated at Fatorda, Margao, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salcete under document No. 1640/79/528 on 5-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- I. Mohammed Ismail Ramjec and his wife Ijatkhanu, Pajifond, Margao, Goa.
 - Sanvlo Chondro Virdikar and his wife Ahilyabai
 Virdikar, Fatorda, Margao, Goa.
 - Datta Ganesh Adpaikar and his wife Sumatibai 1).
 Adpaikar, Karcaband (Pedda) Navelim, Goa.
 - Chandrakant Surya Naik and his wife Sunita Chandrakant Naik, Comba, Margao, Goa.
 - Shridhar Manu Durdikar and his wife Shantu S. Kurdikar Shantu S. Kurdikar, Marguo, Goa.

- Arjuu Yeshwant Amonkar and his wife Subhadra Arjun Amonkar, Aquem, Margao, Goa.
- Narayan Gangu Adpaikar and his wife Gopikabal N. Adapaikar, Comba, Margao, Goa.
- Mafatlal Purushottam Patel and his wife Kantaben Mafatlal Patel, Calcondem, Margao, Goa.
- Pandurang Surya Sawant Talaulikar and his wife Mirabai P. Sawant Talaulikar, Shirvodem, Navelim, Goa.
- Dina Jalu Adpaikar and his wife Vatsala D. Adpaikar, Pedda, Navelim, Goa.
- Pundalik Vithal Adpaikar and his wife Pushpawati
 P. Adpaikar, Calcondem, Navelim, Goa.
- Chandrakant Shivram Adpaikar and his wife Kamlavanti Chandrakant Adpaikar, Comba, Margao, Goa.
- Ananta Narayan Zambaulikar and his wife Manorama A. Zambaulikar, Aquem, Margao, Goa.
- Raya Nagu Borkar and his wife Vishranti R. Borkar Pedda, Navelim, Goa.
- Vassant Raghu Borkar and his wife Shanta V. Borkar, Malbhat, Margao, Goa.
- 16. Gokulbhai Shamba Varik, Pedda, Navelim, Goa.
- Narasiny Sitaram Prabhu and his wife Saraswati M. Prabhu, Fatorda Margao, Goa.
- Damu Yeshwant Naik and his wife Shardabai D. Naik, Fatorda, Margao, Goa.
- Gajanan Damodar Sawant and his wife Sarojini G. Sawant, Fatorda, Margao, Goa.
- Gunawanti Narayan Naique alias Ganawanti Narayan Shirodkar, alias Jayshri Shrodkar, Margao, Goa.
- Datta Krishna Shirodkar and his wife Prema alias Ushabai Datta Shirodkar, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Shrimati Sheela Hirba Naik Gaunekar, Flat No. 8, Vitrose Mansion, Isida Baptista Road, Margao, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1640/79/528 dated 5-9-1980) Open land knows as "Chondra Vado" or "Xira", bearing land Regn. No. 45 408, Matriz No. 1959, Survey Chatta No. 17, situated at Fatorda, Margao, Goa, Land measures 11395 sq. m.

R. IHOTHATHRI Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

Date: 15-4-1981

Sea 1:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 14th May, 1981

Notice No. 335/81-82.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Survey No. 82 and 83 situated at Aramane Thalagur village? Balur Hobli, Mudigere Taluk

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Mudigere under document number 452/80-81 on 23-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely:—

 Shri M. Chokkalingam, S/o Mr. M. S. M. M. Meyappa Chettiar, No. 6, 6th Street, Rutland Gate, Madras-600006.

(Transferor)

(2) Shri A. R. Krishna Gowda, S/o Shri A. D. Rajarame Gowda, Coffee Planter, Kattimane Estate, P. O. Herur, Koppa Taluk, District Chikmagalur.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 452/80-81 dated 23-9-1980) Coffee lands bearing survey No. 82 and 83 and buildings therein, situated at Aramane Thalagur village, Balur Hobli, Mudigere Taluk, District Chikmagalur.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 14th May 1981

Notice No. 336/81-82.—Whereas I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 203, 204, 235, 236, 237, 238 and 239 situated at Mahaveer Nagar (Kothari's layout) S. No. 67, Brahmapur, Gulbarga. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gulbarga under document number 1817 on 25-9-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ashok Kumar Phulchand Kothari, Saraf Bazar, Gulbarga.

(Transferor)

(2) Shri Prashant Subhaschandra Kothari, Minor under Guardianship of Shri Subhaschandra Phulchand Kothari, Saraf Bazar, Gulbarga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1817 dated 25-9-1980) Seven open plots bearing No. 203, 204, 235, 236, 237, 238, and 239 situated in Mahaveer Nagar (Kothari's layout) S. No. 67, Brahmapur, Gulbarga.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 14-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

1/25, St., Maniyakarampalayam Ganapathi, Coimbatore-6.

(Transferor)

 P. Govindaswamy Chettiar, Mrs. S. Alagammai, Ramanathan,
 Raja Street, Coimbatore.

(1) Shri K. Kuppuswamy Tagore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 10986.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 146/1, situated at Gandhipuram, Ganapathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhipuram (Document 3411/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ganapathi, S. No. 146/1 (Document No. 3411/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May, 1981

Ref. No. 10986.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 146/1 situated at Gandhipuram, Ganapathi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Coimbatore (Document 3412/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

25-116GI/81

(1) K. Kuppuswamy 1/24, Maniyakarampalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. Palaniappan, Sivanandhan, Radharani Annapoorani, 94, Raja Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Gandhipuram, Ganapathy S. No. 146/1. (Doc. No. 3412/80).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras.

Dato: 15-5-1981

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May, 1981

Ref. No. 10986.—Whereas, 1, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 146/1 situated at Ganapathi, Gandhipuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 3413/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Kuppuswamy, 1/25, Tagore Street, Maniyakarampalayam, Coimbatore.

(Transferor)

Ramayi,
 N. Dhandapani,
 Pelaksriyo,
 Shanmughasundaram,
 216, Bharathiyar Road,
 P. N. Palayam,
 Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. 146/1, Ganapathi, Gandhipuram. (Document No. 3413/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Rcf. No. 10986.—Whereas, 1, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T. S. No. 146/1, Ganathi, situated at Rathinapuri, Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Coimbatore (Document No. 3414/80) on September, 1980 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Kuppuswamy, 1/25, Tagore Street, Maniyakarampalayam, Ganapathi, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri Dhandapani,
 N. Veluswamy,
 10, Kasturibai Street,
 Kollthottam, Ganapathi, Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rathinapuri, Sanganur, Ganapathi S. No. 146/1, Colmbatore.
(Document No. 3414/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

-Madras, the 8th May, 1981

Ref. No. 9173.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kootharasikara Street, situated at Pandarinathan Sannadhi Street, Karur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur (Doc. 1796/80) on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid, property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

R. Sethuraman
 R. Chandrasekaran
 R. Deivanai Ammal,
 North Pradhatchinam Road,
 Karur.

(Transferor)

M. Govindan,
 G. Manoharan,
 Sengunthapuram-III Cross,
 Karur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kootharasikra Street, and Pandarinathan Sannadhi Street, Karur. (Document No. 1796/80)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date .: 15-5-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 10967.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 18, St. No. 1, Gopalapuram, situated at Goimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Document No. 4778/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. T. Sundarraj, Balaji,
 18, Gopalapuram, Street No. 1,
 Coimbatore.

(Transferor)

 K. Ramachandran, Sridhar, Palaiyaveedu, Puliampatti, Karadiyair, Coimbatore, Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 18, St. No. 1, Gopalapuram, Coimbatore.

(Document 4778/80)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 15792.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

39, South Boag Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at T. Nagar (Document No. 1530/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

 Kamakshi Kumaraswamy, Tamilagam
 3rd Street, Manavaneri,
 Salem-7.

(Transferor)

(2) Sivakami, Madhavan10, Bharathi Nagar, I Street, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 39, South Boag Road, Madras-17. (Document No. 1530/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Insecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 15803.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 55, Tamilnadu Area, situated at Defence Services Co-operative House Construction Society Ltd., Scheme Nandambakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at North Madras (Document No. 373/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Parukutty V. Pillai Mrs. Nandini Pillai Mrs. Ramani Gopinath, Rep. M. Parameswaran Pillai, 250A, H. Block, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Mrs. Anikkath Sreedevi 55, Defence Officers Colony, Nandambakkam, Madras-97.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 55, Tamilnadu Area Defence Services Co-op. House Construction Society Ltd., Scheme, Nandambakkam Madras.

(Document No. 3731/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 11078.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. F. 318/80, 320/2, situated at Singanallur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Singanallur (Document No. 1610/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. R. Lakshmanan,
 S. L. Venkatesh
 S. L. Ravishanker,
 68, S. R. T. Lay out,
 Singanallur,
 Coimbatore District.

(Transferor)

(2) R. Ramachandran, 134, Anayankadu Road, Singanallur, Coimbatore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. F. 318/80, 320/2, Singanallur. (Document No. 1610/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 15703.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 31, Mookathal Street, Vepery, situated at Madras-7 (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Purasawalkam (Document No. 1800/80) on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

26-116GI/81

K. Swaminathan,
 33, D'Caster Road,
 Madras-12.

(Transferor)

(2) Rev. P. S. Chelladural, President Native Missionery Enterprises of India, 31, Mookathal Street, Vepery, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 31, Mookathal Street, Vepery, Madras-7.

(Document No. 1800/80)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 11006.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 15/8, Siddha Naidu Lay out, situated at Thiruvenkatam Road. Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Document No. 5193/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri V. Rangaswamy S/o Venkataswamy Naidu Chinnathadagam, Coimbatore Taluk.

(Transferor)

(2) R. Balakrishnan,
 R. Padmanabhan R. Devraj,
 S/o Rangaswamy Naidu,
 15/8, Thiruvenkatam Street,
 North Colmbatore, Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 15/8 Thiruvenkatam Road, Coimbatore.

(Document No. 5193/80),

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Date: 15-5-1981

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 11082.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T. S. No. 770, 766, situated at Pollachi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pollachi (Document 2597/80) on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. Rangavendra Rao, 15, Mariamman Koil Lane, Pollachi.

(Transferor)

Secretary,
 Pollachi Co-op. Housing Society,
 Kamaraj Road,
 Mahalingapuram,
 Pollachi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T. S. 770, 766, Pollachi. (Document No. 2597/80).

R.RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 15661.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 14, First Main Road, III Street, situated at Wallace Garden, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Madras (Document 3756/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. P. P. N. Katheeja Biyi, 36, West Street, Koothanallur

(Transferor)

(2) Mrs. Ummul Bahceja, Mohammed Niyaz T. Sathak Newaz, Melatheru, Keelakkarai, Ramnad District.

. . .

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 14, First Main Road, III Street, Wallace Garden, Madras.
(Document No. 3756/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 15676.—Whoreas, (I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 91 & 92, situated at Royapettah High Road, Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Document 1677/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

L. K. Ranee,
 Dr. Rangachari Road,
 Madras-600018.

(Transferor)

(2) S. Radhakrishnan & others, 52, Chidambarasami 2nd Street, Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 91, 92, Royapettah High Road, Madras-4.

(Document No. 1677/80)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 11007.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/11 V O. C. Road, R. S. Puram, situated at Coimbatore

29/11, V. O. C. Road, R. S. Puram, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Document No'. 5145/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri K. Singar avelu,
 29/11, Sivagami Nilayam,
 V. O. C. Road, R. S. Puram,
 Coimbatore.

(Transferor)

B. Krishnaraj,
 24, East Thiruvenkataswamy Road,
 R. S.)Puram,
 Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29/11, O. C. Street, R. S. Puram, Colmbatore.
(Document No. 5145/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 10963.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T. S. 7/163, Subri Street, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Document No. 4653/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jayalakshmi Ammal, 32/277, A. Subri Street, Coimbatore.

(Transferor)

R. Govardhanan,
 R. Jayakumar,
 Minor R. Ananthapadmanabhan,
 24, 258D, Raja Street,
 Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T. S. 7/163 Part (Document No. 4653/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 10963.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T. S. 7/163, Subri Street, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Document No. 4652/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Dharmalingam, 32/277A, Subri Street, Colmbatore.

(Transferor)

R. Govardhanan,
 R. Jayakumar,
 Minor R. Ananthapadmanabhan,
 24/258D, Raja Street,
 Colmbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at T. S. No. 7/163, Subri Street, Coimba-tore.

(Document No. 5652/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri S. Venkata Varadan, 44, Kuppiah Chetty Street, Madras-33.

(Transferor)

V. Baskaran,
 12, Eswaran Koil Street,
 Madras-33.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 15990.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, Velu Naicken Street, situated at Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at T. Nagar (Document No. 1472/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
27—116GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5, Velu Naicken Street, West Mambalam, Madras-33.

(Document No. 1472/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 9111.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1220, Vijayamandapam situated at New Street, M. Chavady, Tanjore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Tanjore (Document No. 3780/80) on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 P. Kumaraswamy Chettiar, 1220, Thiyagarajaswamy Koil Street, M. Chavady, Tanjore.

(Transferor)

(2) Shri Kesavamurthy, C/o Punniyam Chennimalai Pandidharkara Street, Perunthurai Taluk, Periyar District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1220, Vijayamandapam New Street, M. Chavady, Tanjore. (Document No. 3780/80).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras, the 15th May 1981

Ref. No. 9111.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1220, Vijaya Mandapam, situated at New Street, M. Chavady) Tanjore (Prayati Nilayam)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tanjore (Document No. 3780/80) on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of incomplete.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. Kumaraswamy Chettiar & Co., 1220, Thiyagarajaswamy Koil Street, M. Chavady, Tanjore.

(Transferor)

(2) V. Thilakavathi, W/o Vetrivel, 19F/P83, Rajan Street, Srinivasapuram, Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hite service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1220, Vijaya Mandapam New Street, M. Chavady, Tanjore.

(Document No. 3780/80)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 15-5-1981

Scal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th May 1981

Ref. No. 600/Dadri/80-81.—Whereas I, BIBEK BANERJI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri on 9-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Dhani Ram,
Mani Ram,
Desh Raj and
Ant Raj,
sons of Shri Radhey Shyam,
Sant Ram,
s/o Shri Kharak Singh,
Hansa Ram and
Mansa Ram,
sons of Shri Ram Saran,
r/o Kanawani,
P. O. Mohan Nagar,
Teh. Dadri,
District Ghaziabad.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Auto & General Finance Pvt. Ltd., through Joint Managing Director Shri Ramesh Suri, r/o 6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plots of land situated at Village Chijarsi Teh. Dadri, District Ghaziabad, sold for Rs. 2,33,500/- fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

BIBEK BANERJI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 25-5-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 25th May 1981

Ref. No. 593/Ghaziabad/80-81.--Whereas I, BIBEK BANERJI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 30-8-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Prakash Finance Pvt. Ltd., through Shri Swatantra Kumar, Director,
 s/o Shri Jai Prakash,
 r/o Hata
 Delhi Iron and Steel Co. Ltd.,
 G. T. Road, Ghaziabad.

(Transfero)

(2) Shri S. Harbhajan Singh, s/o S. Parmender Singh, S. Jagjit Singh, s/o S. Harbhajan Singh, Km. Jasjit Kaur, d/o S. Harbhajan Singh, all resident of Sector 7-C, House No. 1624, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring one bigha 19 biswa, Khasra No. 4974/3 situated at Village Pasonda, Pargana Loni, Tehsil and District Ghaziabad sold for Rs. 1,47,458/-, fair market value of which exceeds more than 15% of the apparent consideration.

BIBEK BANERJI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 25-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./953.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 8-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ram Awatar Gupta,
 S/o Shri Chandagi Lal Gupta,
 House No. 477,
 Gangapole, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Anwar Ahemad s/o Shri Iftikhar Ahmed Musalman, House No. 939, Gangapole, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot situated at Amer Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his registration No. 2317 dated 8-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 22-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./958.—Whereas, I, M. L. CHAU-HAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Asan Das S/o Dalu Ram, Vishan Das S/o Kalyan Das and Khem Chand S/o Rijhu Mal, Kumar Mohalla, Ajmer.

(Transferor)

(2) Shrimati Hemi Bai W/o Udho Mal, Longia Mohalla, Aimer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Double storied residential house, situated at Kumar Mohalla, inside Delhi Gate, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S. R. Ajmer vide registration No. 895 dated 12-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-5-1981

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./952.—Whereas, I, M. L., CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-2, B-2, situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 3-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Hansraj Bansali
 S/o Kundanraj Bhansali
 G. P. A. holder Shri R. C. Mehta
 S/o P. S. Mehta,
 J-46, Krishna Marg,
 C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Naresh Chand Rajwanshi S/o Shri Bishambhar Nath Rajwanshi, 5 Ka 2, Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-2, B-2 situated at S. M. S. Highway, Extention Scheme, Bajaj Nagar, Jaipur and morefully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his registration No. 2236 dated 3-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, JAIPUR

Jalpur, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./956.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 32/72 situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aimer on 22-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

28—116GI/81

 Shri Sangram Singh S/o Fatch Singh and Smt. Anand Kanwar, W/o Udaibhan Singh, Sri Nagar Road, Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Leela Ram S/o Shankar Das, Khari Kui, Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 32/72 situated at Srl Nagar Road, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ajmer vide his registration No. 2, 3832 dated 22-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

: 23-5 -1981

FORM PINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I. A. C./Agg./957.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ajmer on 16-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, add I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Asan Das S/o Dalu Ram, Shri Vishan Das S/o Kalyan Das and Khem Chand S/o Rikhumal, Kumar Mohalla, Aimer.

(Transferor)

(2) Shri Jai Ram Das S/o Udho Mai, Longia Mohalla, Ajmer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of not ce on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHI DULB

Double storied residential House situated at Kumar Mohalla, inside Delhi Gate, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ajmer vide registration No. 3408 dated 16- 1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-5-1981

- 1 ()

Scal:

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 2690 (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 23rd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./959.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. House situated at Ajerer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajaner on 16-9-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Asandas
S/o Dalu Ram,
Vishan Das
S/o Killyan Das and
Khem Chaid
S/o Rijhmal,
Kumar Mohalla,
Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Chander Mai S/o Udhomal, Longiya Mohalla, Aimer.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazett or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any officer person interested in the salid infinitelysiste property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storied residential House situated at Kumar Mohasla, in side Delhi Gate, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ajmer vide his registration No. 3408 dated 16-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./960.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Double Storied house situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Asandas S/o Dalu Ram, Vishandas S/o Kalyandas and Khemchand S/o Rijhmal, Kumar Mohalla, Ajmor,

(Transferor)

(2) Shri Udho Mal, Longia Mohalla, Ajmer.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storled residential house situated at Kumar Mohalla, in side Delhi Gate, Ajmer and more fully described in the sale deed registered by S. R., Ajmer vide his registration No. 3411 dated 12-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 23-5-1981

FORM LTNS.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 23rd May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./955.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ahore

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 1 at Ahore on 26-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Veer Shigh (Lispector), Khadi Gramodhyo; Sahakar Samiti, Ahore

(Transferor)

(2) Shri Mool Chand S/o Sawal Chand and Lal Chand S/o Mangalaji, Ahore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or ε period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential House behind Govt. Hospital, Ahore and more fully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his registration No. 479 dated 26-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competer t Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

L tae: 23-5-1931

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq./965.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House property situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 11-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Chandra Kanta w/o Shri Dr. Vaishampan r/o Gumanpura, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Gangadhar Mittal, s/o Shri Gulab Chand, C/o Kota Control Co-op. Bank Ltd., Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at behind P & T Office opp. M. B. S Hospital, Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota vide registration No. 57 dated 18-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-5-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Chandrakanta w/o Dr. Vaishampan R/o Gumanpura, Kota.

(Transferor)

(2) Shri Narender Kumar s/o Rishablalji Jain R/o Gumanshua; Kota,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./966.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registeirng Officer at Kota on 11-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in willing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in Residential house situated at behind P & T Office, Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota vide registration No. 41 dated 11-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 29-5-1981

al;

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./954.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jaipur on 11-9-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisin; from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 Shri S. C. Singhvi S/o Shri Sawai Chand Singhvi, D-46, Subhash Marg, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mishri Lal Shah, Babulal Shah, Prahalad Rai Shah, sons of Umraoprashad Ji, Chhaganlal Shah S/o Satyanarain Shah, Krishna Kumar S/o Madanlal Shah C/o Prahaladrai Shah Power of Attorney, 45, A. A. S. Ghai Road, Calcutta.

(Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Chitranjan Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered S. R., Jaipur vide his No. 2387 dated 11-9-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur.

Date: 22-5-1981

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./968.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House situated at Baran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baran on 16-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(i) Sadi Sone Vote Singh, Castravest Singh, Sushit Kumar and Vrinda Kumari S. & D/o Raghu Nath Singh, Koela House, Dhanmandi, Kota.

(Transferor)

(2) Shrimati Krishna w/o Mahesh Chandra and Anant Bharadwaj s/o M. C. Bharadwaj R/o Baran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at station Road, Baran and more fully described in the sale deed registered by S. R. Baran vide registration No. 2 dated 16-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Compotent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur.

Date: 29-5-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 29th May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./967.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House property situated at Baran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baran on 16-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Soorveer Singh,
 Chatraveer Singh,
 Sushil Kumar and
 Vrinda Kumari
 S. & D/o. Late Raghu Nath Singh
 Koela House,
 Dhan Mandi,
 Kota.

(Transferor)

 Shri Arvind Kumar Bharadwaj s/o M. C. Bharadwaj Advocate, R/o Baran.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House property situated at station Road Baran and more fully described in the sale deed registered by R. Baran vide registration No. 3, dated 16-10-1989.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dite: 29-5-1981

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th May 1981

Ref. No. I.A.C./Acq./969.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House property situated at Baran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baran on 16-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Soorveer Singh,
 Chatraveer Singh,
 Sushil Kumar
 and Vrinda Kumari
 S. & D/o Late Raghu Nath Singh,
 Koela House,
 Dhan Mandi,
 Kota.

(Transferor)

 Shri Mahesh Chandra Advocate, s/o Ram Devji, R/o Baran.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at station Road, Baran and more fully described in the sale deed registered by S. R. Baran vide registration No. 1 dated 16-10-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 29-5-1981